भारत ने 20 % एथनॉल मिश्रण लक्ष्य को निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले किया हासिल - 12

लोस में गतिरोध खत्म करने पर बनी सहमति- 12

ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी, सेना 24 घंटे रखे उच्च स्तर की तैयारी : सीडीएस - 13

वीनस विलियम्स 2019 के बाद लगातार दूसरी जीत दर्ज करने में नाकाम रहीं - 14

आज का मौसम
31.0⁰ अधिकतम तापमान
26.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.29
सूर्यास्त 07.08

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष द्वितीया 20:42 तक उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शनिवार, 26 जुलाई 2025, वर्ष 5, अंक 155, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

व्यंग्यकार गोपाल चतुर्वेदी का निधन

लखनऊ। प्रख्यात व्यंग्यकार और साहित्यकार गोपाल चतुर्वेदी (82) का गुरुवार देर रात निधन हो गया। यह दुखद संयोग है कि उनकी पत्नी निशा चतुर्वेदी का निधन महज छह दिन पहले 18 जुलाई को हुआ था। गोपाल चतुर्वेदी के निधन से साहित्यिक समुदाय में शोक की लहर है। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को भैंसाकुंड में किया गया। 15 अगस्त, 1942 को लखनऊ में जन्मे गोपाल चतुर्वेदी हिंदी के प्रतिष्ठित व्यंग्यकार कि साथ सजग प्रशासक व भावुक कवि भी थे। इलाहाबाद विवि से अंग्रेजी साहित्य में परास्नातक गोपाल चतुर्वेदी वर्ष 1965 में भारतीय रेल सेवा के अधिकारी भी थे। उप्र सरकार ने उन्हें वर्ष 2015 में यश भारती सम्मान प्रदान किया था। उनके कुछ प्रमुख संग्रहों में अफसर की मौत, दुम की वापसी, राम झरोखे बैठ के, खंभों के खेल, फाइल पढ़ि-पढ़ि, दांत में फंसी कुरसी, गंगा से गटर तक शामिल हैं।

कर्नल से मारपीट की जांच सीबीआई करेगी

नई दिल्ली। सीबीआई ने पंजाब पुलिस कर्मियों द्वारा एक कर्नल पर कथित हमले की जांच संभाल ली है और दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कथित घटना 13 और 14 मार्च की मध्यरात्रि को पंजाब के पटियाला में सड़क किनारे एक ढाबे पर हुई। सीबीआई ने इस महीने की शुरुआत में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश पर सिविल लाइंस पुलिस थाना, पटियाला द्वारा दर्ज दोनों प्राथमिकी को अलग-अलग मामलों के रूप में पुन: दर्ज किया है। कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाठ और उनके बेटे से पटियाला में एक ढाबे पर मारपीट की गई थी।

अंदर देखें... शब्दरंग

अल्ट, उल्लू समेत 25 ओटीटी एप पर प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी

- अश्लील सामग्री प्रसारित करने पर सरकार ने की कार्रवाई

सरकार ने अश्लील, अभद्र और कुछ मामलों में पोर्नोग्राफिक सामग्री प्रसारित करने के कारण उल्लू, अल्ट और देसीफ्लिक्स सहित 25 ओटीटी मंचों की वेबसाइटों और एप को बंद करने का आदेश दिया है।

अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न कानूनों का उल्लंघन करते पाए गए विभिन्न एप में अल्ट, उल्लू, बिग शॉट्स ऐप, डेसिफ्लिक्स, बूमेक्स, नवरस लाइट, गुलाब एप, कंगन एप, बुल एप, जलवा एप, शोहित, वाउ एंटरटेनमेंट, लुक एंटरटेनमेंट, हिटप्राइम, फेनेओ, शोएक्स, सोल टॉकीज, अड्डा टीवी, हॉटएक्स वीआईपी, हलचल एप, मूडएक्स, नियोनएक्स वीआईपी, फूगी, मोजफ्लिक्स और ट्राइफ्लिक्स शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने गृह, महिला एवं बाल विकास, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और विधि मंत्रालयों, उद्योग निकायों फिक्की और सीआईआई तथा महिला एवं बाल अधिकार क्षेत्र के विशेषज्ञों के परामर्श से यह कार्रवाई की।

परमवीर चक्र विजेताओं की अनुदान राशि अब डेढ़ करोड़

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- 50 लाख का एकमुश्त अनुदान अभी तक दिया जा रहा था
- 03 लाख रुपये वार्षिक अनुदान की सुविधा मिलती रहेगी
- कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर सीएम की घोषणा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर सैनिकों को बड़ा तोहफा दिया है। परमवीर चक्र विजेताओं को मिलने वाली 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि अब डेढ़ करोड़ रुपये कर दी गई है। इसके अलावा उन्हें वार्षिक अनुदान राशि के रूप में तीन लाख रुपये मिलते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने खटीमा में आयोजित सैनिक सम्मान समारोह में परमवीर चक्र विजेताओं को मिलने वाली अनुग्रह राशि बढ़ाने की घोषणा की थी। सीएम के पिता स्वर्गीय सूबेदार शेर सिंह धामी की पुण्यतिथि के मौके पर यह समारोह आयोजित किया गया था। सैनिक कल्याण विभाग के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री ने अनुमोदन दे दिया है। परमवीर चक्र विजेताओं को मिलने वाली अनुग्रह राशि में सीधे एक करोड़ रुपये की वृद्धि मुख्यमंत्री की सैनिकों के कल्याण से जुड़े विषयों पर गंभीरता को दर्शाता है।

जून 2022 से पहले परमवीर चक्र विजेता को मिलने वाली अनुग्रह राशि 30 लाख रुपये थी।

कैबिनेट ने 10 जून 2022 को इस राशि को बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने का निर्णय लिया। इसके बाद, 14 जुलाई 2022 को इस संबंध में शासनादेश भी जारी हो गया। अब सीएम ने एकमुश्त धनराशि को 50 लाख से बढ़ाकर डेढ़ करोड़ रुपये कर दिया है। मुख्यमंत्री धामी ने बयान में कहा कि, हमारे देश की सीमाएं हमारे वीर सैनिकों के शौर्य, साहस और बलिदान के कारण सुरक्षित हैं।

ऐसे में प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह सैनिकों की वीरता, समर्पण और बलिदान का सम्मान करे। उत्तराखंड न केवल देवभूमि है, बल्कि वीरभूमि भी है, जिसने देश को अनेक वीर सैनिक दिए हैं। एक सैनिक और उसके परिवार का जीवन अनुशासन, त्याग और सेवा की मिसाल होता है।

राज्य सरकार सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है तथा उनके हितों की रक्षा के लिए निरंतर ठोस और प्रभावी निर्णय ले रही है।

व्यापार, रक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे भारत-मालदीव

प्रधानमंत्री मोदी-राष्ट्रपति मुइज्जू ने संबंधों की मजबूती के लिए की वार्ता

माले, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साथ व्यापक वार्ता की, जिसमें व्यापार, रक्षा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह वार्ता दोनों देशों के रिश्तों में असहजता के दौर के बाद महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है। मोदी शुक्रवार सुबह माले पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मुइज्जू और उनकी सरकार के कई शीर्ष मंत्रियों ने वेलेना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इससे माले द्वारा इस यात्रा को दिए गए महत्व का पता चलता है। कुछ घंटे बाद, मोदी का प्रतिष्ठित रिपब्लिक स्क्वायर पर औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति मुइज्जू द्वारा हवाई अड्डे पर आकर मेरा स्वागत करने के भाव से मैं बहुत प्रभावित हूं। मुझे विश्वास है कि भारत-मालदीव मित्रता आने वाले समय में प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगी। दोनों नेताओं ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता से पहले बैठक की। द्विपक्षीय संबंधों में यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि चीन के करीब माने जाने वाले मुइज्जू नवंबर 2023 में इंडिया आउट अभियान के बल पर द्वीपीय राष्ट्र की सत्ता में आए हैं। मुइज्जू के कार्यकाल के शुरुआती कुछ महीनों में उनकी नीतियों के कारण संबंधों में भारी तनाव पैदा हो गया। शपथ लेने के कुछ ही घंटों के भीतर, उन्होंने अपने देश से भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने की मांग कर दी। इसके बाद, भारत ने उनकी जगह असैन्य कर्मियों को तैनात कर दिया। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि भारत के प्रयासों ने संबंधों को पुन: पटरी पर लाने में मदद की, जिसमें द्वीप राष्ट्र को उसकी आर्थिक समस्याओं से निपटने में सहायता देना भी शामिल है।

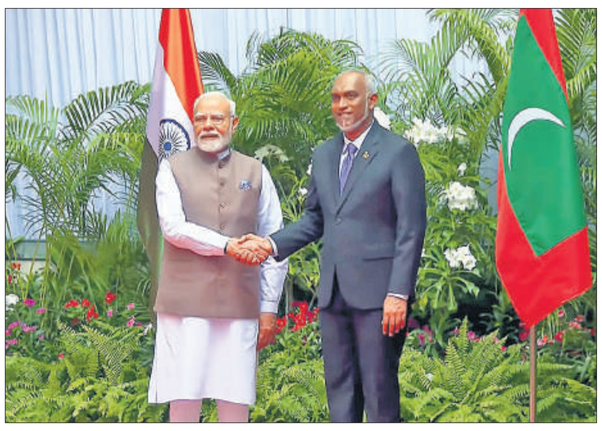

माले में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू।

5 हजार करोड़ रुपये ऋण देगा भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदीव के विकास और समृद्धि के प्रति भारत की वचनबद्धता प्रकट करते हुए उसे लगभग पांच हजार करोड़ रुपये की ऋण सहायता देने का निर्णय लिया है। मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में मालदीव के लोगों को स्वतंत्रता के 60 वर्षों की ऐतिहासिक वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भारत मालदीव के विकास और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी विकास साझेदारी को नई उड़ान देने के लिए हमने मालदीव के लिए लगभग पांच हज़ार करोड़ रुपये की लाइन ऑफ क्रेडिट यानी ऋण सहायता देने का निर्णय लिया है। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने के लिए तय किया गया है कि दोनों देश द्विपक्षीय निवेश संधि को भी अंतिम रूप देने में काम करेंगे।

शैक्षिक संस्थानों में आत्महत्याएं सिस्टम की नाकामी : सुप्रीम कोर्ट

जारी किए 15 दिशानिर्देश, कानून बनने तक होंगे बाध्यकारी

- अदालत ने कहा-इस नीति की वार्षिक समीक्षा की जाएगी
- संस्थाओं की वेबसाइटों और नोटिस बोर्ड पर दी जाए सूचना

नई दिल्ली, एजेंसी

संस्थानों में तैनात किए जाएं मनोचिकित्सक

यह फैसला आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश के विरुद्ध अपील पर आया है, जिसमें विशाखापत्तनम में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहे 17 वर्षीय अभ्यर्थी की अप्राकृतिक मौत की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने से जुड़ी याचिका खारिज कर दी गई थी। कई दिशानिर्देश पारित करते हुए पीठ ने कहा कि 100 या अधिक विद्यार्थी वाले सभी शैक्षिक संस्थानों को बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य में प्रशिक्षण प्राप्त कम से कम एक योग्य परामर्शदाता, मनोचिकित्सक या सामाजिक कार्यकर्ता की नियुक्ति करनी चाहिए।

शैक्षिक संस्थानों में विद्यार्थियों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में बढ़ोतरी को रेखांकित करते हुए उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इस समस्या से निपटने के लिए अखिल भारतीय दिशानिर्देश जारी किए।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि शैक्षिक संस्थानों, कोचिंग संस्थानों और छात्र-केंद्रित वातावरण में विद्यार्थियों की आत्महत्या पर रोकथाम के लिए एक एकीकृत, लागू करने योग्य ढांचे के संबंध में देश में 'विधायी और नियामक शून्यता' बनी हुई है। पंद्रह दिशा निर्देश जारी करते हुए पीठ ने कहा कि ये उपाय तब तक लागू और बाध्यकारी बने रहेंगे, जब तक कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा उपयुक्त कानून या नियामक ढांचा नहीं बनाया जाता।

सभी शैक्षिक संस्थानों को 'उम्मीद' मसौदा दिशा निर्देशों, 'मनोदर्पण' पहल और राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति से प्रेरणा लेते हुए एक समान मानसिक स्वास्थ्य नीति अपनाने और लागू करने का निर्देश दिया गया। पीठ ने कहा कि इस नीति की वार्षिक समीक्षा की जाएगी और इसे अद्यतन किया जाएगा। इसे संस्थाओं की वेबसाइटों और संस्थानों के नोटिस बोर्ड पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाएगा।

पीठ ने कहा कि सभी आवासीय संस्थानों को छेड़छाड़-रोधी सीलिंग फैन या समकक्ष सुरक्षा उपकरण लगाने होंगे और खुद को क्षति पहुंचाने के आवेगपूर्ण कृत्यों को रोकने के लिए छतों, बालकनियों और अन्य उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों तक पहुंच को प्रतिबंधित करना होगा। आदेश में कहा गया है कि शैक्षिक संस्थान जाति, वर्ग, लिंग, यौन झुकाव, दिव्यांगता, धर्म या जातीयता के आधार पर यौन उत्पीड़न, रैगिंग और दबंगई की घटनाओं की रोकथाम को मजबूत तंत्र स्थापित करेंगे।

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में सफल परीक्षण

ड्रोन से दागी गई मिसाइल लक्ष्य पर लगाया निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिन व रात दोनों समय लक्ष्य को भेद सकने की क्षमता से लैस
- रक्षा मंत्री बोले-देश की रक्षा क्षमताओं से मिलेगी मजबूती

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ड्रोन से दागी जाने वाली एक मिसाइल का आंध्र प्रदेश में एक परीक्षण स्थल पर सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि भारत की रक्षा क्षमताओं को एक बड़ी मजबूती देते हुए, डीआरडीओ ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल स्थित नेशनल ओपन एरिया रेंज (एनओएआर) में मानवरहित यान से दागे जाने वाली सटीक मारक क्षमता वाली मिसाइल (यूएलपीजीएम)-वी3 का सफल परीक्षण किया।

यह मिसाइल पहले डीआरडीओ द्वारा विकसित यूएलपीजीएम-वी2 का उन्नत संस्करण है, जो विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों को भेद सकती है। इसे मैदानी इलाकों और ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों दोनों में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह मिसाइल दिन और रात दोनों समय में लक्ष्यों को भेदने की क्षमता रखती है और इसमें दो-तरफा डेटा लिंक है, जिससे प्रक्षेपण के बाद लक्ष्य अपडेट किया जा सकता है। मिसाइल तीन मॉड्यूलर वारहेड से लैस है जिसमें आधुनिक बख्तरबंद गाड़ियों को नष्ट करने के लिए बख्तरबंद रोधी प्रणाली है। इस मिसाइल को एक मानवरहित वायु यान (यूएवी) से छोड़ा गया, जो कि बेंगलुरु की भारतीय स्टार्टअप न्यूस्पेस रिसर्च टेक्नोलॉजीज द्वारा विकसित किया गया है।

रडार के लिए किया बीईएल से अनुबंध

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को भारतीय सेना के लिए वायु रक्षा अग्नि नियंत्रण रडार की खरीद के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ 2,000 करोड़ रुपये के एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। मंत्रालय ने कहा कि ये अग्नि नियंत्रण रडार लड़ाकू विमानों, लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और ड्रोन के ड्रोन समेत सभी प्रकार के हवाई खतरों का पता लगाने में सक्षम होंगे।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बारूदी सुरंग में विस्फोट, जवान शहीद

पुंछ/जम्मू, एजेंसी

- एलओसी के निकट हुए धमाके में दो सैन्यकर्मी घायल

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शुक्रवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के निकट बारूदी सुरंग विस्फोट में एक सैन्यकर्मी की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि कृष्णा घाटी के क्षेत्र में गश्त के दौरान एक बारूदी सुरंग में विस्फोट हुआ, जिसमें एक अग्निवीर जवान की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से एक जेसीओ है, जिसे सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत स्थिर है। व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जीओसी व्हाइट नाइट कोर और सभी रैंक ने 7 जाट रेजिमेंट के अग्निवीर ललित कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने कृष्णा घाटी ब्रिगेड के क्षेत्र में गश्त के दौरान एक बारूदी सुरंग विस्फोट में सर्वोच्च बलिदान दिया। हम दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े हैं।

स्कूल की छत ढही, 7 छात्रों की मौत

झालावाड़, एजेंसी

- राजस्थान के झालावाड़ जिले में प्रार्थना सभा के दौरान हुआ हादसा

राजस्थान के झालावाड़ जिले में शुक्रवार को सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढहने से सात बच्चों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। इनमें से कुछ की हालत गंभीर है। मनोहरथाना के प्रभारी नंद किशोर वर्मा ने बताया कि अब तक सात बच्चों की मौत हो चुकी है। झालावाड़ जिला मुख्यालय से लगभग 80 किलोमीटर दूर पीपलोदी गांव के सरकारी स्कूल में बच्चे सुबह की प्रार्थना के लिए इकट्ठा हो रहे थे, तभी छत और सातवीं कक्षा की छत ढह गई। घटना के बाद मलबे का ढेर लग गया। घबराए हुए शिक्षकों, अभिभावकों व आसपास के अन्य लोगों ने बच्चों को मलबे से निकालना शुरू किया। पुलिस को सुबह करीब 7:45 बजे सूचना दी गई। इस हादसे में जान गंवाने वाले पांच बच्चों की पहचान हो गई है। घायलों को झालावाड़ अस्पताल और मनोहरथाना स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

गुस्साए स्थानीय निवासियों ने कहा कि उन्होंने स्कूल भवन के जर्जर होने के बारे में तहसीलदार और उपखंड अधिकारी सूचित किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय निवासी बालकिशन ने कहा कि यह प्रशासन की लापरवाही के कारण हुआ। झालावाड़ के जिला कलेक्टर अजय सिंह के अनुसार, जिला प्रशासन ने हाल ही में शिक्षा विभाग को किसी भी जर्जर स्कूल भवन की जानकारी देने के निर्देश दिया था, लेकिन यह भवन सूची में शामिल नहीं था। सिंह ने कहा कि मैं इसकी जांच करवाऊंगा, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि घटना की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाएगी। उन्होंने विभाग के उच्च अधिकारियों को घटनास्थल पर तुरंत पहुंचने और बच्चों का उचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उमा कांजीलाल बनीं इग्नू की पहली महिला कुलपति

नई दिल्ली। उमा कांजीलाल को इग्नू का कुलपति नियुक्त किया गया है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की स्थापना के चार दशक बाद पहली बार किसी महिला को कुलपति बनाया गया है। शिक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) प्रणाली में 36 वर्षों से अधिक की विशिष्ट सेवा के साथ कांजीलाल के पास विश्व के सबसे बड़े मुक्त विश्वविद्यालयों में से एक में शैक्षणिक नेतृत्व, डिजिटल नवाचार और संस्थागत ज्ञान का वृहद अनुभव है। वह वर्तमान में विश्वविद्यालय की कार्यवाहक कुलपति थीं।

तैयारी | 2,000 करोड़ रुपये किए जाएंगे खर्च, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आईआरडीई को भेजा प्रस्ताव

लखनऊ में होगा इन्फ्रारेड डिटेक्टर तकनीक का निर्माण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रक्षा औद्योगिक गलियारे के लखनऊ नोड में होगा इन्फ्रारेड डिटेक्टर प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल के निर्माण की शुरुआत होने के बाद अब 2,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा के निवेश से इन्फ्रारेड डिटेक्टर तकनीक का निर्माण किया जाएगा।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इन्फ्रारेड डिटेक्टर प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने के लिए उपकरण अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई) को प्रस्ताव भेज दिया है। रक्षा औद्योगिक गलियारा (यूपीडीआईसी) के लखनऊ नोड में ही इन्फ्रारेड डिटेक्टर प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित किया जाना है। राजनाथ सिंह के प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी और लखनऊ कार्यालय प्रभारी डॉ. राघवेन्द्र शुक्ल ने जानकारी दी कि यह केंद्र इन्फ्रारेड डिटेक्टरों के निर्माण और निर्माण के लिए एक उच्च प्रौद्योगिकी फैब-लाइन बनेगा, जिससे सशस्त्र बलों के लिए आवश्यक रात्रि दृष्टि प्रणालियों का स्वदेशी निर्माण संभव होगा। यह परियोजना रक्षा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को साकार करेगी। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद, इस प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना पर कुल निवेश 2,000 करोड़ रुपये से अधिक होगा और यह इन्फ्रारेड डिटेक्टर तकनीक के निर्माण में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में मदद करेगा, जिससे भारत ऐसी क्षमता रखने वाले चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा। प्रस्तावित परियोजना से बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर पैदा होंगे। साथ ही इस परियोजना में विभिन्न उद्योग और शैक्षणिक संस्थान शामिल होंगे।

क्या है इन्फ्रारेड डिटेक्टर तकनीक

इन्फ्रारेड डिटेक्टर तकनीक भारतीय सेना के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण साबित होगी। जो उन्हें रात में और खराब मौसम में भी देखने की क्षमता से लैस करती है। यह तकनीक, जिसे थर्मल इमेजिंग के रूप में भी जाना जाता है, वस्तुओं से निकलने वाली गर्मी का पता लगाकर काम करती है और इसे दृश्यमान छवि में बदल देती है। इस तकनीक का उपयोग लंबी दूरी से भी दुश्मन के ठिकानों, वाहनों और कर्मियों का पता लगाने के लिए किया जा सकता है।

दरअसल, 11 मई, 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा लखनऊ में अत्याधुनिक ब्रह्मोस सुविधा का उद्घाटन किया गया था। इसके बाद अब डीआरडीओ ने यूपीडीआईसी के लखनऊ नोड में इन्फ्रारेड डिटेक्टर प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने के लिए उपकरण अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान को एक प्रस्ताव भेजा गया है। कैबिनेट ने 22 जुलाई, 2025 को 1 रुपये प्रति वर्ष के सांकेतिक पट्टे पर 25 एकड़ भूमि आवंटित करने की मंज़ूरी दी है।

मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी दूसरे सबसे लंबे कार्यकाल की बधाई

प्रधानमंत्री मोदी नए भारत के निर्माताः धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के इतिहास में प्रधानमंत्री के रूप में दूसरा सबसे लम्बा कार्यकाल पूरा करने पर उत्तराखंड वासियों की ओर से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि, आजाद भारत के इतिहास में प्रधानमंत्री के रूप में दूसरा सबसे लंबा कार्यकाल पूरा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जन-गण-मन के नायक हैं। उनके नेतृत्व में आज देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। विश्व के अंदर भारत की एक अलग पहचान विकसित हो रही है। उनके नेतृत्व में अंत्योदय के सिद्धांत को लेकर अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास की धारा पहुंचाने का काम हुआ है। भारत को पुन. विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने के लिए उन्होंने जो परिश्रम किया है, परिश्रम की पराकाष्ठा की है, आज पूरे देश और दुनिया के अंदर यह दिखाई दे रहा है।

सीएम धामी ने आगे कहा कि, अगर मैं प्रधानमंत्री मोदी को नए भारत का निर्माता कहूं तो यह कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। जिस प्रकार से हर क्षेत्र में नई-नई योजनाओं के माध्यम से, नवाचार के माध्यम से, साइंस एंड टेक्नालॉजी के क्षेत्र में हो या इनोवेशन के क्षेत्र में हो या नए ऐतिहासिक निर्णय लेने हों, सभी में एक नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है। विकसित भारत के सूत्र को भारत और दुनिया के सामने और दुनिया के सामने भारत का लक्ष्य तय करके कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनेगा, सच में ये हम सब भारतवासियों का सौभाग्य है कि उनका नेतृत्व आज देश को प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने भगवान बद्री विशाल और बाबा केदार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ जीवन और दीर्घायु की कामना की है।

उल्लास के साथ मनाई गई हरियाली तीज

- हरकमल कौर तीज क्वीन बनीं, रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः राजभवन में शुक्रवार को हरियाली तीज का पारंपरिक उल्लास के साथ आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजभवन में कार्यरत महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा अन्य अधिकारियों की धर्म पत्नियों द्वारा प्रतिभाग कर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रथम महिला गुरमीत कौर ने सभी महिलाओं को तीज की शुभकामनाएं दीं और उनके जीवन में सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने तीज उत्सव की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए, हरियाली तीज को भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा, नारी शक्ति की श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक बताया। कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा मिलता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने में भी मदद मिलती है।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने मनमोहक नृत्य एवं संगीत प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान तीज प्रतियोगिता में हरकमल कौर तीज क्वीन बनीं। संगीता द्वितीय तथा सुनीता तृतीय स्थान पर रहीं। प्रथम महिला द्वारा सभी विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर सचिव राज्यपाल रीना जोशी, वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव सहित राजभवन परिवार की महिला सदस्यों ने भी प्रतिभाग किया।

तीज क्वीन हरकमल कौर को सम्मानित करतीं प्रथम महिला गुरमीत कौर और साथ में अन्य पदाधिकारी।

प्रदेश में सभी स्कूल भवनों व पुलों का सुरक्षा ऑडिट सुनिश्चित करें

जर्जर और असुरक्षित स्कूल भवनों में बच्चों को किसी भी स्थिति में न बैठाया जाए

- उच्चस्तरीय बैठक में सीएम धामी के अधिकारियों को कड़े निर्देश

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी स्कूल भवनों का सुरक्षा ऑडिट किया जाए। जर्जर एवं असुरक्षित स्कूल भवनों में बच्चों को किसी भी स्थिति में न बैठाया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि, बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहां भी स्कूल भवन मरम्मत योग्य हो, वहां शीघ्र मरम्मत को कराया जाए और जहां पुनर्निर्माण की आवश्यकता हो, वहां उसकी कार्य योजना बनाकर तत्परता से क्रियान्वयन किया जाए। प्रदेश के सभी पुलों के भी सुरक्षा ऑडिट के निर्देश मुख्यमंत्री ने देते हुए कहा कि, जिन पुलों की स्थिति खराब हो रही है, उनका आवश्यकतानुसार मरम्मत और पुनर्निर्माण का कार्य प्राथमिकता पर किया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि, यह सुनिश्चित किया जाए कि पुलों की स्थिति पर नियमित निगरानी रखी जाए और कहीं भी जर्जर पुलों के कारण कोई जनहानि न हो।

स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन में तेजी लाएं

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य में दो स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन विकसित किये जाने की दिशा में तेजी से कार्य किए जाएं। यह पहल राज्य में धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन को सुदृढ़ करने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों को भी सशक्त करेगी। संबंधित विभागों को इस दिशा में आपसी समन्वय के साथ ठोस कार्य योजना बनाकर कार्य करने के उन्होंने निर्देश दिए हैं। बैठक में प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, विनय शंकर पांडेय, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, आईजी के.एस. नगन्याल, अपर सचिव बंशीधर तिवारी मौजूद रहे।

आकर्षक वेडिंग डेस्टिनेशन नीति विकसित करें

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि त्रियुगीनारायण और राज्य के अन्य स्थल जो वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किये जा रहे हैं, उनकी कार्यवाही में तेजी लाई जाए। यह राज्य के पर्यटन और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन स्थलों के विकास में गुणवत्ता, सुविधा और सांस्कृतिक गरिमा का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही, अन्य राज्यों की वेडिंग पॉलिसी का अध्ययन भी किया जाए ताकि उत्तराखंड में एक प्रभावी और आकर्षक वेडिंग डेस्टिनेशन नीति विकसित की जा सके।

डीएम ने दी निःशुल्क बस यात्रा की सौगात

देहरादूनः जिला अधिकारी सविन बंसल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारियों के साथ बैठक में निःशुल्क यात्रा तथा आवास सुविधा विषयों पर तत्काल गंभीर कदम उठाकर, प्रशासनिक भरोसे को और गाढ़ा किया है। शुक्रवार को हुई बैठक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारियों ने डीएम से रोडवेज व स्मार्ट सिटी की बसों में निःशुल्क यात्रा का अनुरोध किया, जिस पर उन्होंने बैठक के बीच में ही आदेश जारी करते हुए उन्हें रोडवेज बसों में फ्री यात्रा के लिए महाप्रबंधक से पत्राचार करने का आश्वासन देने के साथ उसका परिपालन भी तत्काल करवा दिया। 'आन द स्पॉट' निर्णय पर खुशी जाहिर करते हुए उत्तराधिकारियों ने जिला अधिकारी का धन्यवाद दिया। स्मार्ट सिटी की बसों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारियों के लिए फ्री यात्रा का फ्लैक्स भी चस्पा कर दिया गया। इसके अलावा, उत्तराधिकारियों ने नगर निगम क्षेत्र में आवास सुविधा की भी मांग की। इस पर, डीएम ने फोन पर महापौर से बात कर 100 वर्ग गज के प्लाट आवंटित करने के अनुरोध के साथ पत्र भी भेजा है।

दून मेडिकल कॉलेज में बनेगा राज्य का पहला ऑर्गन बैंक

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः राजकीय दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून में राज्य के पहले ऑर्गन बैंक की स्थापना की जाएगी। कॉलेज में नवजात शिशुओं के लिए मिल्क बैंक बनेगा। ई-ग्रंथालय और मेडिकल छात्रों को प्रमाण पत्र डिजिटल लॉकर के माध्यम से आवंटित होंगे।

चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शुक्रवार को शासकीय आवास पर चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों द्वारा राज्य में स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन (सोटो) की स्थापना को लेकर प्रस्तुतीकरण दिया। मंत्री डॉ. रावत ने बताया कि राज्य के पहले ऑर्गन बैंक की स्थापना राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में की जा रही है, जिसकी सभी औपचारिकताएं पूर्ण की जा रही है।

इसकी स्थापना के लिए एनेस्थीसिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. अतुल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है जो ऑर्गन बैंक की स्थापना के लिए नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन (नोटो) तथा रीजनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन (रोटो) के अधिकारियों से सम्पर्क कर सोटो की स्थापना हेतु जरूरी कार्यवाही करेंगे। विभागीय मंत्री ने बताया कि जो लोग देहदान या अंगदान करना चाहते हैं वह दून मेडिकल कॉलेज में आकर अथवा सोटो की वेबसाइट पर पंजीकरण करा सकते हैं।

अधिकारियों के साथ बैठक करते चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत।

प्रत्येक फैकल्टी ले टीबी मरीज को गोद

विभागीय मंत्री ने अधिकारियों को मेडिकल कॉलेज में आने वाले मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के निर्देश दिए, साथ ही मेडिकल कॉलेज की प्रत्येक फैकल्टी को स्वैच्छिक रूप से एक-एक टीबी मरीज को गोद लेने हेतु आगे आने को कहा। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में शीघ्र ही ब्लड डोनेशन कैंप लगाया जाएगा तथा नवजात शिशुओं के लिए मिल्क बैंक की स्थापना व मेडिकल छात्र-छात्राओं के लिए ई-ग्रंथालय व डिजिटल लॉकर की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. आशुतोष सयाना, अपर निदेशक डॉ. आरएस बिष्ट, दून मेडिकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ. गीता जैन, नोडल अधिकारी सोटो डॉ. अतुल कुमार सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य में पहली बार सीबीडीसी से कृषकों को अनुदान मिलेगा

- विभागीय मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मिशन एप्पल व कीवी के अंतर्गत कृषकों को दी जाने वाली अनुदान राशि अब डिजिटल भुगतान प्रणाली के माध्यम से दी जाएगी। इसके लिए अपुणि सरकार पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ करने के साथ उद्यान विभाग कार्मिकों की लॉगइन आईडी तैयार कर दी गई है। विशेष बात यह है कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां योजना अंतर्गत अनुदान वितरण सीबीडीसी (सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी) के माध्यम से किया जाएगा।

कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने शुक्रवार को कैंप कार्यालय में मिशन एप्पल एवं कीवी मिशन की प्रगति की समीक्षा के दौरान कहा कि, यह पोर्टल रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई), नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) तथा संबंधित बैंकों के सहयोग से उत्तराखंड औद्यानिक परिषद द्वारा विकसित किया जा रहा है और यह अंतिम चरण में है। योजना में प्रोग्रामेबल सीबीडीसी के माध्यम से लाभार्थी कृषक को कार्य के प्रारंभ में ही अनुदान राशि उपलब्ध कराई जायेगी, जिसे केवल चिन्हित कार्यदायी संस्थाओं अथवा प्रमाणित पौधशालाओं के माध्यम से ही उपयोग किया जा सकेगा। अगस्त माह के अंत तक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा पोर्टल का लोकार्पण किया जाएगा। इस नई प्रणाली के लागू होने से योजना की समस्त प्रक्रियाएं-आवेदन, अनुमोदन, भुगतान पूरी तरह पेपरलेस हो जाएंगी।

बैठक करते कृषि मंत्री गणेण जोशी।

कमलेश कैड़ा के निर्विरोध निर्वाचन पर हस्तक्षेप नहीं

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रवीन्द्र मैठाणी की एकलपीठ ने पंचायत चुनाव में कमलेश कैड़ा के निर्विरोध पंचायत सदस्य निर्वाचित होने को चुनौती देती याचिका शुक्रवार को खारिज करते हुए इसमें हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है।

याचिकाकर्ता ओखलकांडा निवासी राम सिंह की ओर से कहा गया कि बचुली देवी बड़ौन सीट से क्षेत्र पंचायत सदस्य की दावेदार थी और कैड़ा की चुनाव प्रतिद्वंद्वी थी। चुनाव अधिकारी ने बचुली देवी का नामांकन गलत ढंग से खारिज कर दिया । उन्होंने नाम निर्देशन पत्र के साथ सभी दस्तावेज संलग्न किये थे लेकिन बचुली देवी का नामांकन निरस्त होने के चलते कमलेश कैड़ा निर्विरोध विजयी हो गयीं। हालांकि निर्वाचन आयोग की ओर से अभी इसकी औपचारिक घोषणा नहीं की गयी है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि कमलेश कैड़ा का निर्वाचन निरस्त किया जाए और उसे विजयी प्रमाण पत्र वितरित नहीं किया जाए।

एकलपीठ ने इस मामले को सुनने के बाद कहा कि प्रदेश में पहले चरण का निर्वाचन संपन्न हो चुका है। ऐसे में निर्वाचन में किसी प्रकार का हस्तक्षेप करना उचित नहीं हैं। हालांकि अदालत ने माना कि इस मामले को चुनाव याचिका के माध्यम से चुनौती दी जा सकती है। कमलेश कैड़ा, भारतीय जनता पार्टी के विधायक राम सिंह कैड़ा की पत्नी हैं।

रिक्त पदों के संबंध में 15 तक बताएंः सीएस

देहरादून, अमृत विचारः मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने समस्त विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे चयन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत पदोन्नति कोटे से भरे जाने वाले रिक्त पदों का आकलन, 1 जुलाई 2025 तक की स्थिति के अनुसार करते हुए, संबंधित सूचना अनिवार्य रूप से 15 अगस्त तक कार्मिक एवं सतर्कता विभाग को उपलब्ध कराएं। पदोन्नति की प्रक्रिया समयबद्ध एवं व्यवस्थित संपन्न कराने के लिए आवश्यक है कि सभी विभाग समय पर आकलन कर निर्धारित प्रारूप में सूचनाएं भेजें, ताकि विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक नियत समय पर हो सके। यह भी स्पष्ट किया कि जिन पदों पर पात्र कार्मिक उपलब्ध नहीं हैं या अन्य कारणों से पदोन्नति नहीं की जा सकी, उसके उचित कारणों का स्पष्ट उल्लेख करना अनिवार्य होगा।

अब बांध से पानी छोड़ने से पहले देनी होगी सूचना

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- रियल टाइम डाटा साझा करना होगा, आपदा सचिव के निर्देश

अमृत विचारः सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन ने राज्य में संचालित समस्त बांध परियोजनाओं के संचालकों को निर्देशित किया है कि वे जब भी जल छोड़ें तो उसकी पूर्व सूचना राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के साथ-साथ संबंधित जिला प्रशासन को अनिवार्य रूप से साझा करें। यह भी स्पष्ट करें कि छोड़ा गया पानी कितने समय में किन क्षेत्रों तक पहुंचेगा और वहां क्या प्रभाव हो सकता है, ताकि आमजन को समय से सतर्क किया जा सके।

सचिव ने सभी प्रमुख जल विद्युत परियोजनाओं, सिंचाई विभाग, यूजेवीएनएल तथा केन्द्रीय जल आयोग के अधिकारियों के साथ सचिवालय में आयोजित बैठक में सभी परियोजनाओं के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि वे पूर्व चेतावनी तंत्र के अंतर्गत लगे सेंसरों द्वारा प्राप्त नदी जलस्तर और डिस्चार्ज डेटा को एपीआई के माध्यम से रियल टाइम में यूएसडीएमए के साथ साझा करें, जिससे राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के माध्यम से जलस्तर की निगरानी की जा सके। वे अपनी-अपनी परियोजनाओं के लिए आपातकालीन कार्य योजना तथा एसओपी शीघ्र तैयार कर यूएसडीएमए के साथ साझा करें तथा उसे अपनी वेबसाइट पर भी प्रदर्शित करें।

हरिद्वार में कांवड़ के बाद अब कचरा सफाई कारसेवा

देहरादून, अमृत विचारः धर्मनगरी हरिद्वार में कांवड़ मेला के दौरान एकत्रित प्लास्टिक और अन्य कचरे की सफाई के लिए जिला प्रशासन द्वारा अभियान चलाने के आह्वान पर शुक्रवार से कचरा सफाई कार सेवा शुरू हो गई। कांवड़ मेले के बाद, भारी मात्रा में मेला क्षेत्र में पॉलीथिन, कपड़े, निष्प्रयोज्य प्लास्टिक डिब्बे का कचरा जगह-जगह जमा हो गया। मेला प्रशासन व स्थानीय संस्थाओं ने आम जनता से भी सहयोग का आह्वान किया। इसी क्रम में हर की पैड़ी स्थित ब्रह्मकुंड पर गंगा सभा द्वारा अपने सेवकों एवं पुरोहितों के साथ वृहद अभियान चलाया गया और मुख्य गंगा घाट को श्रमदान कर साफ किया। आज शनिवार को हरिद्वार, ज्वालापुर, कनखल के अन्य घाटों पर सफाई के लिए कार सेवा की जाएगी, जिसमें अधिकारी, नेता भी शामिल रहेंगे।

बोलेरो पलटी, एक व्यक्ति की मौत

देहरादून, अमृत विचारः चमोली में शुक्रवार शाम बोलेरो वाहन बिरही के पास सड़क पर पलटकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वाहन में 10 लोग सवार थे, जिनमें से एक व्यक्ति बलवंत सिंह (52) की मौत हो गई जबकि अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि, चालक के नशे में होने के कारण यह हादसा हुआ। चालक के खिलाफ अभियोग दर्ज कराया गया है।

महिला सशक्तिकरण | पहला चरण समाप्त हुआ, अब 28 जुलाई को अंतिम चक्र चुनौतीपूर्ण होगा

पंचायत चुनाव : महिलाओं ने दिखाई ज्यादा सक्रियता

पंचायत चुनाव

मुख्य संवाददाता, देहरादून

68 प्रतिशत मतदाताओं ने किया पहले चरण में मतदान

73 प्रतिशत महिला तो 63 प्रतिशत पुरुषों ने निभायी जिम्मेदारी

अमृत विचारः उत्तराखंड राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 के प्रथम चरण का मतदान गुरुवार को देर रात्रि सफलतापूर्वक, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो गया। प्रथम चरण के चुनाव की खास बात यह रही कि अपने मताधिकार का प्रयोग करने में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं ने सक्रियता दिखायी।

राज्य के सभी जनपदों, जनपद हरिद्वार को छोड़कर, 49 विकास खंडों की संबंधित ग्राम पंचायतों में स्थापित मतदान स्थलों में प्रातः 08 बजे से मतदान की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई और देर रात मतदान प्रतिशत के आंकड़े सामने आए। प्रारंभिक आंकलनों के अनुसार, प्रथम चरण में समग्र रूप से कुल 68 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया जिसमें 63 प्रतिशत पुरुष और 73 प्रतिशत महिला मतदाता शामिल हैं।

कहीं 98 वर्षीय तो कहीं 100 वर्षीय महिला भी मतदान करने पहुंची थीं। मतदान शुरू होने के बाद सुबह 10 बजे तक 11.72 प्रतिशत और 12 बजे तक 27 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि अपराह्न दो बजे तक कुल 41.87 प्रतिशत और फिर चार बजे तक कुल 55 प्रतिशत हुआ। देर रात्रि तक चले मतदान का प्रतिशत 68 आंकलित किया गया। राज्य निर्वाचन आयोग के संयुक्त सचिव कमलेश मेहता के अनुसार, आयोग की ओर से निर्वाचन ड्यूटी में लगे सभी कर्मचारियों, अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों का उनके समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए प्रशंसा की गई है।

हरिद्वार को छोडकर अन्य सभी बारह जिलों के 49 विकासखंडों में बैलेट से हुए पंचायत चुनावों के प्रथम चरण के मतदान में करीब 26 लाख मतदाताओं को मत का प्रयोग करना था। इनमें गढ़वाल मंडल के छह जिलों के 26 और कुमाऊं मंडल के छह जिलों के 23 विकासखंडों में पहले चरण का मतदान 5823 पोलिंग बूथों पर हुआ। इनमें अल्मोड़ा के 649, बागेश्वर में 461, चंपावत के 182, चमोली में 258, देहरादून में 509, नैनीताल में 312, पौड़ी में 642, पिथौरागढ़ में 378, रुद्रप्रयाग में 459, उत्तरकाशी में 272, ऊधमसिंह नगर के 922 और टिहरी के 779 बूथों पर मतदान हुआ। दूसरे चरण का मतदान 28 जुलाई को होगा।

ऊखीमठ ब्लॉक में सर्वाधिक मतदान

देहरादून : जनपद रुद्रप्रयाग में गुरुवार को मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न हुई। शुक्रवार को जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि जनपद के तीन विकासखंडों, अगस्त्यमुनि, ऊखीमठ एवं जखोली में 2,04,062 मतदाताओं में से 1,28,528 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार कुल 62.98 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। विकासखंड अगस्त्यमुनि में 95,075 मतदाताओं के सापेक्ष 58,876 (61.93 प्रतिशत) लोगों ने मतदान किया। विकासखंड जखोली के कुल 73,721 मतदाताओ के सापेक्ष 44,116 अर्थात, 59.84 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। कि विकासखंड ऊखीमठ में सर्वाधिक मतदान हुआ। जहां कुल मतदाता 35,266 के सापेक्ष 25,536 यानी 72.41 फीसदी लोगो ने मताधिकार का प्रयोग किया। जिलाधिकारी जैन ने यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं कई नए मतदाताओं से संवाद किया और यह देखकर प्रसन्नता हुई कि युवा वर्ग में मतदान के प्रति गहरी रुचि और जागरूकता है। सभी युवा अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र में भागीदारी के लिए उत्साहित नजर आए।

यूपी में मूवमेंट की अनुमति न होने से ट्रांसपोर्ट कारोबार ठप

ट्रांसपोर्टर्स की मांग-रात में मालवाहक वाहनों को छूट दी जाए, दवाओं व राशन जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी प्रभावित

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : ट्रांसपोर्ट नगर व्यापारी एसोसिएशन ने कांवड़ की वजह से ठप कारोबार को लेकर बैठक की। ट्रांसपोर्टर्स ने उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश सरकार से सावन माह तक रात में मालवाहक वाहनों के संचालन की अनुमति समेत अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की।

शुक्रवार को ट्रांसपोर्ट नगर कार्यालय में ट्रांसपोर्टर्स ने बैठक की। अध्यक्ष प्रदीप सब्बरवाल ने कहा कि सावन शुरू होते ही 10 जुलाई से वाहनों का मूवमेंट ठप हो गया है। दिल्ली, देहरादून, पंजाब रूट पूरी तरह ठप हो गया है। दवाओं, राशन जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति तक ठप हो गई है। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी हॉल्ट है, अलग-अलग रूटों से आने वाला माल यहां पहुंचता है फिर यहां से पहाड़ को जाता है। उम्मीद थी कि सावन की शिवरात्रि 23 जुलाई के बाद ट्रैफिक सुचारू होगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। अभी तक मालवाहक वाहनों को अनुमति नहीं दी जा रही है इस वजह से ट्रांसपोर्ट कारोबार पूरी तरह ठप हो गया है।

महामंत्री खीमानंद शर्मा ने कहा कि देहरादून रूट पर उत्तर प्रदेश पड़ता है, जहां रास्ता पूरी तरह ब्लॉक है। पुलिस की ओर से कोई गाइड लाइन नहीं है कि कब तक मूवमेंट शुरू होगा। पिछली बार व्यवस्था कि उत्तर प्रदेश में पुलिस की एक जिप्सी आगे चलती थी और 30-35 वाहनों को पास कराती थी। इस बार यह व्यवस्था बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि देहरादून के लिए कोई वैकल्पिक या अंदरूनी मार्ग नहीं होने से उप्र में वाहन रोक दिए जा रहे हैं। इन वाहनों को कब छोड़ा जाएगा कोई जानकारी नहीं है। आरोप लगाया कि वाहनों के ड्राइवरों, हेल्परों से गालीगलौज व मारपीट की जा रही है। इसके अलावा वाहनों को ऐसे सुनसान जगह रुकवाया जा रहा है जहां ढाबा तो दूर खाने-पीने की कोई दुकान नहीं है। वे भूखे प्यासे भटकने को विवश हैं। आक्रोशित स्वर में कहा सभी प्रकार के टैक्स एडवांस देते हैं फिर भी ट्रांसपोर्ट कारोबारियों के साथ अन्याय हो रहा है। सभी ने एक सुर में उत्तराखंड व उप्र सरकार से वाहनों के मूवमेंट शुरू करने की गाइड लाइन देने, दिन में कांवड़ चलाने और रात में मालवाहक वाहन चलाने की मांग की है। चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन होगा। इस दौरान पंकज वोहरा, इंदर भुटियानी, लक्ष्मण सिंह नेगी, हाजी मंसूर खान, जसपाल मालदार, ललित मोहन बिष्ट, केनेडी सचदेवा, राजेश पुरी, दयाकिशन शर्मा, मंजीत सेठी, दिनेश बेलवाल, चंद्रशेखर पांडेय रहे।

यूपी में मूवमेंट की अनुमति न मिलने से हुई समस्या को लेकर शुक्रवार को ट्रांसपोर्ट नगर में बैठक करते ट्रांसपोर्टर। ● अमृत विचार

कारोबार ठप लेकिन खर्चा जारी

हल्द्वानी : ट्रांसपोर्टर्स ने बताया कि प्रतिदिन ट्रांसपोर्ट नगर में ही 400 से अधिक कारोबारी परेशान हैं। इनकी प्रतिदिन 1,000 से अधिक वाहनों की आवाजाही होती है लेकिन कांवड़ की वजह से मूवमेंट ठप होने से ट्रांसपोर्टर्स परेशान हैं। उन्हें प्रतिदिन चालकों को 500 रुपये खर्च, वेतन देना ही पड़ता है लेकिन कारोबार ठप है।

पुलिस की अभद्रता से नहीं मिल रहे ड्राइवर

हल्द्वानी : ट्रांसपोर्टर्स ने बताया कि सड़क पर चलने वाले चालकों व हेल्पर से पुलिस बेहद अभद्र व्यवहार करती है इस वजह से वाहनों के लिए चालक व हेल्पर मिलना मुश्किल हो गया है। हालत यह है कि 90 प्रतिशत से अधिक वाहन बिना हेल्पर के ही संचालित हो रहे हैं।

ऑनलाइन चालान बना मुसीबत

हल्द्वानी : ट्रांसपोर्टर्स ने बताया कि ऑनलाइन चालान ने उनकी आर्थिकी तोड़ दी है। कभी ओवर हाइट, ओवर स्पीड के नाम पर चालान किया जा रहा है। जबकि चालक को पता भी नहीं होता है। एक ट्रांसपोर्टर्स ने बताया कि एक सप्ताह में 31 हजार, 26 हजार, 18 हजार का चालान हुआ। एक सप्ताह में 75 हजार रुपये के चालान ने ट्रांसपोर्टर को काफी नुकसान हुआ।

द्वितीय चक्र के लिए कर्मियों को आवंटित किए गए बूथ

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के द्वितीय चक्र के मतदान के लिए बूथों के आवंटन के लिए तृतीय रेंडमाइजेशन व मतगणना कर्मियों का द्वितीय रेंडमाइजेशन हुआ।

शुक्रवार को कैंप कार्यालय में जिलाधिकारी वंदना सिंह ने द्वितीय चक्र के मतदान के लिए हल्द्वानी, भीमताल, कोटाबाग व रामनगर के मतदान कर्मियों का तृतीय रेंडमाइजेशन किया। इसमें 522 मतदेय स्थलों के लिए रिजर्व सहित 2880 कर्मियों की 576 पोलिंग पार्टियों को बूथ आवंटित किए। वहीं, 54 पोलिंग पार्टियों को रिजर्व में रखा गया है। उन्होंने बताया कि मतदान के 48 घंटे पहले भीमताल से 4, कोटाबाग से 21 व रामनगर से 1 पोलिंग पार्टी रवाना होगी। शेष एक दिन पूर्व 27 जुलाई को ब्लॉक मुख्यालयों से रवाना होंगी। इसके अलावा मतगणना कर्मियों का द्वितीय रेंडमाइजेशन भी हुआ। चारों ब्लॉकों में मतगणना के लिए रिजर्व सहित कुल 300 सुपरवाइजर तथा 1200 मतगणना सहायक तैनात किए गए हैं। द्वितीय रेंडमाइजेशन में इनकी टीम तैयार कर ब्लॉक आवंटित हो गए हैं जिन्हें 26 एवं 29 जुलाई को मतगणना प्रशिक्षण दिया जाएगा। मतगणना से पूर्व तृतीय रेंडमाइजेशन में कर्मियों को टेबल आवंटित होगी। एक टेबल में चार मतगणना सहायक एवं एक सुपरवाइजर तैनात रहेंगे। हल्द्वानी एवं भीमताल ब्लॉक के प्रेक्षक जयकिशन, कोटाबाग एवं रामनगर के प्रेक्षक शिव चरण द्विवेदी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

टीपी नगर में वाहनों को देना होगा पार्किंग शुल्क

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने शुक्रवार को ट्रांसपोर्ट नगर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पार्किंग, प्लॉट व दुकान आवंटन, रखरखाव, साफ-सफाई आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

आयुक्त रावत ने सर्वप्रथम ट्रांसपोर्ट नगर में आवंटित प्लॉट की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शिकायतें मिल रही हैं कि वर्कशॉप के लिए प्लॉट आवंटित किए गए हैं लेकिन फिर भी शहर में वर्कशॉप संचालित की जा रही हैं जिस वजह से शहर में ट्रैफिक का दवाब बना हुआ है। ऐसे वर्कशॉप संचालकों को चिह्नित किया जाए जिन्हें ट्रांसपोर्ट नगर में प्लॉट आवंटित हैं लेकिन शहर में काम कर रहे हैं। उन्हें नोटिस जारी किए जाएं और यदि शिफ्टिंग नहीं करें तो सीलिंग की जाए। उन्होंने कहा कि यदि फिर भी प्लॉट्स अधिक रिक्त हैं तो शहर में संचालित हो रही वर्कशॉप को आवंटित किया जाए ताकि सभी इकाइयों को एक स्थान पर लाकर व्यवस्था सुधारी जा सके। इसके बाद उन्होंने पार्किंग की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी पुराने वाहनों की जांच कर नीलामी की जाए।

स्पष्ट किया कि कोई भी वाहन बिना शुल्क के पार्क नहीं किया जाएगा। इसके लिए स्टेकहोल्डर्स से बात कर 15 दिनों में पार्किंग शुल्क व्यवस्था लागू की जाए। इस बीच आयुक्त को बदहाल हालत में एक एंबुलेंस मिली। जब लॉग बुक चेक की गई तो पता चला कि उक्त एंबुलेंस चार लाख किमी से अधिक चल चुकी है। इस पर वह अत्यधिक नाराज हुए और उन्होंने परिवहन विभाग को कुमाऊं की सभी 108 एंबुलेंस का डाटा तीन दिन में पेश करने को कहा। उन्होंने टिन शेड, व्यावसायिक संपत्तियों और किरायेदारी संबंधी शर्तों, सिक्योरिटी गार्ड्स, सीसीटीवी कैमरे और एंटी-थेफ्ट प्रावधानों का भी जायजा लिया। उन्होंने साफ-सफाई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि लावारिस व क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने, चोक नालियों की सफाई के लिए टेंडर करने, टूटी टाइल्स की मरम्मत, जर्जर विद्युत पोल हटाने और बाउंड्री वॉल की मरम्मत करने के निर्देश दिए। वहीं, बिना जीएसटी बिल के माल आने पर रोक लगाने के लिए राज्य कर विभाग को सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर आयुक्त ऋचा सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, उप आयुक्त हेमलता शुक्ला, एडीबी प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह, लोनिवि ईई प्रत्यूष कुमार, ट्रांसपोर्टर्स राकेश जोशी, हरमीत सिंह चड्ढा, दलजीत सिंह, शांति भट्ट, कोतवाल राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

ट्रांसपोर्ट नगर में निरीक्षण करते कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत।

पेयजल निगम के अधिकारी के साथ वार्ता के दौरान पार्षद रईस अहमद गुड्डू और स्थानीय निवासी।

पानी के बढ़े बिलों पर फूटा गुस्सा, लोगों ने किया हंगामा

- पेयजल कार्यालय में प्रदर्शन, एई के आश्वासन के बाद माने लोग

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पानी के बढ़े हुए बिलों से नाराज वार्ड 59 के लोगों ने पार्षद रईस अहमद गुड्डू के नेतृत्व में ट्रांसपोर्ट बाईपास स्थित उत्तराखंड पेयजल निगम कार्यालय में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने बढ़े हुए बिलों को गलत बताते हुए तत्काल संशोधन की मांग की।

इस दौरान पार्षद रईस अहमद गुड्डू ने चेतावनी दी कि यदि बिलों में जल्द सुधार नहीं किया गया तो वे अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे और वार्ड की जनता भी बिल जमा नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जनता पर अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हंगामे की सूचना पर मौके पर पहुंचे सहायक अभियंता यतेंद्र सिंह रावत ने जनता को आश्वासन दिया कि यदि किसी उपभोक्ता के बिल में त्रुटि पाई जाती है, तो उन्हें तत्काल संशोधित किया जाएगा।

इस मौके पर उत्तराखंड पेयजल निगम से जेई राजेंद्र सिंह, ललित मोहन बिष्ट, रोहित सिंह भंडारी, निर्मला दानी, विपिन साहू, योगेश पलड़िया, केशव आर्या, दीपक आर्या समेत निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, वार्ड 59 से भारी संख्या में लोगों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया, जिनमें त्रिलोक सिंह, फिरोज खान, वसीम अहमद, मोहम्मद यासीन, अमित गुप्ता, मोहम्मद असद, मुजीब अहमद, यासीन, दानिश अख्तर, समीर, मोहम्मद मोबीन सहित दर्जनों लोग शामिल रहे।

मतगणना स्थल पर लगें पर्याप्त सीसी कैमरे

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना की तैयारियां प्रशासन ने तेज कर दी हैं। अपर जिलाधिकारी प्रशासन विवेक राय ने शुक्रवार को रामपुर रोड स्थित एचएन इंटर कॉलेज में बनाए जा रहे स्ट्रॉंग रूम व मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने तैयारियों का जायजा लेने के बाद जरूरी दिशा निर्देश दिए।

एडीएम राय ने कहा कि हल्द्वानी ब्लॉक का स्ट्रॉंग रूम यहां बनाया गया है। मतपेटी वितरण प्रक्रिया में सतर्कता बरती जाए। सीसीटीवी कैमरे पर्याप्त संख्या में होने चाहिए। सभी आवश्यक सुविधाएं शनिवार तक चाक-चौबंद कर ली जाएं। उन्होंने बताया कि हल्द्वानी ब्लॉक की सभी सभी पोलिंग पार्टियां 27 जुलाई की सुबह से रवाना होंगी। मतदान के बाद मतपेटियां स्ट्रॉंग रूम में रखी जाएंगी। इसके बाद 31 जुलाई को मतगणना होगी, इसके लिए 28 टेबल लगाई गई है। इसके बाद एडीएम ने कोटाबाग ब्लॉक के लिए राजकीय इंटर कॉलेज कोटाबाग में बने मतगणना स्थल एवं स्ट्रॉंग रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान एसपी सिटी प्रकाश चंद,निर्वाचन अधिकारी दिनेश सिंह रावत, बीडीओ तनवीर असगर, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा एई महेंद्र सिंह रहे।

एचएन इंटर कॉलेज में निरीक्षण करते एडीएम विवेक राय। ● अमृत विचार

आभूषणों की दुकानों से उड़ाई सोने की अंगूठी

हल्द्वानी: गैस गोदाम चौराहा, कालाढूंगी रोड निवासी सौरभ खंडेलवाल ने पुलिस को बताया कि उसकी गैस गोदाम चौराहा पर श्रीनाथ ज्वैलर्स नाम से दुकान है। पीड़ित ने बताया कि उनकी दुकान में बीती 12 जून एक व्यक्ति आया और उसने अपना नाम मनीष बताया। उसने नजर बचाकर दुकान से सोने की एक अंगूठी चोरी कर ली। बाद में उन्हें पता चला कि इसी व्यक्ति ने 14 जून को उनके मित्र अतुल वर्मा की देवलचौड़ स्थित दुकान से भी सोने की अंगूठी चुरा ली है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

पीपल के पेड़ की लॉपिंग, लगा जाम

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नैनीताल रोड पर टेढ़ी पुलिया से आगे काठगोदाम की तरफ एक पीपल के पेड़ की लॉपिंग की गई। इस वजह से नैनीताल रोड पर जाम लग गया।

पीपल के इस पेड़ की डालें सड़क की तरफ झुक गईं थीं, जिस वजह से राहगीरों को निकलने में परेशानी हो रही थी। यहां एक बार हादसा भी हो चुका है। आगे हादसे न हों इसलिए पेड़ की लॉपिंग की गई। पेड़ की लॉपिंग किए जाने की वजह से सड़क पर जाम लग गया। जिसके बाद में पुलिस ने तुरंत ही एमबीपीजी डिग्री कॉलेज से रूट को डायवर्ट कर दिया और एमबी इंटर कॉलेज के सामने से दोनहरिया, पनचक्की होते हुए यातायात को काठगोदाम के लिए मोड़ दिया।

जजी कोर्ट के पास सड़क के बीच पीपल के पेड़ की लॉपिंग के बाद लगा जाम।

पुलिस ने शराब के साथ दो लोग दबोचे

हल्द्वानी: थानाध्यक्ष मुक्तेश्वर जगदीप सिंह नेगी के नेतृत्व में पुलिस टीम रात्रि चेकिंग कर रही थी। पहाड़पानी के पास एक व्यक्ति की कार की तलाशी लेने पर उसके पास से अंग्रेजी शराब की तीन पेटी मिली। आरोपी ने अपना नाम दीपक नयाल पुत्र किशन सिंह निवासी लेटीबुंगा बताया। पुलिस को पता चला कि पंचायत चुनाव में इस शराब का इस्तेमाल किया जाना था।

बनभूलपुरा में आठ पेटी कच्ची शराब पकड़ी : बनभूलपुरा पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस टीम ने गौला बाईपास रोड स्थित विश्राम गृह के पास एक ऑटो को रोक तलाशी ली। तलाशी लेने पर उसके ऑटो में से आठ पेटी कच्ची शराब की मिली। आठ पेटी में कुल 384 टेट्रा पैक कच्ची शराब थी। आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम नवारखेड़ा गौलापार निवासी सौरभ आर्या बताया। पुलिस ने शराब और ऑटो को अपने कब्जे में ले लिया। आरोपी के ऊपर मुकदमा दर्जकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सीएचसी में बंद अल्ट्रासाउंड मशीनें फिर की जाएंगी शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नैनीताल जिले में रेडियोलॉजिस्ट की कमी है। बेस अस्पताल हल्द्वानी, बीडी पांडे अस्पताल नैनीताल, राजकीय महिला अस्पताल हल्द्वानी जैसे बड़े स्वास्थ्य केंद्र में तो रेडियोलॉजिस्ट हैं लेकिन जिले के अन्य छोटे स्वास्थ्य केंद्र में रेडियोलॉजिस्ट उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग के लिए चुनौती बन गया है। फिलहाल कहीं रोटेशन के आधार पर तो कहीं संस्थाओं की मदद से अल्ट्रासाउंड सेवा को शुरू किया जा रहा है। जिससे मरीजों को कुछ लाभ मिले।

सीएचसी भवाली और सीएचसी पदमपुरी में भी अल्ट्रासाउंड सेवा बंद चल रही थी। पहाड़ के मरीजों को अल्ट्रासाउंड कराने के भटकना पड़ रहा था। अब माह के पहले बुधवार को सीएचसी भवाली में और सीएचसी पदमपुरी में माह के दूसरे बुधवार को अल्ट्रासाउंड होंगे। बेस अस्पताल में दो रेडियोलॉजिस्ट हैं। इनमें से एक रेडियोलॉजिस्ट को यहां अल्ट्रासाउंड करने के लिए भेजा जाएगा। रेडियोलॉजिस्ट के लिए वाहन और चालक सीएमओ कार्यालय से उपलब्ध होगा। इधर सीएचसी हल्दूचौड़ में अल्ट्रासाउंड मशीन बंद पड़ी थी। हल्दूचौड़ के मरीजों को अल्ट्रासाउंड कराने के लिए करीब 16 किमी दूर हल्द्वानी जाना पड़ता था। यहां हर बुधवार को रेडियोलॉजिस्ट डॉ. कुमुद पंत मरीजों का अल्ट्रासाउंड करेंगे। इससे मरीजों को काफी राहत मिलेगी। नैनीताल जिले के मालधनचौड़, कालाढूंगी और कोटाबाग स्वास्थ्य केंद्रों में भी अल्ट्रासाउंड शुरू हो जाएगी। इसके लिए आरोही संस्था से बात हुई है। यह संस्था यहां पर रेडियोलॉजिस्ट को उपलब्ध कराएगी और यहां अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू होगी।

> प्रमुख स्वास्थ्य केंद्रों पर अल्ट्रासाउंड सेवा को फिर से शुरू किया जा रहा है। इससे दूरस्थ इलाकों के स्वास्थ्य केंद्रों के मरीजों को काफी लाभ मिलेगा।
> – **डॉ. हरीश चंद्र पंत**, सीएमओ, नैनीताल

आक्रोश

उपनल कर्मियों का आरोप, गलत तरीका अपनाया जा रहा, अब मेडिकल कॉलेज ने बना दी समिति

वरिष्ठता तय करने को लेकर विवाद, भड़के उपनल कर्मी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: राजकीय मेडिकल कॉलेज में काम करने वाले कर्मचारियों का भविष्य तय किया जा रहा है। यहां करीब 166 पदों पर वरिष्ठता के आधार पर उपनल कर्मियों की तैनाती की जाएगी। बाकी उपनल कर्मियों को दूसरे मेडिकल कॉलेज में जाने का विकल्प दिया जाएगा। हालांकि मेडिकल कॉलेज जिस आधार पर वरिष्ठता माप रहा है, उसका कई उपनल कर्मियों ने विरोध किया है। इसको लेकर प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी का उपनल कर्मियों ने घेराव किया।

उपनल कर्मियों को मार्च माह से वेतन नहीं मिला है। वित्त विभाग ने कहा था कि उपनल कर्मियों के पद सृजित नहीं होने की वजह से उन्हें वेतन नहीं दिया जा सकता है। अभी तक मेडिकल कॉलेज प्रबंधन अन्य मदों से उपनल कर्मियों को वेतन देता था। इस वजह से मेडिकल कॉलेज और उसके अधीन डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल में काम करने वाले करीब 659 उपनल कर्मियों का वेतन अटक गया। इन लोगों ने वेतन के लिए आंदोलन भी किया लेकिन नतीजा सिफर रहा। बाद में चिकित्सा शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. आशुतोष स्याना ने आदेश जारी किया कि करीब 166 पदों पर उपनल कर्मियों को वरिष्ठता के आधार पर यहीं रोका जाए और बाकी कर्मचारियों को अन्य मेडिकल कॉलेज में समायोजित कर दिया जाए। इधर उपनल कर्मियों को जानकारी मिली कि मेडिकल कॉलेज का कार्मिक विभाग जिस आधार पर वरिष्ठता माप रहा है, उससे कई उपनल कर्मियों को नुकसान होगा। इसके चलते कई उपनल कर्मी प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी का घेराव करने पहुंच गए। यहां वित्त नियंत्रक एसके सिंह भी पहुंचे। उपनल कर्मी नीरज हैड़िया ने कहा कि कार्मिक विभाग गलत तरीके से वरिष्ठता को माप रहा है। इससे जो सही में वरिष्ठ कर्मी हैं उनके साथ अन्याय होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हम चाहते हैं कि किसी को भी यहां से नहीं भेजा जाए और पदों को सृजित किया जाए। प्राचार्य और वित्त नियंत्रक ने कहा कि तीन लोगों की समिति वरिष्ठता का आधार तय करेगी और अपनी रिपोर्ट देगी, जिसे शासन भेजा जाएगा। बाकी का निर्णय वहीं से होगा। इस दौरान प्रताप बोरा, डूंगर मटियाली, पंकज जोशी, मोहन पंत, नीलम बिष्ट, नंदी रजवार, हरीश भट्ट, शंकर टम्टा, राजू बिष्ट थे।

मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार को प्राचार्य डॉ. अरूण जोशी से वार्ता करते उपनल कर्मचारी। ● अमृत विचार

इस वजह से रहा विवाद

हल्द्वानी : उपनल कर्मियों ने बताया कि अस्पताल का राजकीयकरण एक मई 2010 को हुआ था। उस दौरान बिना पदों का सृजन किए कई लोगों को उपनल के तहत नौकरी दी गई थी। अब वरिष्ठता को मापने के लिए एक मई 2010 को आधार बनाया जा रहा है। इस तिथि के बाद जो कर्मचारी जन्मतिथि के आधार पर वरिष्ठ है उसे रोके जाने की बात कही जा रही है। नीरज हैड़िया ने कहा कि मेरी ज्वाइनिंग साल 2006 में हुई है इस आधार पर कई कर्मचारी जो एक मई 2010 को ज्वाइन किए हैं वो मुझसे केवल जन्मतिथि के आधार पर वरिष्ठ हो जाएंगे।

सिटी ब्रीफ

कैलाश मानसरोवर यात्रियों का दूसरा दल भीमताल पहुंचा

भीमताल : कैलाश मानसरोवर यात्रा का दूसरा दल शुक्रवार को भीमताल पहुंचा। जहां पर केएमवीएन के टूरिस्ट रेस्ट हाउस में फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। यात्रा के दूसरे दल में अलग-अलग प्रदेशों के कुल 48 तीर्थ यात्री शामिल रहे। जिसमें आंध्र प्रदेश से 3, असम से 1, दिल्ली से 5, गुजरात से 6, झारखंड से 1, कर्नाटका से 6, मध्य-प्रदेश से 2, महाराष्ट्र से 4, पंजाब से 2, राजस्थान से 5, तमिलनाडु से 3, तेलंगाना से 2, उत्तर-प्रदेश से 4 व पश्चिम बंगाल से 4 यात्री रहे। जिसमें महिला 14 एवं पुरुष 34 कुल 48 तीर्थ यात्री शामिल रहे।

ओखलकांडा व भीमताल बाजार में तेंदुए की दस्तक

भीमताल : ओखलकांडा के ग्राम पंचायत कुकना में तेंदुए का आतंक बना हुआ है। शुक्रवार की सुबह तेंदुए ने किसान ललित मोहन के बैल पर घर के समीप ही हमला कर घायल कर दिया गया। इसकी सूचना मिलते ही पूर्व ग्राम प्रधान मदन सिंह नौलिया ने पशु चिकित्सक को उपचार के लिए बुलाया। उपचार के दौरान बैल ने दम तोड़ दिया। स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग के रेंजर से तेंदुए को पकड़ने के साथ प्रभावित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। वहीं भीमताल निवासी भाष्कर भगवाल व पूर्व वार्ड मेंबर भानु लोशाली ने बताया कि सुबह-सुबह आबादी के बीच तेंदुए की आवाज आ रही थी। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने को कहा है।

सभासदों व पुलिस में विवाद, पुलिस कर्मी को पैनिक अटैक

सभासदों ने पुलिसकर्मियों पर लगाया अभद्रता का आरोप, कोतवाली का घेराव कर किया प्रदर्शन, 4 घंटे तक चला विवाद

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: आवागढ़ क्षेत्र के सभासद के परिजन को धमकी मिलने पर कुछ सभासद शिकायत पत्र लेकर बृहस्पतिवार को मल्लीताल कोतवाली पहुंचे। जहां पर शिकायती पत्र को रिसीविंग कराने की मांग को लेकर वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने सभासदों से अभद्रता कर दी। सभासदों ने अभद्रव्यवहार करने वाले पुलिस कर्मियों को हटाने की मांग को लेकर आज शुक्रवार को पालिका अध्यक्ष समेत सभासदों सफाई कर्मचारियों ने कोतवाली में धरना प्रदर्शन कर पुलिस के खिलाफ खूब जमकर नारेबाजी शुरू कर दी।

इसी बीच कोतवाली में सीओ सिटी प्रमोद साह पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने सीओ से वार्ता की जिस पर सीओ प्रमोद साह ने समझाया और जांच करने की बात कही तो सभासदों का पारा गर्म हो गया। काफी बहस होने के बाद कोई मामला नहीं सुलझा तो इसी बीच अभद्रता करने वाले पुलिसकर्मी कि कोतवाली में अचानक तबीयत खराब हो गई। पुलिस कर्मी की तबीयत बिगड़ने पर अफरातफरी का माहौल हो गया। बताया जा रहा है कि पुलिस कर्मी को दौरे की शिकायत है। उसकी दवाइयां भी चल रही है। आनन फानन में घर से दवाई लाई गई लेकिन उसके बाद उसे पुलिसकर्मियों द्वारा तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां उनका उपचार चल रहा है।

सभासदों का कहना है कि पुलिसकर्मी की तबीयत बिगड़ने से वह 29 जुलाई को फिर से कोतवाली पहुंचेंगे और कार्रवाई की मांग करेंगे।

धरने में पालिका अध्यक्ष डॉक्टर सरस्वती खेतवाल, सभासद पूरन सिंह बिष्ट, मनोज साह जगाती, राकेश पवार, रमेश प्रसाद, गजाला कमाल, भगवत रावत, सुरेंद्र कुमार, जितेंद्र पांडे जीनू, मुकेश जोशी मंटू, सपना बिष्ट, अंकित चंद्रा के अलावा देवभूमि सफाई कर्मचारी संघ के महासचिव सोनू सहदेव,

जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भगवत प्रसाद, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट, त्रिभुवन फर्त्याल, दया किशन पोखरिया, संजय कुमार, कुंदन सिंह बिष्ट, आशीष बजाज, अरविंद पडियार, मनोज जोशी, भूपेंद्र सिंह बिष्ट, एडवोकेट गोविंद आर्या, रोहित भाटिया, अतुल पाल आदि विभिन्न संगठनों के लोग कोतवाली में डटे रहे।

कोतवाली के बाहर प्रदर्शन करते सभासद। ● अमृत विचार

बार एसोसिएशन ने दिया सभासदों को समर्थन

पुलिस के साथ सभासदों के विवाद के बाद बार एसोसिएशन अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी भी कोतवाली पहुंचे और सभासदों को समर्थन दिया। बार एसोसिएशन अध्यक्ष भगवत प्रसाद ने कहा पुलिस उत्पीड़न कर रही है। जिसके विरोध में उन्होंने कोतवाली पहुंचकर प्रदर्शन किया है। इस दौरान दया किशन पोखरिया, शंकर चौहान, मनीष कांडपाल समेत अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

> नगर पालिका परिषद के सभासदों के आपसी विवाद का प्रकरण थाना मल्लीताल में आया है और उस प्रार्थना पत्र पर अभियोग पंजीकृत कर करवाई की जा रही है। दूसरा पक्ष सभासदों से पुलिस कर्मचारियों द्वारा दुर्व्यवहार का है उस पर जांच कर कार्रवाई की जा रही है।
> **-प्रमोद साह,** सीओ सिटी, नैनीताल

प्रदर्शनकारियों से वार्ता करते सीओ सिटी प्रमोद साह। ● अमृत विचार

कोतवाली में पुलिस कर्मी की बिगड़ी तबीयत अस्पताल ले जाते पुलिसकर्मी व अन्य

कुमाऊं विवि तय करेगा शोध प्रकाशनों के गुणवत्ता मानक

नैनीताल: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा कंसोर्टियम फॉर अकादमिक एंड रिसर्च एथिक्स सूची को समाप्त किए जाने के बाद उच्च शिक्षण संस्थानों पर शोध प्रकाशनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में कुलपति प्रो. डीएस रावत ने विश्वविद्यालय में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है जो यह तय करेगी कि किन शोध पत्रिकाओं को प्रत्यक्ष नियुक्तियों और कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत पदोन्नति के लिए मान्यता दी जाए। समिति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विश्वविद्यालय में केवल वही शोध प्रकाशन मान्य हों, जो गुणवत्ता, नैतिकता और विषय-संगतता के मानकों पर खरे उतरते हों। कुलपति ने कहा कि केयर सूची की समाप्ति के बाद यह अत्यंत आवश्यक हो गया है कि विश्वविद्यालय अपने शोध कार्यों की गुणवत्ता का मूल्यांकन स्वयं सुनिश्चित करे। उन्होंने बताया कि गठित समिति शोध पत्रिकाओं की समीक्षा प्रणाली, पारदर्शिता, और वैज्ञानिकता जैसे पहलुओं पर गहन मूल्यांकन करेगी और न्यूनतम गुणवत्ता मानकों को निर्धारित करेगी। यह निर्णय कुमाऊं विश्वविद्यालय को शोध के क्षेत्र में अधिक स्वायत्त, उत्तरदायी बनाएगा।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Accreditations, Affiliations & Approvals

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2025-26

CUET (UG)-2025 Registered/Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

Course	Eligibility	Duration
M.Sc.Medical (Anatomy/ Biochemistry/Microbiology/ Pharmacology/Physiology)	MBBS/BDS/B.Sc Nursing/ /B.Sc (PCB)	3 Year
Diploma Medical Lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma Radiotherapy Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Dental Hygienist (DH)	10+2 (PCB with English)	2 Year
Dental Mechanics (DM)	10+2 (PCB with English)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)	10+2 (PCB/PCM)	4 Year
Master of Pharmacy (Pharmaceutics/Pharmacology/ Pharmaceutical Chemistry/Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year
Diploma in Pharmacy	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2 (PCB)	4.5 Year
B.Sc. Medical Laboratory Technician (BMLT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
B.Sc. Optometry	10+2 (PCB)	4 Year
B.Sc. in Radiological imaging Techniques (BRIT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
Bachelor in Operation Theatre Technician	10+2 (PCB)	3.5 Year
Diploma in Dialysis Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in MRI Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in Sanitation	10+2 (PCB/PCM)	1 Year
Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
M.Sc. Clinical Embryology	B.Sc. (PCB)	2 Year
Master Physiotherapy	BPT	2 Year
Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	BMLS	2 Year

ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

Course	Eligibility	Duration
M.Sc. Nursing in Child Health Nursing/Mental Health Nursing/Community Health Nursing/Surgical Nursing/ Obstetric & Gynaecological Nursing	B.Sc. (Nursing)	2 Year
B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
GNM	10+2 Any Stream	3 Year
ANM	10+2 Any Stream	2 Year
Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year
Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC)	B.Sc. Nursing	2 Year

BIU COLLEGE OF HUMANITIES & JOURNALISM

Course	Eligibility	Duration
BA (Hons.) in Journalism/ Mass Communication	10+2 in Any Stream	4 Years
BA (Hons.) in Eng./ Pol. Sc./ Socio./Eco. / Psychology	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Lib.(Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MA (Journalism/ Mass Comm./ Public Rel./Electronic Media/ Adv.)	UG in Any Stream	2 Years
MA (English/ Pol. Science/ Sociology/ Economics/ Hindi)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Translation Studies)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Applied & Clinical Psychology)	UG in Respective Stream	2 Years
M.Lib.	UG in Respective Stream	2 Years

BIU COLLEGE OF MANAGEMENT

Course	Eligibility	Duration
BBA (Hons.) in Finance & Taxation	10+2 in Any Stream	4 Years
BCA (Hons.) in IT & Multimedia/ AI & Machine Learning	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Com (Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MBA (Finance & Taxation / Healthcare Management / Sales & Marketing / HR / IT / Business Analytics)	UG in Any Stream	2 Years
M.Com	UG in Respective Stream	2 Years
MCA	UG in Respective Stream	2 Years
MHA	UG in Any Stream	2 Years
MPH	UG in Any Stream	2 Years

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCB/PCM)	3 Year
M.Sc. Forensic Sciences	Graduation in Science (ZBC)	2 Year

For More Information : 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153, 051, 053

Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University, Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly PIN Code : 243006 (U.P.)

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

दिनभर धूप से बढ़ी गर्मी, रात को झमाझम बारिश

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: जुलाई माह में अभी तक हुई सामान्य से काफी कम बारिश की वजह से उमस भरी गर्मी पड़ रही है। बारिश रुकने के साथ ही तापमान में काफी उछाल आया है। शुक्रवार को दोपहर के समय लोगों को मई-जून की गर्मी याद आ गई। हालांकि रात को झमाझम बारिश से मौसम सुहावना हो गया।

शुक्रवार को धूप काफी तेज थी। दिन के समय उमस भरी गर्मी पड़ रही थी। धूप में रहना मुश्किल हो गया। अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया जो सामान्य से पांच डिग्री ज्यादा है। न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस रहा। दोपहर के समय लोग पसीने से तरबदर हो गए। शाम होने के बाद लोगों को गर्मी से राहत मिली। पहाड़ों में भी यही हाल है। मुक्तेश्वर में 25.1 डिग्री सेल्सियस पारा पहुंच गया। यहां भी तापमान में भारी उछाल आया है। शुक्रवार की शाम चार बजे तक नैनीताल जिले में कहीं भी बारिश नहीं हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार नैनीताल व ऊधमसिंह नगर जिले में 27 जुलाई तक मानसून थोड़ा कमजोर रहेगा। इसके बाद 28 और 29 जुलाई को नैनीताल जिले में भारी से बहुत भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान ऊधमसिंह नगर जिले में भी भारी बारिश का यलो अलर्ट रहेगा।

सरोवर नगरी में शुक्रवार सुबह चटख धूप तो दोपहर होते-होते बादल छाने शुरू हो गए थे।

10 दिनों में सबसे ऊंचा पारा

हल्द्वानी : विगत 10 दिनों में शुक्रवार को अभी तक सबसे ऊंचा पारा दर्ज किया गया है। इससे पहले 22 जुलाई को पारा 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विज्ञानी डॉ. आरके सिंह के अनुसार बारिश के दिनों में धूल बैठ जाती है। इसके बाद जब बारिश रुकती है और धूप निकलती है तो वह काफी तेज होती है। जिस वजह से उमस भरी गर्मी पड़ती है।

नैनीताल में चटख धूप के बाद छाए बादल

नैनीताल : सरोवर नगरी नैनीताल में कई दिन बाद शुक्रवार सुबह के समय चटख धूप खिली रही। धूप के चलते लोगों को राहत मिली, साथ ही सीलनभरे कपड़े सुखाने का मौका मिल गया। मौसम बदलने के दौरान खासी गर्माहट महसूस हुई लेकिन अपराह्न एक बजे घने बादल छा गए। दोपहर दो बजे हल्की बूंदाबांदी हुई, जो कुछ देर बाद ही थम गई। इसके बाद बादल देर शाम तक छाए रहे। कोहरा भी नगर को आगोश में लेता रहा, जिस कारण बारिश की संभावना बनी हुई थी। मौसम राहत देने वाला रहा। इधर, जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 28 व न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहा। आद्रता अधिकतम 90 व न्यूनतम 60 प्रतिशत दर्ज की गई। नैनीताल में दिनभर मौसम सुहावना बना रहा, लेकिन अंधेरा शुरू होते ही बारिश शुरू हुई। बारिश कुछ देर हल्की हुई, इसके बाद तेज होने लगी। जिस कारण लोग जहां के तहां ठिठकने को मजबूर हो गए। समाचार लिखे जाने तक तेज बारिश जारी थी।

सभी सड़कें खुली हैं

हल्द्वानी : बारिश रुकने के साथ ही सड़कें भी पूरी तरह से खुली हुईं हैं। इस समय नैनीताल जिले की कोई भी सड़क मलबा आने या भूस्खलन होने की वजह से बंद नहीं हैं। विगत दिनों जब बारिश हो रही थी तो पहाड़ी इलाकों में कई जगह सड़कें बंद होने से आवागमन बंद था। सडकें खुलने से पहाड़ में यात्रा सुगम हो गई है।

मंत्री ने स्मारक लिफाफे का किया विमोचन

रामनगर, संवाददाता

अमृत विचार: विश्व प्रसिद्ध प्रकृतिविद एवं प्रख्यात शिकारी रहे एडवर्ड जेम्स कार्बेट के 150वीं जयंती समारोह का शुभारंभ करते हुए वन मंत्री सुबोध उनियाल ने भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी जिम कॉर्बेट की 150वीं जयंती पर आधारित विशेष स्मारक लिफाफा (स्पेशल डे कवर) का विमोचन भी किया।

अपने संबोधन में वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा जिम कॉर्बेट केवल एक शिकारी नहीं थे बल्कि वह पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने शिकार छोड़कर जंगल और बाघ संरक्षण की राह पकड़ी, उनका जीवन आज भी हमारे लिए प्रेरणा है। उन्होंने घोषणा की कि सरकार अब से हर वर्ष पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को जिम कॉर्बेट अवॉर्ड से सम्मानित करेगी। यहां विधायक दीवान सिंह बिष्ट, पार्क वार्डन अमित ग्वासिकोटी, फोटोग्राफर पद्मश्री अनूप शाह, प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) डॉ. समीर सिन्हा सीटीआर के निदेशक डॉ. साकेत बडोला, प्रमुख सचिव वन आरके सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक (एचओएफएफ) डॉ. समीर सिन्हा, मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल शशि, डॉ. धीरज पांडे आदि अधिकारी रहे।

स्पेशल डे कवर का विमोचन करते वन मंत्री सुबोध उनियाल। ● अमृत विचार

गोरा साधु के मंचन ने दिया वन्य जीव संरक्षण का संदेश

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: जिम कार्बेट की 150वीं जयंती समारोह में जहां नंदा राजजात यात्रा ने दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी वहीं जिम के जीवन पर आधारित गोरा साधु नाटक ने भी लोगों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

"एक प्रेरणा को नमन" शीर्षक से आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत उत्तराखंड की लोक संस्कृति की प्रस्तुति नंदा राजजात यात्रा के रंगारंग प्रदर्शन से हुई। चन्दन नेगी की टीम ने जहां नंदा राजजात यात्रा के दृश्यों को मंच पर प्रस्तुत कर अपने अभिनय की छाप छोड़ी वहीं लोक गीत और लोक नृत्यों की बानगी प्रस्तुत कर देव भूमि की सांस्कृतिक धरोहर को भी उजागर किया। इसके बाद निर्देशक डॉ. साकेत बडोला द्वारा एडवर्ड जेम्स कॉर्बेट के जीवन पर आधारित उनके साहसिक अभियानों एवं संरक्षण कार्यों पर आधारित एक आकर्षक प्रस्तुतीकरण दिया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण गोरा साधु और मोती नामक नाटक का मंचन रहा।

समस्या | मानसून में सिंचाई विभाग नालों से 3 हजार कट्टे मलबा निकाल चुका है

तमाम कोशिशों के बावजूद जारी है नैनी झील में मलबा जाना

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: तमाम कोशिशों के बावजूद नालों में मलबा समेत कूड़े कचरे के ढेर समाने का सिलसिला थम नहीं सका है। इस मानसून की बारिश में 3 हजार कट्टा मलबा नालों से निकाला गया है, जबकि झील में समाए बेशुमार मलबे की कोई जानकारी नहीं है। सिंचाई विभाग ने नालों की सफाई के लिए 30 मजदूर लगाए हैं।

नालों के जरिए नैनी झील में गंदगी पहुंचने का क्रम लगभग चार दशकों से जारी है। झील में समाने वाला तमाम तरह का कूड़ा कचरा झील को दूषित तो कर ही रहा है, साथ ही झील के ईको सिस्टम को भी प्रभावित कर रहा है। नगर के ऊपरी क्षेत्रों में भवन निर्माण के दौरान चोरी छिपे मलबा बरसात आते ही नालों में डाल दिया जाता है, जो तेज बारिश में बहकर झील में समा जाता है जिससे झील की तलहटी में गाद जमा हो जाती है। जिस कारण झील की गहराई दिन पर दिन घटते जा रही है। वर्ष 1980 तक झील की अधिकतम गहराई 92 फीट हुआ करती थी, जो अब घटकर 88 फीट रह गई है। झील की गहराई में कमी का मुख्य कारण गाद है। जिसे झील में जाने से रोका नहीं जा सका है। हालाकि झील में जाने वाली गंदगी को रोकने का प्रयास पिछले करीब ढाई दशक से जारी है, लेकिन अभी तक ठोस उपाय नहीं किए जा सके हैं। सिंचाई विभाग ने नालों की सफाई के लिए प्रयाप्त संख्या में मजदूर लगा रखे हैं, जो 15 जून से अभी तक तीन हजार कट्टा मलबा निकाल चुके हैं। मगर बड़ा प्रश्न यह है कि झील के भीतर समाने वाले मलवे की मात्रा का ना तो पता चल पाता है और ना ही उसे निकाल पाना आसान है।

मल्लीताल नाला नंबर 20 से मलबा हटाते सिंचाई विभाग के कर्मचारी। (फाइल)

रिहायशी क्षेत्रों से लगे नालों से झील में पहुंचता है सर्वाधिक कूड़ा

सिंचाई विभाग के एई डीडी सती ने बताया कि नैनी झील में समाने वाला सर्वाधिक कूड़ा कचरा और मलबा रिहायशी क्षेत्रों से लगे नालों से पहुंचता है। झील में जाने वाले कुल 62 नाले हैं, जिनमें सर्वाधिक गंदगी नाला नंबर 6, 16, 18, 20, 21 व 23 से पहुंचता है। ये सभी नाले रिहायशी क्षेत्र से लगे हुए हैं। ये नाले शेर का डांडा समेत आल्मा की पहाड़ी के बीच मौजूद हैं।

पालिका निकालती है झील की ऊपरी सतह का कचरा

झील की ऊपरी सतह से कचरा निकाले जाने का जिम्मा नगर पालिका का है, जो इस मानसून में कई पिकअप कचरा निकाल चुके हैं। इसके बावजूद जब भी तेज बारिश होती है तो कचरे के ढेर झील में तैरता नजर आने लगता है। पालिका अधिशासी अधिकारी रोहिताश शर्मा का कहना है कि झील से कचरे की नियमित रूप से सफाई जारी है।

बरसात आते ही नालों मे मलबे के ढेर

तमाम अभियानों व दावों के बावजूद बरसात आते ही नालों के समीप रहने वाले लोग मलबे व कूड़े के ढेर नालों में फेंकने से बाज नहीं आते। तेज बारिश मे नालों के चलते ही मलबे व कूड़े के ढेर झील मे समा जाते हैं।

सिटी ब्रीफ

2 अगस्त से होगी टेबल टेनिस प्रतियोगिता

हल्द्वानी : जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन नैनीताल के समन्वय से जिला खेल कार्यालय हल्द्वानी की ओर से 2 अगस्त से स्पोर्ट्स स्टेडियम में दो दिवसीय जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में बालक/बालिका अंडर-17, अंडर-19 और ओपन वर्ग की प्रतियोगिताएं होंगी। क्वालिफाई करने वाले खिलाड़ी 22 अगस्त को हरिद्वार में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिला क्रीड़ाधिकारी निर्मला पंत ने बताया कि इच्छुक खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र की छायाप्रति साथ लेकर आना अनिवार्य होगा।

कूड़ा डालने पर 5 हजार का चालान

हल्द्वानी : नगर निगम ने मंडी बाईपास पर कूड़ा डालने पर मनमोहन सिंह नामक व्यक्ति का 5 हजार रुपए का जुर्माना भी किया गया। नगर निगम की ओर से लगातार सफाई अभियान चलाने और लोगों को सफाई के प्रति जागरुक किया जाता है। लेकिन इसके बावजूद अक्सर लोग खुले सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा डाल रहे हैं। जिस पर निगम की ओर से कार्रवाई की गई है। नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने बताया कि खुले स्थान पर कूड़ा फेंकने वालों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने लोगों से खुले में कूड़ा नहीं डालने की अपील की है और नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। इधर, नगर निगम की ओर से शुक्रवार को वार्ड 57, वार्ड 44 और आरटीओ रोड पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। जिस दौरान सफाई कर्मचारियों ने नालियों और गूलों से झाड़ियां हटाकर सफाई की।

रेस्क्यू सेंटर भेजे जा रहे पकड़े गए बंदर

हल्द्वानी : बंदरों के आतंक से छूट दिलाने के लिए नगर निगम की ओर से अनुबंधित कंपनी ने शुक्रवार को आवास-विकास और रेलवे कॉलोनी के आसपास बंदर पकड़ने का अभियान चलाया। जिस दौरान कुल 27 बंदर पकड़े गए। नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने बताया कि अभियान सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है, जिससे राहगीरों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि अब तक 167 बंदरों का रेस्क्यू किया जा चुका है। इन बंदरों को वन विभाग के रेस्क्यू सेंटर रानीबाग भेजा जा रहा है। बताया कि अभियान जारी रहेगा और सूचना मिलने पर अन्य स्थानों पर भी टीम भेजी जाएगी।

समर्थ पर मिला फीस जमा करने का विकल्प

30 जुलाई तक एडमिशन फीस जमा कर सकते हैं प्रवेशार्थी, निर्धारित तिथि तक फीस जमा नकरने पर प्रवेश माना जाएगा निरस्त

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: एमबीपीजी कॉलेज में 14 जुलाई से 24 जुलाई 2025 के दौरान प्रवेश ले चुके छात्र-छात्राओं के लिए ऑनलाइन फीस जमा करने का विकल्प समर्थ पोर्टल पर उपलब्ध हो चुका है। विकल्प खुलने के बाद प्रवेशार्थियों ने ऑनलाइन फीस जमा करना शुरू कर दिया है। शुक्रवार शाम तक 60 से अधिक विद्यार्थियों की ओर से फीस जमा की गई। इस बार समर्थ पोर्टल पर एसबीआई का पेमेंट गेटवे एक्टिवेट किया गया है। प्रवेशार्थी इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई, नेफ्ट और एसबीआई शाखा के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।

फीस भुगतान से पहले विद्यार्थियों के शैक्षणिक अभिलेखों का ऑफलाइन सत्यापन होना जरूरी है। जिन विद्यार्थियों का सत्यापन समर्थ पोर्टल पर हो गया है, उन्हें अपने एडमिशन पोर्टल पर जाकर " पे एडमिशन फी" विकल्प पर क्लिक कर फीस जमा करनी होगी।

बिना फीस जमा किए प्रवेश मान्य नहीं होगा। कॉलेज प्रशासन ने फीस जमा करने की अंतिम तिथि 30 जुलाई निर्धारित की है। निर्धारित तिथि तक फीस जमा नहीं करने पर प्रवेशार्थी का प्रवेश स्वतः ही निरस्त माना जाएगा।

कॉलेज प्रशासन ने कहा कि यदि किसी प्रवेशार्थी के सत्यापन के बाद भी पे एडमिशन फी का विकल्प नहीं दिख रहा है, तो वे 29 जुलाई के बाद कॉलेज आकर प्रवेश कक्ष में संपर्क कर सकते हैं। जहां प्रवेश समिति की ओर से उनका मार्गदर्शन किया जाएगा।

कंप्यूटर का कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम चलेगा ऑनलाइन

एमबीपीजी कॉलेज में कंप्यूटर विज्ञान विषय का कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) इस शैक्षणिक सत्र में पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से संचालित किया जाएगा। कॉलेज प्रशासन ने यह निर्णय विद्यार्थियों की सुविधा व डिजिटल दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया है। इससे विद्यार्थी कहीं से भी पाठ्यक्रम से जुड़ सकेंगे और तकनीकी शिक्षा को आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। कॉलेज की ओर से इस संबंध में समय-सारणी व ऑनलाइन कक्षाओं की जानकारी जल्द ही उपलब्ध कराई जाएगी।

एमबीपीजी में 213 प्रवेश के साथ कुल 2494 प्रवेश

एमबीपीजी कॉलेज में शुक्रवार को 213 प्रवेश हुए, जिसमें बीए प्रथम सेमेस्टर में 120, बीकॉम प्रथम सेमेस्टर में 40, बीएससी पीसीएम में 26 और बीएससी जेडबीसी में 27 प्रवेश हुए। वहीं, कॉलेज में शुक्रवार तक कुल 2494 प्रवेश हो चुके हैं। इधर, राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में शुक्रवार तक कुल 382 प्रवेश हुए हैं, जिसमें बीएससी प्रथम सेमेस्टर बॉयोलॉली में 70, बीकॉम ऑनर्स में 40, बीकॉम सामान्य में 53 और बीएससी प्रथम पीसीएम में 55 और बीए प्रथम सेमेस्टर में 164 प्रवेश हुए हैं।

डीएसबी में 8वें दिन 150 छात्रों ने लिया दाखिला

संवाददाता, नैनीताल

- 150 छात्रों ने आठवें दिन दाखिला लिया।
- बीए में सर्वाधिक 62, बीकॉम में सबसे कम 8 दाखिले।
- दूसरी मेरिट के छात्रों को सोमवार तक का समय।
- रिक्त सीटों के आधार पर तीसरी मेरिट शीघ्र जारी होगी।

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में स्नातक प्रथम सेमेस्टर की प्रवेश प्रक्रिया 18 जुलाई से शुरू हो चुकी है। प्रवेश प्रक्रिया के आठवें दिन शुक्रवार को बीए, बीकॉम, बीएससी (गणित, बायो, फॉरेस्ट्री, एग्रीकल्चर) की कक्षाओं में 150 छात्र-छात्राओं ने दाखिला लिया। प्रवेश प्रभारी डॉ. प्रियंका रुबाली ने बताया कि बीए में शुक्रवार को 62 छात्रों ने प्रवेश लिया, जबकि बीकॉम में केवल 8 छात्रों ने दाखिला लिया। बीएससी गणित वर्ग में 55 और बायो वर्ग में 22 छात्रों ने प्रवेश लिया।

वहीं बीएससी फॉरेस्ट्री में मेरिट लिस्ट के अनुसार केवल 3 छात्रों ने ही दाखिला लिया। बीएससी के प्रवेश कमेटी प्रभारी डॉ. सुनील चन्याल ने जानकारी दी कि दूसरी मेरिट सूची के तहत नामित छात्रों को प्रवेश लेने के लिए सोमवार तक का समय दिया गया है। इसके बाद शेष रिक्त सीटों के आधार पर तीसरी मेरिट सूची जारी की जाएगी।

अब काठगोदाम से ही चलेंगी हल्द्वानी डिपो की टैंपो ट्रैवलर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: उत्तराखंड परिवहन निगम को बीते माह हल्द्वानी-काठगोदाम क्षेत्र के लिए उपलब्ध कराए गए 10 टैंपो ट्रैवलर वाहनों में से हल्द्वानी व काठगोदाम डिपो को चार-चार वाहनों का संचालन जबकि दो वाहनों का संचालन भवाली डिपो को सौंपा गया था। हालांकि, दो अलग-अलग डिपो से संचालन होने के कारण परिवहन निगम के अधिकारियों को देहरादून मुख्यालय को रिपोर्टिंग में असुविधा हो रही थी। इससे भ्रम की स्थिति और सूचना के आदान-प्रदान में दिक्कतें आ रही थी। इन दिक्कतों को दूर करने के लिए मंडलीय प्रबंधन ने बड़ा निर्णय लेते हुए हल्द्वानी डिपो से संचालित चार टैंपो ट्रैवलर को भी अब काठगोदाम डिपो से चलाने का निर्णय लिया है।

अब सभी आठ टैंपो ट्रैवलर का संचालन काठगोदाम डिपो से किया जाएगा, जिससे निगरानी और संचालन व्यवस्था अधिक व्यवस्थित और केंद्रीकृत हो सकेगी। वहीं, भवाली डिपो से संचालित दो टैंपो ट्रैवलर पहले की तरह चलते रहेंगे।

चुनाव से रोडवेज का मुनाफा, यात्री परेशान

हल्द्वानी : चुनाव ड्यूटी के चलते उत्तराखंड परिवहन निगम की आमदनी में जहां बढ़ोत्तरी हुई है, वहीं यात्रियों को बसों की कमी से भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थिति यह है कि पहाड़ जाने वाले यात्रियों को बस स्टेशन पर घंटों इंतजार करना पड़ रहा है और उन्हें अक्सर इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। काठगोदाम डिपो के केंद्र प्रभारी रघुवीर चौधरी ने बताया कि मतदान के बाद बसें वापस आ रही हैं। मतदान के लिए 20 से अधिक बसें भेजी गई थी, जिसमें 10 से अधिक बसें वापस आ गई हैं। अग्रिम आदेश तक इन बसों का संचालन निर्धारित मार्गों पर किया जाएगा।

पेंशन व अन्य मांगों को लेकर की संघर्ष समिति ने की बैठक

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: काठगोदाम स्थित उत्तराखंड परिवहन डिपो परिसर में राष्ट्रीय संघर्ष समिति नैनीताल व ऊधमसिंह नगर जिले की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्तराखंड परिवहन निगम, एफसीआई, केएमओयू लिमिटेड, कुमाऊं मंडल विकास निगम, लालकुआं पेपर मिल सहित कई संगठनों के सेवानिवृत्त कर्मियों ने भाग लिया।

वक्ताओं ने केंद्र सरकार की उपेक्षा पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सेवानिवृत्त कर्मियों की वर्षों पुरानी मांगों पर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों को न्यूनतम 7500 प्लस डीए पेंशन दिए जाने, चिकित्सा सेवा का लाभ सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को देने और सितंबर 2014 से पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी उच्चतम पेंशन योजना में शामिल किए जाने की मांग की। कहा कि कई बार प्रधानमंत्री और विभागीय मंत्रियों ने आश्वासन दिया, लेकिन इसके बावजूद मांगें पूरी नहीं हुई। बैठक में आगामी 4 व 5 अगस्त को राष्ट्रीय संघर्ष समिति के आह्वान पर दिल्ली में आयोजित प्रदर्शन में कुमाऊं मंडल से भारी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मचारियों से शामिल होने का आह्वान किया गया। इस दौरान जगत सिंह डोबाल (प्रांतीय समन्वयक), सत्य प्रकाश गोस्वामी (प्रांतीय उपाध्यक्ष), भूपेंद्र अधिकारी (जिला महामंत्री), गणेश मेलकानी (प्रांतीय सचिव), बृजमोहन सिजवाली (जिला उपाध्यक्ष), पदम कुरिया, उमेश जोशी और राजेन्द्र वालिया आदि मौजूद रहे।

मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था बनाने पर जोर

संवाददाता, हल्द्वानी

यूओयू के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी के विदाई सम्मान समारोह में मौजूद नवनियुक्त कुलपति प्रो. लोहनी व अन्य।

अमृत विचार: उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद शुक्रवार को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली को सक्रिय रूप से समझने और सुधारने के लिए अहम प्रशासनिक व अकादमिक बैठकें की।

इस दौरान प्रो. लोहनी ने सबसे पहले कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, सहायक कुलसचिव सहित प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था की समीक्षा की और इसे अधिक मजबूत और प्रभावशाली बनाने पर जोर दिया।

इसके बाद उन्होंने प्रचार-प्रसार अनुभाग व आईसीटी अनुभाग के सभी कार्मिकों के साथ बैठक कर कहा कि विवि की पहुंच राज्य के सुदूर क्षेत्रों तक बनानी है। उन्होंने प्रचार-प्रसार योजना को प्राथमिकता देने और प्रभावशाली सामग्री तैयार करने के निर्देश दिए। प्रो. लोहनी ने सभी विद्याशाखाओं के निदेशकों के साथ बैठक कर संचालित शैक्षणिक कार्यक्रमों की जानकारी ली और निर्देश दिए कि इन कार्यक्रमों की व्यापक जानकारी आम जनता तक पहुंचे। उन्होंने छात्र संख्या बढ़ाने, कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुधारने और शैक्षणिक गतिविधियों की दिशा में कार्य करने को कहा।

विदाई समारोह में पूर्व कुलपति के कार्यों को किया याद

हल्द्वानी : यूओयू में शुक्रवार को पूर्व कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नव नियुक्त कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने की। समारोह में वक्ताओं ने प्रो. नेगी के छह वर्षों के कार्यकाल में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को साझा किया और उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। वहीं, प्रो. नेगी ने अपनी सफलता का श्रेय पूरे विश्वविद्यालय परिवार की मेहनत और सहयोग को दिया। नवीन कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने प्रो. नेगी के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनकी ओर से किए गए कार्य हमेशा याद रहेंगे और विश्वविद्यालय भविष्य में भी उनके मार्गदर्शन से लाभान्वित होता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव डॉ. खेमराज भट्ट ने किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

नुमाइश बंद कराने को सौंपा ज्ञापन

हल्द्वानी : पार्षद रवि वाल्मीकि ने एमबी इंटर कॉलेज मैदान में लगी नुमाइश को बंद कराने की मांग को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय में ज्ञापन सौंपा।

पार्षद रवि वाल्मीकि ने कहा कि शहर के बीचोबीच एमबी इंटर कॉलेज मैदान में नुमाइश लगाई गई है इस वजह से लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है। मैदान के निकट अस्पताल, स्कूल है जिससे छात्रों व मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। रात को शोरगुल होने से आसपास वाले, मरीजों को भारी दिक्कतें होती हैं। पिछले वर्ष नुमाइश में स्थालीय लोगों और दुकानदारों के बीच तलवारबाजी की घटना हुई थी जिससे लोगों में हर समय दहशत का माहौल रहता है। उन्होंने नुमाइश बंद करने की पुरजोर मांग की। इस दौरान मोहन कांडपाल, प्रताप चौहान, एसएस नेगी, एमसी तिवारी, प्रदीप पंत रहे।

सशक्त एकता उद्योग व्यापार मंडल ने डाक कांवड़ियों का किया अभिनंदन

सशक्त एकता उद्योग व्यापार मंडल ने कांवड़ियों का स्वागत किया। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सशक्त एकता उद्योग व्यापार मंडल ने हरिद्वार जाने वाले 27 डाक कांवडियों का पुष्प वर्षा एवं मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया। इसके बाद बम-बम भोले के नारों के साथ यात्रा को रवाना किया गया। डाक कांवड में संजय त्यागी, सोनू अग्रवाल के नेतृत्व में कांवड़िए जा रहे हैं।

इस दौरान प्रदेश महामंत्री भुवन भट्ट, संजय बिष्ट, सीमा बत्रा, गंगा साही, काजल खत्री, कंचन रौतेला, बबीता जोशी, ज्योति अवस्थी, प्रेमा खनका, प्रेमा मेर, अंजू पांडे, लता पाठक रहे।

लंबे कार्यकाल के लिए पीएम मोदी को दीं शुभकामनाएं

संवाददाता, हल्द्वानी

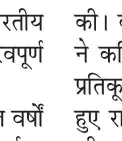

अमृत विचार : सांसद अजय भट्ट ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के दूसरे सबसे दीर्घकालीन सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक गौरवपूर्ण अध्याय जुड़ गया है।

कहा कि यह उपलब्धि केवल वर्षों की संख्या नहीं बल्कि सतत समर्पण, मजबूत संकल्प और भारत की निरंतर प्रगति का प्रतीक है। मोदी ने बीते 24 वर्षों से जनता की निस्वार्थ सेवा कर रहे हैं, पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में है। यह यात्रा किसी साधारण राजनेता की नहीं, बल्कि विश्वास और विकास की अमिट गाथा है। उन्होंने कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए सेना के अदम्य साहस और वीरता को याद किया। सेना ने कठिन परिस्थितियों में राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा की। कारगिल युद्ध में हमारी सेना ने कठिन भौगोलिक बाधाओं और प्रतिकूल मौसम का सामना करते हुए राष्ट्रीय संप्रभुता और अखंडता की रक्षा में अपनी असाधारण वीरता, अदम्य साहस, शौर्य और संकल्प का परिचय दिया और विजय प्राप्त की। हम वीर सैनिकों को नमन करते हैं और श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। हम उनके परिवारों के प्रति भी कृतज्ञता प्रकट करते है

धनंजय ने पीसीएस अधिकारी से की ठगी

- धनंजय गिरी के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज
- पीसीएस अधिकारी ने एसएसपी को दी लिखित शिकायत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: उत्तराखंड में पीसीएस अधिकारी ने धनंजय गिरी के नाम के प्रॉपर्टी डीलर व बिल्डर पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। आरोप है कि करीब आठ साल पहले उन्होंने धनंजय गिरी से निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत में फ्लैट खरीदने को लेकर इकरारनामा किया था। बयाना दिए जाने के बाद भी आरोपी ने सरकारी बैंक के अधिकारियों के साथ मिलकर उक्त जमीन पर ऋण निकाल लिया।

ग्राम फिलम, तहसील धारचूला निवासी पीसीएस अधिकारी बीएल फिरमाल ने एसएसपी नैनीताल को मामले में लिखित शिकायत की। शिकायत के अनुसार करीब आठ साल पहले धनंजय गिरी निवासी सुभाष नगर हल्द्वानी दमुवाढूंगा, बंदोबस्ती में ग्रुप हाउसिंग के तहत एक बहुमंजिला इमारत का निर्माण कर रहा था। बहुमंजिले भवन के तृतीय तल के सैक्शन-ए पर स्थित एक फ्लैट मौजूद था जिसका रकबा 1400 वर्ग फिट है। प्रार्थी ने 31.10.2017 को इस फ्लैट को खरीदने के लिए धनंजय के साथ इकरारनामा कर लिया और चेक के माध्यम से पांच लाख रुपये दिये। बाद में प्रार्थी को पता चला कि धनंजय गिरी ने बैंक के अधिकारियों के साथ मिलकर प्रार्थी के उक्त पंजीकृत इकरारनामा भूमि पर ऋण लिया है। आरोप है कि धनंजय ने बैंक के अधिकारियों के साथ मिलकर प्रार्थी को भारी नुकसान पहुंचाया और बैंक अधिकारियों ने भी सब कुछ जानने के बाद भी यह कृत्य जानबूझकर किया है। पीड़ित द्वारा मांग की गई कि आरोपी धनंजय गिरी के साथ ही बैंक के अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। पुलिस को यह शिकायत पत्र बीती एक अप्रैल को प्राप्त हुआ था। पौने चार महीने जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई है।

पुलिस से बचने को छह साल तक था फरार

हल्द्वानी : ठेकेदार धनंजय गिरी के ऊपर पहले भी कई आरोप लगे हैं। जालसाजी के मामले में छह साल तक फरार भी रहा। मई 2024 में धनंजय गिरि को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ साल 2019 और 2021 में चेक बाउंस के दो मामले हल्द्वानी कोतवाली में दर्ज हुए थे। इन मामलों में उसे जजी कोर्ट में पेश होना था लेकिन आरोपी पेश नहीं हुआ और लंबे समय तक फरार रहा था।

कटौती से जनता बेहाल चौदह फीडर रहे प्रभावित

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: शहर में जहां एक ओर अघोषित बिजली कटौती से लोग पहले ही परेशान थे, वहीं अब ऊर्जा निगम की घोषित कटौती भी आम जनता के लिए मुसीबत बनती जा रही है। शुक्रवार को पेड़ों की लॉपिंग-चॉपिंग और लाइन मेंटेनेंस के चलते रानीबाग, गौलापार, कालाढूंगी चौराहा और सुभाष नगर बिजलीघरों से बिजली की आपूर्ति बाधित रही, जिससे चौदह फीडर से जुड़े उपभोक्ताओं को उमस भरी गर्मी में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

इन क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई, जिससे उपभोक्ताओं की परेशानी का सिलसिला शुरू हो गया। दिनभर उमस और गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। रानीबाग व गौलापार बिजलीघर से शाम 4 बजे, कालाढूंगी चौराहा से शाम 6 बजे, सुभाष नगर से देर रात आपूर्ति बहाल की जा सकी। सबसे ज्यादा परेशानी सेंट पॉल्स फीडर से जुड़े उपभोक्ताओं को हुई, जहां लगभग 12 घंटे तक बिजली कटौती झेलनी पड़ी। बावजूद इसके, उमस भरी गर्मी में घंटों बिजली गुल रहना लोगों के लिए भारी परेशानी का सबब बना रहा। प्रदीप कुमार, अधिशासी अभियंता, यूपीसीएल शहरी ने बताया कि उपभोक्ताओं को पूर्व में कटौती की सूचना दी गई थी। बताया कि कार्य पूरा होते ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।

अघोषित कटौती से कारोबार चौपट

हल्द्वानी: मटरगली क्षेत्र में शुक्रवार को आठ घंटे से अधिक की बिजली कटौती से व्यापार पूरी तरह ठप रहा। मटरगली में सुबह दस से शाम सवा छह बजे तक बिजली कटौती रही। मटर गली व्यापारी एसोसिएशन ने इस पर कड़ा विरोध जताया है।

अध्यक्ष दलजीत सिंह दल्ली व महामंत्री अतुल गुप्ता ने आरोप लगाया कि यूपीसीएल रोस्टिंग के नाम पर व्यापारियों का काम प्रभावित कर रहा है। कहा कि यदि विभाग को मेंटेनेंस कार्य करना है तो 2-2 घंटे के ब्रेक में बिजली दी जाए। यहां प्रेम चौधरी, जाकिर हुसैन, मनीष वर्मा, लक्ष्मी नारायण, वकार अहमद, मोइन बाबा, आन सिंह पडियार, संदीप सक्सेना, जसपाल सिंह, त्रिलोक गुप्ता, विनोद अग्रवाल, मुकुंद गुप्ता, परविंदर सिंह नागपाल ने विरोध जताया है।

नई पहल डीएम वंदना ने एडीएम, नगर आयुक्त और एसपी सिटी को सौंपी जिम्मेदारी, एकाकी वृद्ध भी चिन्हित होंगे

बुजुर्गों की समस्याओं का होगा समाधान, प्रशासन देगा साथ

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

शुक्रवार को बुजुर्गों के साथ बैठक करतीं जिलाधिकारी वंदना सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार : डीएम वंदना ने शुक्रवार को कैंप कार्यालय में वरिष्ठ नागरिकों के साथ बैठक की। इसमें तय हुआ कि बुजुर्गों की समस्याओं के समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी होंगे व कैंप लगाए जाएंगे।

बैठक में बुजुर्गों ने डीएम के सामने गोल्डन कार्ड, आयुष्मान कार्ड एवं वयबंधन कार्ड पर निशुल्क चिकित्सा उपचार प्रभावी ढंग से लागू करने, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में एकल रहने वाले वृद्धजनों की सूची और फोन नंबर निकटवर्ती पुलिस थाना और चौकियों में उपलब्ध कराने, बीट पुलिसिंग और समाज कल्याण के माध्यम से बुजुर्गों से संपर्क कर उनकी मॉनिटरिंग किए जाने की भी चर्चा की। उन्होंने गरीब, असहाय, विधवा एवं अपंग वरिष्ठ नागरिकों के लिए समय-समय पर विशेष कैंप लगाने का भी अनुरोध किया। आवारा गोवंश, कुत्ते, बंदरों के आतंक से निजात दिलाने, मॉर्निंग वॉक और साइकिल ट्रैक, बैठने के लिए बेंचों की व्यवस्था, मनोरंजन क्लब एवं पार्कों में निर्माण के लिए स्मृति वाटिका के लिए पार्क बनाने की मांग की। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से घोषित अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 1 अक्टूबर को वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित करने की मांग की। डीएम ने आगामी 1 अक्टूबर को जिला प्रशासन, वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति और समाज कल्याण विभाग की ओर से वृद्धजन दिवस मनाया जाएगा। डीएम ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए जिले में शहरी एवं ग्रामीण स्तर पर एक सूची तैयार की जाएगी। पुलिस-प्रशासन विभिन्न माध्यमों से नियमित रूप से इनसे संपर्क करेगा। इसी के साथ ही बुजुर्गों की समस्याओं के समाधान के लिए जनपद स्तर पर एडीएम प्रशासन को नोडल, नगरीय क्षेत्र के लिए नगर आयुक्त को सह नोडल, एसपी सिटी को नोडल अधिकारी बनाया। अफसर समस्याओं के समाधान को विभिन्न विभागों एवं बुजुर्गों के साथ समन्वय बनाएंगे। अकेले रहने वाले बुजुर्गों के नंबर उपलब्ध कराएंगे। यहां वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद उपाध्यक्ष नवीन वर्मा एवं शांति मेहरा, एडीएम विवेक राय, नगर आयुक्त ऋचा सिंह, सीएमओ डॉ. हरीश पंत मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

पर्यावरण मित्रों को सम्मानित करने की मांग

भीमताल : भीमताल में आयोजित हुए हरेले मेले के सफल आयोजन और मेला क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के लिए नगर पालिका में तैनात पर्यावरण मित्रों को सम्मानित करने की मांग उठने लगी है।

बंटी आर्य।

वार्ड संख्या-6 के सभासद बंटी आर्य ने अधिशासी अधिकारी उदयवीर सिंह से मुलाकात कर एक सम्मान कार्यक्रम आयोजित कर सभी पर्यावरण मित्रों को सम्मानित करने की मांग की। अवगत कराया कि इस बात अन्य मेले की अपेक्षा मेले परिसर में स्वच्छता काफी अधिक रही जिसके लिए पर्यावरण मित्रों को सम्मानित किया जाना आवश्यक है। जिस पर अधिशासी अधिकारी ने सहमति जताई है।

धनगढ़ी में केक काटकर मनाया कार्बेट का जन्म दिन

रामनगर : सर्पदुली रेज धनगढी वन परिसर में वन क्षेत्राधिकारी उमेश आर्या के नेतृत्व में राजकीय इंटर कालेज ढिकुली के छात्र एवं छात्राओं के साथ जेम्स एडवर्ड जिम कार्बेट का 150वां जन्मदिन पर मार्ल्यापण कर व केक काटकर किया गया। छात्रा ममता भारती, इच्छा आर्या एवं ज्योति आर्या ने जिम कार्बेट के बारे में विस्तार से बताया। वन क्षेत्राधिकारी सर्पदुली ने जिम कार्बेट की छः पुस्तको के बारे में जानकारियां दीं। यहां शिक्षक दिनेश चन्द्र रावत, रमेश चन्द्र बिष्ट, जितेन्द्र सिह, हीरा सिह, धर्मपाल सिंह नेगी, मुकेश सिंह, पंकज रावत, चन्दन सिह बिष्ट व जगदीश चन्द्र आर्या आदि रहे।

जयंती पर किया याद

नैनीताल : प्रसिद्ध लेखक, शिकारी और वन्यजीव संरक्षण के अग्रदूत एडवर्ड जेम्स कॉर्बेट की 150वीं जयंती के अवसर पर कुमाऊं विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग, छात्र क्लब संक्रांति और नैनीताल एक्वेटिक एंड एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष स्मृति आयोजन किया गया।

दो विधानसभा क्षेत्रों में फंसी कुरैया हॉट सीट

18 गांव जिला पंचायत इलाके में, पूर्वांचल व पंजाबी मतदाताओं के साथ भौगोलिक और जातीय समीकरण अहम

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिला पंचायत सदस्य पद के लिए कुरैया सीट, हॉट सीट बन गई है। भौगोलिक और जातीय समीकरणों के साथ ग्रामीण और शहरी परिवेश में फंसी इस सीट को लेकर भाजपा और कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों की प्रतिष्ठा दांव पर है तो रुद्रपुर और किच्छा विधायक ने भी इस सीट को अपनी झोली में डालने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है।

वार्ड संख्या-14 कुरैया सीट पर भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी कोमल चौधरी और कांग्रेस से अधिकृत प्रत्याशी सुनीता सिंह के बीच सीधी टक्कर है। कुरैया सीट की भौगोलिक परिस्थितियों की बात करें तो यहां पूर्वांचल, पंजाबी, मुस्लिम, पर्वतीय एवं अन्य जातियों के मतदाता हैं लेकिन पूर्वांचल और पंजाबी समाज निर्णायक माने जाते हैं। कुल 18 गांव इस सीट के दायरे में आते हैं। जिला पंचायत के लिए करीब 28 हजार मतदाता अपना प्रतिनिधि चुनते हैं। इन दोनों प्रमुख प्रत्याशियों के लिए भौगोलिक परिस्थितियां अहम मानी जाती रही हैं और यही परिस्थितियां किसी प्रत्याशी की जीत या हार तय कर सकती हैं। वहीं, इस सीट पर मुस्लिम मतदाताओं की भी निर्णायक भूमिका है। इसी समीकरण के लिए कुरैय्या सीट पर मुस्लिम महिला प्रत्याशी भी चुनावी मैदान में हैं।

दोनों विधायकों की प्रतिष्ठा दांव पर

रुद्रपुर : कुरैया सीट की भौगोलिक स्थिति भी अजीब है क्योंकि जिला पंचायत का यह इलाका 18 गांवों को समेटे है। इनमें भी कुछ गांव रुद्रपुर विधानसभा तो कुछ किच्छा विधानसभा क्षेत्र में आते हैं। भाजपा अधिकृत प्रत्याशी कोमल चौधरी के लिए विधायक शिव अरोरा और उनकी पूरी टीम ने ताकत झोंक दी है। वहीं, किच्छा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक तिलकराज बेहड़ ने इस सीट को पाने के लिए जी जान लगा दी है। ऊधमसिंह नगर जिले की राजनीति में कुरैया सीट का परिणाम दोनों विधायकों की पकड़ को भी साबित करेगा। यही कारण है कि दोनों विधायकों ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है।

दूसरे चरण में 127 ग्राम पंचायतों में होगा मतदान

रुद्रपुर : ऊधमसिंह नगर जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर दूसरे चरण की तैयारी पूरी कर ली गयी है। निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए 220 मतदान केंद्र और 504 मतदेय स्थल बनाए हैं। 28 जुलाई को रुद्रपुर, जसपुर और काशीपुर विकासखंड की 127 ग्राम पंचायतों में मतदान होगा। इस दौरान कुल 2,58,447 मतदाता अपने मताधिका र का प्रयोग करेंगे। यहां बता दें कि दूसरे चरण में होने वाले चुनाव में जिला पंचायत सदस्य की 12 सीटों पर कुल 73 प्रत्याशी मैदान में हैं। रुद्रपुर, जसपुर और काशीपुर विकासखंड में 76 मतदान केंद्र और 170 मतदेय स्थल संवेदनशील, जबकि 95 मतदान केंद्र और 227 मतदेय स्थल अतिसंवेदनशील घोषित किए गए हैं। रुद्रपुर में 22 मतदान केंद्र और 57 मतदेय स्थल संवेदनशील, जबकि 50 मतदान केंद्र और 122 मतदेय स्थल अतिसंवेदनशील घोषित किए गए हैं। इसी तरह काशीपुर में 47 मतदान केंद्र और 97 मतदेय स्थल संवेदनशील, जबकि 22 मतदान केंद्र और 43 मतदेय स्थल अतिसंवेदनशील घोषित किए गए हैं। जसपुर में 7 मतदान केंद्र और 16 मतदेय स्थल संवेदनशील, जबकि 23 मतदान केंद्र और 62 मतदेय स्थल अतिसंवेदनशील घोषित किए गए हैं। ऐसे स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती की जा रही है। वहीं जिला प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

इंटरमीडिएट कॉलेज बाजपुर में बने स्ट्रांग रूम के बाहर तैनात आईआरबी, पुलिस।

कड़े पहरे के बीच स्ट्रांग रूम में रखी गईं मतपेटियां

बाजपुर : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतदान के उपरांत मतपेटियां मतगणना स्थल इंटरमीडिएट कालेज बाजपुर में बने स्ट्रांग रूम में कड़े पहरे में रखी गई हैं। आईआरबी व पुलिस के जवानों के साथ ही पीआरडी कर्मी 24 घंटे स्ट्रांग रूम की निगरानी में लगे हुए हैं। स्ट्रांग रूम के पास फायर ब्रिगेड वाहन व दमकल कर्मियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी पूरी पहरेदारी की जा रही है। विद्यालय पहुंचने वाले प्रत्येक व्यक्ति की गेट पर बैठे सुरक्षा कर्मियों द्वारा पूछताछ की जा रही है। स्ट्रांग रूम के नजदीक किसी को भी जाने की इजाजत नहीं है। यहां तक कि प्रशासनिक अधिकारियों को भी मतगणना प्रारंभ होने से पहले वहां आने-जाने से परहेज बरतने को कहा गया है। बैरिकेडिंग इत्यादि लगाकर इस कदर घेराबंदी की गई है कि स्ट्रांग रूम के पास कोई नहीं पहुंच पाएगा। केवल जिन पुलिस व आईआरबी कर्मियों की सशस्त्र ड्यूटी लगी है उन्हें ही स्ट्रांग रूम के बाहर पहरा देने की इजाजत दी गई है। साथ ही सख्त हिदायत भी दी गई है कि वह किसी भी बाहरी व्यक्ति से बात नहीं करेंगे।

कहीं यह महिलाओं की बढ़ी भागीदारी का असर तो नहीं

ओम प्रकाश मौर्य, खटीमा

- त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में महिलाओं का धमाकेदार प्रदर्शन
- महिलाओं ने 82.50 तो पुरुषों ने 70.88 प्रतिशत किया मतदान

अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में महिलाओं को मिले 50+ प्रतिशत के आरक्षण की पहली झलक दिखने लगी है। दूसरी झलक तब नजर आएगी जब गांव की सरकार के सदन में महिलाओं की संख्या पुरुषों से कहीं अधिक होगी। पंचायती चुनाव में विकासखंड की 82.50 प्रतिशत महिलाओं ने अपने मत का प्रयोग कर पुरुषों को कोसों पीछे छोड़ दिया है।

त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव में इस बार महिलाओं की 50 प्रतिशत की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। जिसके तहत विकासखंड में ग्राम प्रधान की 59 सीटों में महिलाओं को 30 और पुरुषों को 29 तथा क्षेत्र पंचायत सदस्य की 40 सीटों में महिला और पुरुषों को 20-20 सीटें आरक्षित की गई हैं। जबकि महिलाएं 50+ प्रतिशत सीटें के साथ ही कई अन्य सीटों पर भी ताल ठोंक रही हैं। महिलाओं को मिले आरक्षण की पहली झलक प्रथम चरण के मतदान में साफ नजर आ रहा है।

विकासखंड में कुल एक लाख 30 हजार 327 मतदाताओं में एक लाख 13 हजार 396 मतदाताओं ने मतदान किया जो 76.58 प्रतिशत रहा। वहीं कुल 63,963 महिलाओं में 52,771 ने मतदान किया जो 82.50 प्रतिशत है। 66,358 पुरुषों में 47,038 ने मतदान किया जो 70.88 प्रतिशत है। विकासखंड में पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं की संख्या 2395 कम है। जबकि मतदान में महिलाओं ने पुरुषों की अपेक्षा 11.62 प्रतिशत अधिक मतदान कर साबित कर दिया है कि महिलाओं ने अपने मत का प्रयोग किया है। कहीं यह पंचायती चुनाव में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी का असर तो नहीं?

अब गुणा-भाग में जुटे प्रत्याशी और समर्थक

संवाददाता, खटीमा

- गली, मोहल्लों और चाय की दुकानों पर सिर्फ चुनावी चर्चा
- जिपंस सीटों पर भाजपा कांग्रेस आमने-सामने

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मतपेटियों में बंद हो गया है। मतदान के साथ ही गली मोहल्लों, खोखे खोमचों, चाय की दुकानों पर चुनावी चर्चा और गुणा भाग का दौर शुरू हो गया है।

ग्राम प्रधान, बीडीसी, जिला पंचायत के साथ ही वार्ड मेंबर के प्रत्याशी और उनके समर्थक फिलहाल गणित लगाने और अपने प्रत्याशी की जीत का दावा कर रहे हैं। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सभी छह सीटों पर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पार्टी के बीच मुकाबला देखा जा रहा है। जबकि कुछ सीटों पर निर्दलीय न केवल दोनों पार्टियों का गणित बिगाड़ रहे हैं बल्कि जीत के दावेदार भी नजर आ रहे हैं। दोनों दलों ने जिला पंचायत के प्रत्याशियों को सिंबल नहीं दिया है लेकिन प्रत्याशी घोषित किए हैं। नगला तराई सीट मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के गृह क्षेत्र में आती है जहां उन्होंने मतदान भी किया है। इस सीट पर चार प्रत्याशियों के बीच मुकाबला भाजपा के सागर सिंह धामी सूरज और कांग्रेस के कमान सिंह अन्ना के बीच बताया जा रहा है। वहीं बिगराबाग सीट पर भाजपा से रितु जेठी और कांग्रेस की हीरा मुंडेला के बीच कड़ा मुकाबला है। मझोला सीट पर भी भाजपा के अजय मौर्य और कांग्रेस के निर्भय शंकर यादव के बीच कड़ा मुकाबला है। प्रतापपुर सीट पर पूर्व ब्लाक प्रमुख रंजीत सिंह नामधारी की पत्नी अमनदीप कौर और भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए रोशन सिंह के बीच मुकाबला रोचक है। गांगी सीट पर भाजपा हेमा मुंडेला, कांग्रेस की सोनी राणा और रीता कफलिया के बीच त्रिकोणीय मुकाबला नजर आ रहा है। जबकि पहेनियां सीट पर भाजपा संगीता राणा, कांग्रेस की सोनी राणा, द्रौपदी राणा और नीलम राणा के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला है। जिला पंचायत सीटों पर अपने प्रत्याशियों को विजयश्री दिलाने में जहां भाजपा कार्यकर्ताओं की पूरी टीम लगी है।

वहीं कांग्रेस के दोनों विधायक भुवन कापड़ी और गोपाल सिंह राणा पूरी तरह सक्रिय रहे। अब देखना है कि मतदाता किसके सिर ताज सजाते हैं इसका फैसला 31 को होने वाली मतगणना के बाद होगा।

परियोजनाओं की निरंतर निगरानी के साथ गति बढ़ाएं : मुख्य सचिव

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मुख्य सचिव ने सचिवालय में समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

अमृत विचार: मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में नाबार्ड के अंतर्गत ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि से पोषित योजनाओं के सम्बन्ध में उच्च अधिकार प्राप्त समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि विभागों को यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट शीघ्र उपलब्ध कराएं। विभाग फंड्स का आहरण करवा लें, ताकि प्रदेश को कुल फंड्स का आवंटन बढ़ाया जा सके।

मुख्य सचिव ने नाबार्ड के अधिकारियों एवं विभागों को आने वाले वर्षों में नाबार्ड का बजट 1200 करोड़ रुपये तक पहुंचाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। कहा कि हम सभी को सोर्स ऑफ फंड तलाशने की आवश्यकता है। नाबार्ड और सम्बन्धित विभाग प्रदेश में चेन लिंक फेंसिंग के लिए फंड्स की सम्भावनाएं तलाशें। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि अगस्त माह के अंत तक सभी विभाग अपने-अपने प्रस्ताव उपलब्ध करा दें। उन्होंने धीमे चल रहे प्रोजेक्ट्स पर विभागों को लगातार मॉनिटरिंग कर प्रोजेक्ट की गति बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। विभिन्न प्रोजेक्ट्स के डिस्बर्समेंट और रिम्बर्समेंट शीघ्र कराए जाने की बात भी कही। उन्होंने नाबार्ड को उनके पोर्टल की खामियों को भी शीघ्र दूर किए जाने के निर्देश दिए, ताकि विभाग पोर्टल पर अपडेट कर सकें। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा, सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, सी. रविशंकर, अपर सचिव हिमांशु खुराना, मनमोहन मैनाली सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालयः नं. 167-169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई-600015, ईमेलः auction@hindujahousingfinance.com
असवानी कॉम्प्लेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हल्द्वानी-263132

आरएलएम-ब्रजेश अवस्थी-9918301885, आरआरएम- हरिश चंद यादव, 7060411785, सीएलएम- श्री रवि दीक्षित 9794347032, सीआरएम- अनिल कुमार, 9927028507

सांकेतिक कब्जा सूचना

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रति भूति हित अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 (2002 का नं. 3) के नियम के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो के अंतर्गत निम्नलिखित कर्जदारों (तदोपरान्त कर्जदार एवं गारंटरों को संयुक्त रूप से "कर्जदार" कहा गया है) को निम्नांकित दिनांको को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि प्रत्येक खाते के आगे वर्णित है उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतदद्वारा कर्जदार और गारंटर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियमो के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत सम्पत्ति का कब्जा नीचे प्रत्येक खाते के सामने अंकित के अनुसार लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर तथा जनसाधारण को एतदद्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, के प्रभार वास्ते निम्नलिखित राशि और उपरोक्तानुसार राशि पर संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज, आकस्मिक खर्चे, लागत, प्रभार इत्यादि सहित के अधीन होगा। उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार/गारन्टर के नाम एवं पता	मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तिथि	बकाया राशि	अचल सम्पतियों का विवरण
1	UP/ALI/MDBD/A000000001 श्री रमेश कुमार मकान सं. 24 दिल्ली रोड के पास देइत मंझरा पताई खालसा अमरोहा, अमरोहा, देइत, ग्रामीण,अमरोहा, उत्तर प्रदेश, भारत – 244101 एवं श्रीमती सवित्री देवी मंझरा पताई खालसाअमरोहा उत्तर प्रदेश,अमरोहा, देइत,ग्रामीण,अमरोहा, उत्तर प्रदेश, भारत – 244102	27-12-2024 / 23-07-2025 सांकेतिक	₹ 1022677 दिनांक 25-12-2024 तक + ब्याज इत्यादि	गाटा सं. 367 पॉश तामीर देइत मंझरा पताई खालसा अमरोहा, अमरोहा, डायट, ग्रामीण, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, अमरोहा, डायट, ग्रामीण, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, भारत – 244102 सीमाएं: उत्तर –12 फीट चौड़ी सड़क, दक्षिण–मुख्यालय मुरारी, पूर्व–18 फीट रोड, पश्चिम – मुख्यालय रामलाल और दीपक
2	UP/ALI/MDBD/A000000030 श्री शमीम शमीन हरथला रेलवे स्टेशन, विद्या नगर, मेट्रो, मोरादाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 244001 और श्रीमती भूरी भूरी, हरथला रेलवे स्टेशन, विद्या नगर, मेट्रो, मोरादाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 244001	27-12-2024 / 23-07-2025 सांकेतिक	₹ 626523 दिनांक 25-12-2024 तक + ब्याज इत्यादि	वार्ड नंबर 16, विद्या नगर, मकान नया गांव, हरथला, वीनस इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, मोरादाबाद, उत्तर प्रदेश – 244001, मोरादाबाद, मेट्रो, मोरादाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 244001 में स्थित सीमाएं: उत्तर–साबिर हाउस दक्षिण – आदिल हाउस पूर्व – अशरफ हाउस पश्चिम – 8 फीट चौड़ी गली
3	UP/HDW/HDWN/A000000554 श्री मोहम्मद रिजवान, मोहल्ला टांडा मदार चौक, बहेरी, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत – 243201 और श्रीमती तबस्सुम तबस्सुम मनिहार गोठ टनकपुर, चंपावत, सेमीअर्बन, चंपावत, उत्तराखंड, भारत – 262309	27-12-2024 / 22-07-2025 सांकेतिक	₹ 2066444 दिनांक 25-12-2024 तक + ब्याज इत्यादि	खाता सं. 60, खसरा सं. 204 मिन, ग्राम भिटौरा, किच्छा रोड, सितारगंज, सेमीअर्बन, सितारगंज, उत्तराखंड, भारत – 262311 परिसीमितः उत्तर–सरताज का घर दक्षिण–रंजीत सिंह का घर पूर्व–अन्य संपत्ति पश्चिम–18 फीट रोड
4	UP/HDW/KSHP/A000000301 श्री कलीम अहमद और श्री अबरार हुसैन, दोनोंः मुंडिया रसूलपुर, टांडा, सेमीअर्बन, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244925	24-02-2025 / 21-07-2025 सांकेतिक	₹ 1932696 दिनांक 18-02-2025 तक + ब्याज इत्यादि	412, ग्राम मुंडिया, रसूलपुर, रामपुर जिला, एमजीआई पब्लिक स्कूल, टांडा, उत्तर प्रदेश – 244925 परिसीमाः उत्तर–एमजीआई पब्लिक स्कूल दक्षिण–निशा का घर पूर्व–अन्य संपत्ति पश्चिम–12 फीट रोड
5	UP/UDA/JSHP/A000000043 &CO/CPC/CPOF/A000004346 श्री मोहम्मद आजम राजपुर केसरिया डिलारी, राजपुर केसरिया डिलारी, राजपुर केसरिया डिलारी, ग्रामीण, मोरादाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 244001 एवं श्रीमती जुबेदा खातून मुंडिया मोहिउद्दीनपुर, डिलारी, सेमीअर्बन, मोरादाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 244602	24-02-2025 / 21-07-2025 सांकेतिक	₹ 2252339 दिनांक 18-02-2025 तक + ब्याज इत्यादि	राजपुर केसरिया डिलारी, राजपुर केसरिया डिलारी, राजपुर केसरिया डिलारी, ग्रामीण, मोरादाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 244001, सीमाएंः उत्तर–25 फीट सड़क, दक्षिण–जमील अहमद का मकान, पूर्व–खलील मंसूरी का मकान, पश्चिम–डॉ. अंजार की संपत्ति
6	UP/UDA/JSHP/A000000062 श्री धर्म वीर, धनौरी पट्टी प्रतापपुर, काशीपुर, ग्रामीण, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713	27-12-2024 / 23-07-2025 सांकेतिक	₹ 1974110 दिनांक 25-12-2024 तक + ब्याज इत्यादि	खसरा सं. 42/2 मिन, एनए, ग्राम धनौरी पट्टी, राम नगर रोड, यू.एस. नगर, हनुमान मंदिर, काशीपुर, उत्तराखंड, 244713, सीमाएंः उत्तर–पप्पू का प्लॉट, दक्षिण–खाली प्लॉट, पूर्व–10 फीट रोड, पश्चिम–16 फीट रोड
7	UP/UDA/JSHP/A000000137 श्री मूलचंद मूलचंद और श्रीमती पूजा पूजा, दोनोंः श्यामनगर, श्यामनगर, काशीपुर, काशीपुर, ग्रामीण, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713	12-03-2025 / 21-07-2025 सांकेतिक	₹ 340721 दिनांक 12-03-2025 तक + ब्याज इत्यादि	खसरा सं. 82 मिन, गाँव बाबर खेड़ा, श्याम नगर, हल्दुआ रोड, यू.एस. नगर, शिव मंदिर, काशीपुर, उत्तराखंड – 244713, सीमाएं5 उत्तर–संजीव का प्लॉट, दक्षिण–उमेश का प्लॉट, ई–12 फीट रोड, पश्चिम–20 फीट रोड
8	UP/UDA/RUDR/A000000167 सुश्री निशा निशा और श्री हीरा लाल, दोनोंः पैपुरा पोस्ट रामपुरा बीसलपुर, बीसलपुर, बीसलपुर, ग्रामीण, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244921	12-03-2025 / 21-07-2025 सांकेतिक	₹ 1131497 दिनांक 12-03-2025 तक + ब्याज इत्यादि	भूखंड सं. 148 का पूर्वी भाग, गाटा सं. 92 मिन, लागू नहीं, एलायंस साउथ एवेन्यू, गाँव भरतपुर, तहसील बिलासपुर, कॉलोनी और एआरके होटल का गोल चक्कर, रामपुर, उत्तर प्रदेश– 244921, सीमाएंः उत्तर–भूखंड सं. 147, दक्षिण–रोड 40 फीट ई–भूखंड सं. 149, पश्चिम–उसी भूखंड सं. 148 का प्रांगण
9	UP/HDW/HDWN/A000000539 श्री हेमन्त कुमार पुथल और श्रीमती रीतू पुथल, दोनों यहांरू वार्ड सं. 5 वालावंत कॉलोनी, आवास विकास, अर्धनगरीय, किच्छा, उत्तराखंड, भारत – 263148	22-04-2025 / 23-07-2025 सांकेतिक	₹ 2203578 दिनांक 08-04-2025 तक + ब्याज इत्यादि	खसरा सं. 111 मिन, भमरौला, रुद्रपुर, सेमीअर्बन, रुद्रपुर, उत्तराखंड, भारत – 263153, सीमाएंः उत्तर–सड़क दक्षिण–अन्य का प्लॉट पूर्व–गोपाल चंद का मकान पश्चिम–विक्रेता का प्लॉट
10	UP/HDW/KSHP/A000000238 श्री सुखदेव दलाल और श्रीमती कोमल कोमल, दोनोंः मेवला धारू मेवला कलां, टांडा, सेमीअर्बन, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244925	12-03-2025 / 21-07-2025 सांकेतिक	₹ 2412547 दिनांक 12-03-2025 तक + ब्याज इत्यादि	गाटा सं. 82, ग्राम मेवला धारू, मेवला कलां, रामपुर, ग्राम पंचायत कार्यालय, टांडा, उत्तर प्रदेश–244925, सीमाएंः उत्तर–अन्य संपत्ति, दक्षिण–25 फीट रोड पूर्व–चंद्रपाल सिंह की संपत्ति, पश्चिम–भगत सिंह की संपत्ति

दिनांक : 25-07-2025, स्थान : हल्द्वानी

प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

जिले में आज मनाया जाएगा शौर्य दिवस

संवाददाता, रुद्रपुर

- कारगिल युद्ध के शहीदों के आश्रितों और घायलों को किया जाएगा सम्मानित
- शहीद स्मारक पुलिस लाइन में आयोजित होगा कार्यक्रम

अमृत विचार: ऊधमसिंह नगर जनपद में शौर्य दिवस (कारगिल विजय दिवस) शनिवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान कारगिल युद्ध में शहीद हुए मृतक सैनिकों के आश्रितों और कारगिल युद्ध में घायल हुए लोगों को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान देश भक्ति से संबंधित कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल (सेवानिवृत्त) सीपी कोठारी ने बताया कि 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में ऊधमसिंह नगर के हवलदार पदम राम और राइफल मैन अमित नेगी शहीद हो गये थे, जबकि नायक मान सिंह मेहता घायल हो गये थे। इस शौर्य दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को ऊधमसिंह नगर में शहीद स्मारक पुलिस लाइन रुद्रपुर में कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों और घायलों को सम्मानित किया जाएगा।

इसके अलावा शहीदों के चित्र पर राजकीय सम्मान के पुष्प चक्र अर्पित करने के साथ ही गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विधायक शिव अरोरा, महापौर विकास शर्मा, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी मणिकांत मिश्रा समेत कई गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया गया है।

भारतीय सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान का प्रतीक है शौर्य दिवस

रुद्रपुर : सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास अधिकारी कर्नल (सेवानिवृत्त) सीपी कोठारी ने बताया कि 26 जुलाई का दिन इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए जाना जाता है। यह भारत के लिए विशेष महत्व रखता है। कारण 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में भारत ने पाकिस्तान पर विजय प्राप्त की थी। इस दिन को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह भारतीय सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान का प्रतीक है। इस अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए विशेष कार्यक्रम होते हैं।

सहयोग के नाम पर बाहर के लोग रखने पर होगी कार्रवाई

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि विभागों में लोक प्रशासन की पारदर्शी, उत्तरदायी और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था बनाये जाने के उद्देश्य से अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा बिना विभाग की अनुमति के अपने राजकीय कार्यों में सहयोग के नाम पर अपरोक्ष रूप से बाहरी व्यक्तियों (प्राइवेट व्यक्तियों) को अपने साथ में रखा जा रहा है। इससे शासन-प्रशासन की स्वच्छ एवं पारदर्शी छवि तो धूमिल होती है, साथ ही भ्रष्टाचार निवारण के संबंध में कर्मचारियों एवं आम जनता के मध्य नकारात्मक संदेश भी जाता है।

शुक्रवार को जिलाधिकारी ने इस संबंध में कहा कि यदि ऐसा कोई प्रकरण प्रकाश में आता है तो ऐसे अधिकारी व कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने शासन की ओर से राजस्व विभाग के सभी कार्यालयों में लोक प्रशासन की पारदर्शी एवं उत्तरदायी व भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था बनाये जाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के तहत अपने एवं अपने अधीनस्थ कार्यालयों को शासन के निर्देशों का अनुपालन कराने के लिए लोक प्रशासन की पारदर्शी एवं उत्तरदायी भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था बनाये जाने के निर्देश दिए।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

PH. 05946-292618

सूचना

मैं अपने पुत्र सचिन हालदार एवं पुत्रवधू श्यामली हालदार के गलत चाल-चलन एवं आचरण के कारण, उन्हें अपनी सभी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं। आज के बाद मेरे पुत्र एवं पुत्रवधु से मेरा कोई वास्ता नहीं है। भविष्य में इनके द्वारा किए जाने वाले किसी भी कृत्य के लिए मैं एवं मेरा परिवार के सदस्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं है। **रंजीत हालदार पुत्र राधाकांत हालदार, निवासी ग्राम गोविंदनगर, शक्तिफार्म (उधम सिंह नगर)।**

सूचना

मेरी सीबीएससी बोर्ड हाईस्कूल रोल नं. 25155880 एवं इंटर मीडिएट रोल नं. 25653388 की मार्कशीट में पिता का नाम भूलवश DHARAMPAL SINGH अंकित हो गया है। जबकि पिता का वास्तविक नाम DHARMPAL SINGH है। मेरे आधार कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र में सही नाम DHARMPAL SINGH अंकित है। भविष्य में उन्हें DHARMPAL SINGH के नाम से जाना व पहचाना जाए। **लवप्रीत सिंह विधों पुत्र श्री धर्मपाल सिंह, ग्राम धौराडाम, नजीमाबाद, पोस्ट सूर्यनगर, तहसील किच्छा (ऊधम सिंह नगर)।**

कार्यक्रम | जीबी पंत विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में हुई कार्यशाला

मासिक धर्म स्वच्छता की जानकारी दी

कार्यशाला में मौजूद छात्राएं, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सीमा मधवार। ● अमृत विचार

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: जीबी पंत विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में हेडिंग टॉर्च ऑफ प्लेनेट अर्थ टू स्कूल एंड यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स ऑफ उत्तराखंड नामक आईसीएसएसआर परियोजना के तहत सात-दिवसीय मासिक धर्म स्वच्छता एवं स्वास्थ्य विषयक कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम अधिष्ठात्री डॉ.अल्का गोयल और एवं सह-प्राध्यापक डॉ. छाया शुक्ला के निर्देशन में आयोजित हुआ।

कार्यशाला में वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सीमा मधवार ने बालिकाओं को मासिक धर्म चक्र, हार्मोनल परिवर्तन, पोषण, यूटीआई संक्रमण, सफेद पानी, पीसीओडी जैसी समस्याओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि माहवारी का नियमित चक्र एक स्वस्थ शरीर का संकेत है और यदि इसमें कोई गड़बड़ी या अधिक दर्द होता है तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने माहवारी के दौरान गर्म सेंक, व्यायाम, पौष्टिक आहार, योग, लैवेंडर तेल से मालिश करने की सलाह दी। कार्यक्रम में आयुर्वेदाचार्य डॉ. दीपा तोमर ने आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से मासिक धर्म संतुलन के उपाय बताए। परियोजना संयोजिका डॉ.छाया शुक्ला ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि बालिकाओं को अपने शरीर के प्राकृतिक चक्र को सम्मान पूर्वक स्वीकार करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देना भी है। इस दौरान छात्राओं ने कई सवाल भी पूछे। कार्यशाला का संचालन पीडीएफ डॉ.पूनम ने किया।

दो लाख रुपये एवं आल्टो कार के लालच में रिश्ता तोड़ा

बाजपुर: दो लाख रुपये एवं आल्टो कार के लालच में रिश्ता तोड़ने का आरोप लगा पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।पुलिस चौकी सुल्तानपुर पट्टी के अंतर्गत एक गांव निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2024 में उसका रिश्ता मोहल्ले के ही युवक से तय हुआ था। रिश्ते वाले दिन लड़के पक्ष के मेहमानों को खाना तथा कपड़े आदि में एक लाख 20 हजार रुपये खर्च हो गए। दो बार ईद पर काफी धनराशि खर्च हुई और दोनों तरफ से आना-जाना भी लगातार बना रहा। आरोप है कि घर आते-जाते समय उसके होने वाले पति ने कई बार छेड़छाड़ की थी। इतना ही नहीं उसे जबरन गले लगाया था। वह यह सोचकर सबकुछ अनदेखा करती रही कि इसी से शादी होने वाली है। पीड़िता के पिता ने कुल 5 लाख रुपये खर्च कर दिए। आरोप है कि 26 जून को उसकी होने वाली सास घर पर आई और शादी करने से मना करने लगी। कारण पूछने पर वह आग-बबूला हो गई तथा दूसरी जगह से आल्टो कार, सारा सामान व 2 लाख रुपये की नकदी मिलने की बात कह वहीं से शादी करने की बात कही।

ब्रीफ न्यूज

स्कूटी सवार किशोर को चोर समझकर की मारपीट

बाजपुर : ग्राम रेंहटा में गुरुवार की देर रात स्कूटी सवार किशो को चोर समझकर कुछ युवकों ने घेर लिया और उसके साथ मारपीट कर दी। घटना में घायल हुए युवक को पुलिस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूद कालोनी निवासी 17 वर्षीय किशोर स्कूटी पर बाजपुर से रेंहटा की ओर जा रहा था। बताया गया है कि गुरुवार की देर रात करीब 9 बजे ग्राम रेंहटा में चोरों के डर से रात्रि में पहरा दे रहे युवकों ने उसे रोक लिया और उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध किया तो युवकों ने किशोर के ऊपर हमला कर दिया जिसमें वह घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी युवक वहां से छोड़कर चले गए। घायल को पुलिस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। वहीं खबर लिखे जाने तक किसी की भी तरफ से लिखित तहरीर नहीं दी गई थी।

लंबे समय से तेंदुए की मौजूदगी से दहशत

बाजपुर : ग्राम ढोढूपुरा में पिछले लंबे समय से तेंदुए की मौजूदगी लगातार बनी हुई है जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। गुरुवार की रात भी गांव में तेंदुआ आबादी क्षेत्र में शिकार की तलाश में इधर-उधर घूमता हुआ सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। इसकी जानकारी से ग्रामीणों में भय बना हुआ है। उनका कहना है कि पिछले लंबे समय से इस क्षेत्र में तेंदुआ दिखाई दे रहे हैं, जिसके चलते लोगों ने देर-सबेर घरों से निकलना बंद कर दिया है। उन्होंने वन विभाग से तेंदुआ पकड़ने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है।

मंडी सचिव प्रभारी को किया निलंबित

काशीपुर : प्रबंध निदेशक, उत्तराखंड कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड हेमंत कुमार वर्मा ने विजिलेंस टीम द्वारा रिश्वत लेते पकड़े गये मंडी समिति के प्रभारी सचिव पूरन सिंह सैनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बीती 22 जुलाई को उत्तराखंड सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर नैनीताल की टीम ने मंडी प्रभारी सचिव को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। प्रबंध निदेशक ने 48 घंटे से अधिक अवधि के लिये जेल में होने के कारण प्रभारी सचिव को निलंबित करने के आदेश दिये।

ट्रांसफार्मर और बिजली की लाइन बिछाने की मांग

काशीपुर : वार्ड नंबर तीन में ट्रांसफार्मर और विद्युत लाइन बिछाने की मांग की गई। वार्ड नंबर तीन के पार्षद अनिल कुमार ने ऊर्जा निगम के ईई को ज्ञापन सौंपकर कहा कि जसपुर खुर्द ग्रामीण क्षेत्र में आए दिन लाइट जाने व फाल्ट होने की समस्या आती रहती है।

तेज रफ्तार कार चालक ने युवक को रौंदा, मौत

बन्नाखेड़ा में संदिग्ध ड्रोन व चोरों से रखवाली कर रहा था युवक, मौत के बाद परिजनों में मचा कोहराम

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: मध्य रात्रि में ग्राम बन्नाखेड़ा में संदिग्ध ड्रोन व चोरों से रखवाली कर रहे युवक को तेज रफ्तार कार चालक ने रौंद दिया जिसमें उसकी मृत्यु हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया।

गुरुवार-शुक्रवार की मध्य रात्रि करीब डेढ़ बजे बन्नाखेड़ा निवासी 25 वर्षीय सोरन कश्यप गांव के ही कुछ लोगों के साथ हाथों में लाठी-डंडे लिए रातभर जागकर सड़कों पर संदिग्ध ड्रोन एवं चोरों से गांव की रखवाली कर रहा था। बताया जाता है कि इसी बीच बन्नाखेड़ा से बाजपुर की ओर जा रहे तेज रफ्तार कार चालक ने शराब की दुकान के पास सोरन कश्यप को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह उछलकर काफी दूर सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा लगा। हादसे में उसकी मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं सोरन सिंह के साथ सड़क पर खड़े अन्य लोग भी हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गए। घटना नजदीक ही एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शुक्रवार की सुबह शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद कर चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। मृतक पांच बहन भाइयों में सबसे छोटा था और मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार की आर्थिक मदद करता था। ग्रामीणों के अनुसार गांव के लोग संदिग्ध ड्रोन चोर की रखवाली के लिए हाथों में लाठी-डंडे लेकर सड़कों उतर आए थे और वहां से गुजर रहे आने-जाने वाले लोगों के वाहनों को शक होने पर रोक कर पूछताछ कर रहे थे।

बाजपुर के ग्राम बन्नाखेड़ा में शव के पास रोते बिलखते स्वजन व मौके पर मौजूद ग्रामीण। ● अमृत विचार

आक्रोशित लोगों ने मौके पर किया हंगामा

बाजपुर : घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में परिजन एवं ग्रामीण एकत्र हो गए और आक्रोशित लोगों ने मौके पर ही हंगामा करना शुरू कर दिया। इसी बीच पुलिस पहुंची तो लोग और आक्रोशित हो उठे, जिसके चलते आसपास के थाना-चौकियों की फोर्स को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने किसी तरह लोगों को समझाकर शांत किया। यह लोग आरोपी कार चालक पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। पुलिस ने किसी तरह मृतक के परिजनों व अन्य ग्रामीणों को समझाया, जिसके बाद शव कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शुक्रवार की सुबह पोस्टमार्टम को भिजवा दिया। वहीं शांति व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए बन्नाखेड़ा में पुलिस की तैनाती की गई है।

सड़क हादसों में बाइक सवार तीन लोग घायल

बाजपुर : अलग-अलग सड़क हादसों में बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया है। शुक्रवार को बादली टांडा रामपुर (उप्र) निवासी 37 वर्षीय हरकेश सिंह अपने भांजे 32 वर्षीय बालकिशन के साथ ग्राम बन्नाखेड़ा से बाइक पर बाजपुर की ओर आ रहा था। बताया जाता है कि इसी बीच बन्नाखेड़ा-केशोवाला रोड पर एक फैक्ट्री के पास बाइक फिसल कर गिर गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें राहगीरों की मदद से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया है। इसके अलावा केलाखेड़ा सरकड़ी मोड़ के पास हुए सड़क हादसे में मिलक स्वार रामपुर (उप्र) निवासी 15 वर्षीय अंश पुत्र विजय सिंह घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सिंचाई नहर के फाटक का अवरोधक टूटा

खटीमा के नदन्ना में सिंचाई नहर टूटने से खेतों में भरा पानी। ● अमृत विचार

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: लालकोठी-गोसीकुआं गांव में नदन्ना सिंचाई नहर में पानी का बहाव अधिक होने के कारण पुलिया का अवरोधक टूट गया। जिससे नहर का पानी धान के खेतों में भर गया। ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को फोन पर घटना से अवगत कराया लेकिन पुलिया के टूटे अवरोध को बनाया नहीं जा सका।

शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद के रंदीप पोखरिया, भाजपा कार्यकर्ताओं व अन्य लोगों ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने सिंचाई जेई और उत्तर प्रदेश सिंचाई के अधिकारियों से फोन पर वार्ता की। इसके बाद सिंचाई विभाग के दो कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया। पुलिया के अवरोध को बंद करने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली से मिट्टी लाई गई। रंदीप ने बताया कि नदन्ना सिंचाई नहर की लंबे समय से सफाई नहीं हुई है, नहर में सिल्ट आने से पानी आगे नहीं बह पाया और पुलिया के पास दबाव अधिक पड़ने पर पानी अवरोध को तोड़ दिया। क्षेत्र के किसानों ने बताया कि सिंचाई नहर के पानी से उनकी धान की कई एकड़ फसल बर्बाद हो गई। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी पुलिया का अवरोध टूट चुका है। उन्होंने नुकसान के मुआवजे की मांग की। विधायक भुवन कापड़ी ने भी मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। इस दौरान प्रेम सिंह मेहता संकी, राम सिंह जेठी, देवेंद्र चंद आदि मौजूद रहे।

शहीद श्रीदेव सुमन को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: राजकीय बालिका इंटर कॉलेज चोरगालिया में स्वतंत्रता सेनानी श्रीदेव सुमन की शहादत दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं खुशबू सिंगवाल, मोनिका संभल और काव्या ने कविताओं और भाषणों के माध्यम से श्रीदेव सुमन को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका ममता सुयाल ने किया। उन्होंने श्रीदेव सुमन के जीवन संघर्ष, बलिदान और आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उनके विचारों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। प्रधानाचार्या तनुजा जोशी ने कहा कि अल्प आयु में देश की स्वतंत्रता के लिए सर्वस्व समर्पण करने वाले श्रीदेव सुमन का भारतीय इतिहास में विशेष स्थान है। उनका त्याग और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। इस मौके पर वन क्षेत्र चोरगालिया के उपवन क्षेत्राधिकारी पनी राम ने पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से अपील की कि एक पेड़ अपनी माता के नाम से अवश्य लगाएं। इस दौरान विद्यालय परिसर में वन विभाग के सहयोग से नीम, आंवला, सहजन, आम, तेजपत्ता, बेल, अमलतास आदि प्रजातियों के पौधे लगाए गए।

इस मौके पर शोभा पंत, अमिता जोशी, भगवती आगरिया, अनिल भंडारी, तरुणा, मुन्नी, ओमप्रकाश, सुरेश, ज्योति जोशी, हरेंद्र पाल, बीना राठौर, गुंजन सहित समस्त कार्मिक और अभिभावक उपस्थित रहे।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज चोरगलिया में पौधरोपण करते वन विभाग के कर्मचारी।

ट्रेन से कटकर महिला समेत तीन लोगों की मौत

- अलग-अलग हुईं घटनाएं, घरों में काम करने वाली महिला की मौत
- पत्नी से मिलने जा रहे पति ने ट्रेन की चपेट में आकर दम तोड़ा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: अलग-अलग मामलों में ट्रेन से कटकर महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

केस 1 ग्राम बांसखेड़ा खुर्द निवासी गीता देवी (32) पत्नी राजीव एक अपार्टमेंट में स्थित घरों में कामकाज करके परिवार का भरण पोषण करती थी। जबकि उसका पति दिहाड़ी पर राज-मिस्त्री के साथ मजदूरी का काम करता है। शुक्रवार की सुबह लगभग 11 बजे गीता देवी गांव के पास स्थित अपार्टमेंट में घरेलू कामकाज करने जा रही थी। इस दौरान गांव के पास वह सुबह लगभग 11 बजे रामनगर से दिल्ली जाने वाली ट्रेन की चपेट में आ गई और उसकी मौत हो गई। लाइन के आसपास से गुजर रहे किसी ग्रामीण ने घटना की सूचना आईटीआई थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पहुंची आईटीआई थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर परिजनों को घटना की सूचना दी और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि गीता देवी का पति राज-मिस्त्री के साथ मेहनत मजदूरी करता है। वह अपने पीछे एक बेटी साक्षी (12) व बेटे मयंक (8) को रोता-बिलखता छोड़ गई है।

केस 2 यूपी के ठाकुरद्वारा के जटपुरा निवासी 42 वर्षीय रामनरेश उर्फ कालू की पत्नी यहां महुआखेड़ा गंज स्थित एक फैक्ट्री में नौकरी करती है। साथ ही यहीं पर कमरा लेकर रहती है। शुक्रवार की सुबह रामनरेश अपनी पत्नी से मिलने महुआखेड़ा गंज आ रहा था। इस दौरान पैगा चौकी से लगभग एक किलोमीटर दूर वह काशीपुर से दिल्ली जाने वाली ट्रेन की चपेट में आ गया। जिसके चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पैगा चौकी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक टेंट हाउस चलाने का काम करता था। उसके दो बेटे और एक पुत्री है। एसआई सोमवीर ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

केस 3 कोतवाली पुलिस को किसी व्यक्ति ने सूचना दी कि बाजपुर रोड प्रिया मॉल के पास रेलवे ट्रैक किनारे एक वृद्ध व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर पहुंचे कोतवाली के एसएसआई अनिल शर्मा ने बताया कि जिस स्थान पर वृद्ध का शव पड़ा हुआ था वह रेलवे के अंडर सिंगल क्षेत्र में आता है। जिसके कारण घटना की जानकारी जीआरपी को दी गई। सूचना पर पहुंची जीआरपी टीम ने शव को कब्जे में लेकर तलाशी ली तो उनके पास एक बैग में आधार कार्ड, पासबुक आदि मिले। जिसमें उस व्यक्ति का नाम प्रताप सिंह निवासी चंपावत के गोदमी पेंटर फार्म बनबसा चांदनी अंकित था। जीआरपी पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। जीआरपी प्रभारी तरन्नुम सईद ने बताया कि मृतक के परिजनों को घटना के संबंध में सूचना दे दी गई है। परिजनों के मुताबिक वह रुद्रपुर में नौकरी करते थे।

डकैती कांड के दो दोषियों को सात साल कठोर कारावास

- वर्ष 2013 में कोतवाली रुद्रपुर क्षेत्र में हुई थी वारदात
- द्वितीय अपर जिला- सत्र न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : 2013 में कोतवाली रुद्रपुर इलाके में हुए डकैती प्रकरण के दो दोषियों को सात साल कठोर कारावास और बीस हजार का अर्थदंड देने की सजा सुनाई गई। द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता दांडिक अनिल सिंह ने बताया कि एक मार्च 2013 को रुद्रपुर निवासी हीरा लाल ने तहरीर देते हुए बताया कि दोपहर सवा तीन बजे छह से सात हथियार बदमाश जबरन घर में आए और तमंचे व पिस्टल दिखाकर तीन हजार की नगदी, जेवरात की डकैती की। साथ ही परिवार के साथ हाथापाई की। पड़ोसी के घर भी दूसरी घटना को अंजाम देते हुए बदमाशों ने डकैती की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर नगला गगनेरा अजीम नगर यूपी निवासी फिरोज खान और नवी हुसैन निवासी हाजी नगर पटोई को डकैती का अभियुक्त बनाते हुए सात मार्च 2013 व नौ मार्च 2013 को निशानदेही पर डकैती का सामान व हथियार बरामद कर लिए। प्रकरण की सुनवाई द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश मीना देऊपा की अदालत में हुई। जहां एडीजीसी अनिल सिंह ने 12 गवाह पेश किए। दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने डकैती कांड के दोषी फिरोज खां और नवी हुसैन उर्फ नविया को सात साल कठोर कारावास और बीस हजार रुपये अर्थदंड देने की सजा सुनाई है।

गोवंशीय पशु से कुकृत्य करने का लगाया आरोप

काशीपुर: एक युवक पर गोवंशीय पशु के साथ क्रूरता और कुकृत्य करने के गंभीर आरोप लगाये गये हैं। इस मामले में बलदेव धाम फाउंडेशन (ट्रस्ट) के सदस्यों द्वारा कोतवाली में लिखित शिकायत दी गई है। शिकायतकर्ता अश्वनी कुमार सैनी के अनुसार यह घटना 10 जुलाई की मध्य रात्रि को घटी। जब मोहल्ला लाहौरियान स्थित मां मनसा देवी मंदिर के पास स्व. विकास शर्मा उर्फ खुट्टू के घर के सामने एक गोवंशीय पशु विश्राम कर रही थी। सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि उसी समय एक युवक वहां पहुंचा और पशु के साथ पहले क्रूरता एवं फिर कथित रूप से कुकृत्य किया। अन्य मवेशियों के वहां जमा होने पर आरोपी युवक वहां से फरार हो गया।

हरू हीत कथा पर नृत्य-नाटिका का मंचन

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय, नैनीताल में शुक्रवार को उत्तराखंड की प्रसिद्ध लोककथा हरू हीत पर आधारित नृत्य-नाटिका का भव्य मंचन किया गया। यह आयोजन मकसद संस्था ग्रुप, भिकियासैंण (अल्मोड़ा) द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य बिशन सिंह मेहता व प्रवीण शती एवं संगीत शिक्षिका नेहा आर्य द्वारा दीप जलाकर किया गया।

कार्यक्रम का निर्देशन एवं परिकल्पना संस्था की सांस्कृतिक निदेशक हेमा बिष्ट ने किया। उन्होंने बताया कि हरू हीत केवल एक लोककथा नहीं बल्कि उत्तराखंड की संस्कृति, इतिहास, प्रेम, युद्ध, न्याय और बलिदान की गाथा है। नृत्य-नाटिका के माध्यम से राजा हरू हीत की न्यायप्रियता और जन आस्था को मंच पर जीवंत किया गया। कथा के अनुसार आज भी लोग न्याय की कामना के लिए राजा हरू हीत की स्मृति में श्रद्धा से झुकते हैं। संगीत निर्देशन उमेश कांडपाल व गायन चंदन मेहरा और कृपाल दत्त ध्यानी द्वारा किया गया। बांसुरी वादन में कैलाश चंद्र ने भावनात्मक दृश्यों को संगीतमय स्पर्श दिया। इस दौरान मुख्य अतिथि बिशन सिंह मेहता ने कहा कि हरू हीत उत्तराखंड की न्याय परंपरा और सांस्कृतिक अस्मिता का प्रतीक है। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और लोगों की भागीदारी रही।

हरू हीत नाटक के कलाकार। ● अमृत विचार

कारगिल दिवस पर विशेष | कारगिल युद्ध में मेजर राजेश सिंह अधिकारी ने छुड़ा दिए थे दुश्मनों के छक्के

लोगों के दिलों में आज भी जिंदा हैं मेजर राजेश अधिकारी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: भले ही आज कारगिल युद्ध को 26 साल पूरे हो गए हो लेकिन आज भी उस युद्ध की यादें देशवासियों के सीने में ज्यों की त्यों बसी हुई हैं। आज भी लोग लोग 1999 के उस मंजर को याद कर सिहर उठते है। 1999 के इस युद्ध मे केवल उत्तराखंड ने करीब 74 जाबाज बेटे खोए थे। जिसमें से एक थे शहिद मेजर राजेश अधिकारी। युद्ध के दौरान राजेश अधिकारी ने अपनी भाभी करुणा अधिकारी ने फोन में बातचीत करते हुए बताया था कि कारगिल की जंग के दौरान सबसे मुश्किल चुनौती थी टाइगर हिल। यहां कब्जा जमाए बैठे पाकिस्तानी लगातार बमबारी कर रहे हैं और लगातार गोलियां चला रहे हैं। चोटी पर चढ़कर दुश्मन के ठिकानों को बर्बाद करना ही भारतीय सेना का पहला लक्ष्य हैं। इससे लिए सबसे पहले तोलोलिंग से घुसपैठियों का कब्जा हटाने की योजना बनाई। दुश्मन 15 हजार फीट की ऊंचाई पर बैठा गोलिया बरसा रहा हैं। जिस पर काबू पाने के लिए मेजर राजेश सिंह अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई हैं। और वह अपनी बटालियन के साथ दुश्मन पर फतह हासिल करने जा रहे हैं। जो मेजर राजेश अधिकारी की अपने परिजनों से अंतिम बात थी...

मेजर राजेश सिंह अधिकारी ने अपनी यूनिट के साथ चढ़ाई की और पाकिस्तानी घुसपैठियों के बंकर को रॉकेट लॉन्चर से उलझाए रखा और अधिकारी को मौका मिला तो उन्होंने बंकर को तबाह कर दिया और कई पाकिस्तानी घुसपैठियों को भी मार गिराया। इस दौरान पाकिस्तानीयो की गोली लगने से मेजर गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली लगने के बाद भी मेजर बहादुरी से लडते रहे और घायल होने के बाद भी मेजर राजेश अधिकारी ने कई घुसपैठियों को मार कर उनके ठिकानों पर कब्जा कर लिया।

18 ग्रिनेडियर के मेजर राजेश सिंह अधिकारी ने टोलोलिंग पर 30 मई को अपनी कंपनी के साथ चढ़ाई शुरू की। 15 हजार फुट की ऊंचाई पर भारी बर्फ के बीच दुश्मन ने मशीन गन से उनपर धावा बोला। गंभीर रूप से जख्मी हालत में दो बंकर ध्वस्त कर मेजर अधिकारी ने प्वाइंट 4590 पर कब्जा किया। जिसके बाद मेजर राजेश सिंह अधिकारी इस जंग में शहीद हो गये। मेजर अधिकारी कि इस वीरता और बलिदान के लिए उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। राजेश ने कारगिल कि वो जंग जिसने देश के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ दी और जो अब तक की सबसे बड़ी जंग साबित हुई। उसमें अपना सर्वोच्च बलिदान देश के लिए दे दिया।

शहीद मेजर राजेश अधिकारी ॥(फाइल)

बचपन से ही सेना के प्रति आकर्षित थे मेजर राजेश अधिकारी

शहीद मेजर राजेश अधिकारी का जन्म 25 दिसंबर 1970 को नैनीताल में हुआ था। राजेश की स्कूली शिक्षा नैनीताल के बिशप शॉ, सेट जोसफ, जीआईसी स्कुल से हुई। जिसके बाद मेजर ने नैनीताल के डीएसबी कालेज से बीएससी की परीक्षा पास की और उसके बाद उनका चयन आईएमए देहरादून के लिए हो गया। स्कूल के समय से ही मेजर का सेना के प्रति जो जब्जा था वो उन्हें प्रतिष्ठित भारतीय सैन्य अकादमी में ले आया और 11 दिसंबर 1993 को मेजर राजेश सिंह अधिकारी भारतीय सैन्य अकादमी से ग्रेनेडियर में कमीशन हुए थे।

दुर्व्यापार जागरुकता अभियान चलाया

बाजपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को जागरूक करती संयुक्त टीम। ● अमृत विचार

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : रेलवे स्टेशन बाजपुर के प्लेटफार्म पर स्टेशन मास्टर के दिशा-निर्देश पर आरपीएफ, जीआरपी, आईएसडीए और चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम द्वारा विश्व मानव दुर्व्यापार जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान आने-जाने वाली गाड़ियों की रेकी की गई एवं यात्रियों को पंपलेट दिए गए। बताया गया कि लोग तस्करी से संबंधित संदिग्ध मामलों की पहचान कर टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क कर जानकारी दी जा सकती है। साथ ही स्टेशन पर मौजूद यात्रियों को भी पंपलेट एवं बैनर के माध्यम से जागरूक किया गया। माहभर चलने वाले इस सघन जागरूकता अभियान का उद्देश्य जन-जन तक पहुंच बनाकर तस्करी से संबंधित जागरूकता लाना है, ताकि इस तरह के मामलों की संख्या में कमी आ सके। कहा गया कि कई सारे बच्चे तस्करी के शिकार हो जाते हैं। इस मौके पर चाइल्ड लाइन से चांदनी रावत व गोविंद पांगती, रेलवे विभाग से एसआई सत्य वीर सिंह, महिला एसआई तरन्नुम, आईएसडी प्रेमा दानू व संगीता आदि मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

उत्तराखंड वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन के विधायक चीमा बने संरक्षक

काशीपुर : उत्तराखंड वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन की वार्षिक बैठक शुक्रवार को रामनगर रोड स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित की गई। बैठक में वेटलिफ्टिंग को आगे बढ़ाने के बिंदुओं पर चर्चा की गई एवं साथ ही नए सदस्य भी बनाए गए। जिसको सर्वसम्मति से प्रेसिडेंट महेश नेगी, महासचिव उत्तराखंड राजीव चौधरी, कोषाध्यक्ष उत्तराखंड वेटलिफ्टिंग हंसा मनराल और सभी एसोसिएशन के सदस्यों ने पास किया। जिसमें विधायक काशीपुर त्रिलोक चीमा को संरक्षक, उर्वशी बाली को उपाध्यक्ष, वरुण चौधरी उपाध्यक्ष, चरणप्रीत कौर को उपाध्यक्ष, राजू चौधरी ज्वाइंट सेक्रेटी, लोकेश, हरीश त्रिपाठी एवं मदन ठाकुर को सलाहकार समिति का अध्यक्ष बनाया गया।

तराई में रात में बारिश से पारा गिरा

रुद्रपुर : तराई में रात करीब 9 बजे से झमाझम बारिश होने से तापमान गिर गया है। इससे बीते दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों ने राहत महसूस की। बता दें कि बीते दो दिनों से तेज धूप निकलने के कारण भीषण गर्मी पड़ रही थी। लोगों का गर्मी के कारण बुरा हाल हो गया था। रात में बारिश से मौसम सुहावना हो गया।

महोत्सव में नैन्सी चीमा बनीं तीज क्वीन

रॉयल पंजाबी ग्रुप और महानगर महिला कांग्रेस ने आयोजित किये तीज महोत्सव, महिलाओं में रहा उत्साह

काशीपुर में तीज के दौरान हुई प्रतियोगिता में विजेता महिलाएं। ● अमृत विचार

तीज कार्यक्रम में प्रतिभाग करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: रॉयल पंजाबी ग्रुप ने रामनगर रोड स्थित एक होटल में धूमधाम से तीज महोत्सव का आयोजन किया।

मुख्य अतिथि रितु भल्ला ने महोत्सव का शुभारंभ किया। इस महोत्सव में अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। डांस परफॉर्मेंस में शीतल अरोड़ा, दीक्षा चावला, शशांक चावला ने सोलो डांस जबकि पूनम अरोड़ा, दीप्ति अरोड़ा, शालू अरोड़ा, ममता सेठी, रिशु कौर व कोमल सयाल ने सामूहिक नृत्य किया। रील प्रतियोगिता में 9 लोगों ने भाग लिया। जिसमें पलक अरोड़ा विनर रहीं। फिल्म अभिनेता आनंद बलराज ने विनर की घोषणा की। सेल्फी प्रतियोगिता में 32 प्रतिभागियों में से शामली रहीजा विनर रहीं। तीज क्वीन नैन्सी चीमा रहीं। मोनालिसा ब्यूटी पार्लर की स्वामी सुषमा चिकारा एवं खूबसूरत ब्यूटी पार्लर की स्वामी प्रीति कपूर इस कार्यक्रम की जज रहीं। वहां उर्वशी बाली मौजूद रहीं। इधर महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष पूजा सिंह की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार शाम बाजपुर रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में सावन तीज का आयोजन किया गया। जिसमें कांग्रेस पार्टी से जुड़ी महिलाओं व अन्य महिलाओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता निभाते हुए तीज के गीतों के साथ सावन के झूलों का आनंद लिया। इस अवसर पर महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष पूजा सिंह ने हरियाली का जिक्र करते हुए कहा कि सावन माह एक ऐसा माह है, जिसमें कुदरत हर जगह खूबसूरत हरियाली फैला देती है। इस माह हरेला पर्व भी मनाया जाता है। जगह-जगह पौधारोपण कर प्रकृति को सदैव हरा-भरा बनाये रखने का संकल्प लिया जाता है। उन्होंने कहा कि सावन माह भगवान शिव को समर्पित है। इस माह में भगवान शिव की आराधना की जाती है। वहीं, वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री इन्दुमान और गीता चौहान ने भी सावन का महत्व बताते हुए सभी को तीज की शुभकामनाएं दीं। वहां पर वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री रोशनी बेगम, मीनू सहगल, लता शर्मा, मीनू गुप्ता, अजिता शर्मा, भावना खनूलिया, वंदना डोभाल, चंचल शर्मा, आशा श्रीवास्तव, डेजी रोज, संगीता यादव, पूजा लोहिया, कल्पना गुड़िया, रीता कचौरिया, भावना बरेजा, उर्वशी उपाध्याय आदि मौजूद रहीं।

फाइनेंशियल मैनेजमेंट पर ऑनलाइन वर्कशॉप

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: वाणिज्य विभाग, डी.एस.बी. परिसर, नैनीताल तथा विजिटिंग प्रोफेसर प्रकोष्ठ, कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के संयुक्त तत्वावधान में इंट्रोडक्शन टू फाइनेंशियल मैनेजमेंट विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सेबी की स्मार्ट ट्रेनर मिस अनुया देशपांडे ने मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. ललित तिवारी, निदेशक विजिटिंग प्रोफेसर प्रकोष्ठ, कुमाऊं विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

वहीं वाणिज्य विभाग की ओर से डॉ. निधि वर्मा ने सभी अतिथियों एवं वक्ता का स्वागत किया। सत्र में अनुया देशपांडे ने फाइनेंशियल मैनेजमेंट विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने निवेशकों को सुरक्षित निवेश के लिए अहम सुझाव दिए और बताया कि निवेश करते समय यह सुनिश्चित करें कि संबंधित संस्था सेबी से रजिस्टर्ड और रेगुलेटेड हो। उन्होंने अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन निवेश की विशेषताओं पर प्रकाश डाला तथा बताया कि निवेशकों को अपनी जरूरत के अनुसार तरल एवं फिक्स्ड निवेश की योजना बनानी चाहिए। उन्होंने सेबी से जुड़े बाजार, कैपिटल मार्केट, मनी मार्केट और म्यूचुअल फंड्स के बारे में भी जानकारी दी। इसके साथ ही भारत सरकार एवं सेबी द्वारा चलाई जा रही विभिन्न निवेश योजनाओं का परिचय भी दिया।

इस अवसर पर वाणिज्य संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल जोशी, डॉ. आरती पंत, डॉ. विजय कुमार, डॉ. ममता जोशी, डॉ. हिमानी जलाल, डॉ. जीवन उपाध्याय, डॉ. विनोद जोशी, डॉ. अंकिता आर्या, डॉ. तेज प्रकाश, डॉ. पूजा जोशी, डॉ. गौतम रावत, सुबीया नाज, रितिशा शर्मा, पंकज भट्ट, दीक्षा पंत, सुबीया, प्रो. गीता तिवारी, प्रो. बी.एस. कलाकोटी, डॉ. गोकुल सत्याल, निदेशक सौरभ जोशी, डॉ. रीमा खुराना, डॉ. पैनी जोशी, डॉ. नंदन बिष्ट, डॉ. निर्मल कौर, डॉ. इकरमजीत सिंह, दिशा, लता, योगेश त्रिपाठी मौजूद रहे।

जिम कॉर्बेट के जन्मदिन पर बच्चों ने पेश किए रंगारंग कार्यक्रम

कालाढूंगी में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते विधायक बंशीधर भगत व मेयर गजराज सिंह बिष्ट।

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: जिम कॉर्बेट का 150वां जन्मदिन समारोह धूमधाम से मनाया गया। कॉर्बेट म्यूजियम में आयोजित इस समारोह का विधायक बंशीधर भगत, हल्द्वानी मेयर गजराज बिष्ट, चेयरमैन रेखा कत्यूरा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इससे पूर्व जिम कॉर्बेट की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। गांव की महिलाओं ने झोड़ा नृत्य पेश किया। इसी के साथ आर्मी बैंड की धुन में लोग थिरके। स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। कॉर्बेट ग्राम विकास समिति के लोगों ने माई इंडिया पर आधारित कुंवर सिंह नाटक का मंचन किया। इस नाटक में लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया। स्कूल और ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत की की शानदार प्रस्तुति दी।

इस दौरान समिति के अध्यक्ष राजकुमार पांडे, सचिव मोहन पांडे शहीत दर्जनों लोग मौजूद थे।

गीता जिंदल बनीं अग्रवाल महिला मंच की तीज क्वीन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: अग्रवाल महिला मंच द्वारा आयोजित तीज मिलन समारोह में गीता जिंदल को तीज क्वीन चुना गया। अग्रवाल सभा भवन में अध्यक्ष रेनू रानी की अध्यक्षता एवं डोली अग्रवाल के संचालन में महिलाओं ने झूला झूलते हुए कई गीत प्रस्तुत किए और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया।

इस दौरान महिलाओं ने शिवशंकर चले कैलाश बुंदिया पड़ने लगी, भेजा संदेशा बहन ने भैया मुझे ले जाए जैसे मनमोहक गीत गाकर माहौल को मनमोहक बना दिया। मंच की अध्यक्ष रेनू रानी ने कहा कि अग्रवाल महिला मंच सामाजिक सरोकारों के साथ-साथ महिलाओं में जागरुकता को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध है।

गीता जिंदल को तीज क्वीन का मुकुट पहनातीं महिलाएं। ● अमृत विचार

14 को काशीपुर में मनेगा विभीषिका दिवस

● पंजाबी महासभा ने मुख्यमंत्री धामी को सौंपा आमंत्रण पत्र

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: उत्तरांचल पंजाबी महासभा द्वारा भारत विभाजन के पीड़ा दिवस को विभीषिका दिवस के रूप में मनाया जाएगा। पंजाबी महासभा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रण पत्र सौंपा है। सीएम धामी ने भी कार्यक्रम में आने के लिए सहमति दी है।

मुख्यमंत्री धामी को आमंत्रण पत्र सौंपते पंजाबी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष और अन्य।

मुख्यमंत्री के खटीमा आगमन पर लोनिवि के मेयर दीपक बाली के नेतृत्व में मिलने के बाद महासभा प्रदेश अध्यक्ष राजीव घई और सुभाष तनेजा ने पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। प्रतिनिधि मंडल ने सीएम धामी को आगामी 14 अगस्त को काशीपुर में आयोजित होने वाले विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम का आमंत्रण दिया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष घई, वरिष्ठ कार्यकर्ता राजकुमार फुटेला ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि यह आयोजन न केवल विभाजन की पीड़ा झेलने वाले लाखों परिवारों को श्रद्धांजलि है बल्कि आज की पीढ़ी को हमारे पूर्वजों के संघर्ष, बलिदान एवं पुनर्निर्माण की प्रेरणादायक गाथा से जोड़ने का माध्यम है। मुख्यमंत्री धामी ने स्वीकृति प्रदान करते हुए आयोजन को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री से मिलने वाले प्रतिनिधि मंडल में राजेश छाबड़ा, प्रवीण सेठी, मदन मदान, अनिल शर्मा, प्रवीण रहेजा, राजकुमार तनेजा, आशीष अरोड़ा, प्रीत ढींगरा, सोनिया सुनेजा, अनिल बत्रा, मनोज बाजवा आदि मौजूद रहे।

नैनीताल में भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते भक्त। ● अमृत विचार

हनुमान मंदिर में हुआ भंडारा

नैनीताल, अमृत विचार : सावन के महीने में श्री कष्ट निवारण हनुमान मंदिर भक्तों ने भंडारा लगाया। इस दौरान कालाढूंगी और नैनीताल मार्ग से पहुंच रहे लोगों ने प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के महाराज कमल शाही ने बताया कि समय-समय पर भक्त जनों द्वारा मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया जाता है। इसी के तहत भंडारे का आयोजन किया गया है। इस दौरान रवि फर्त्याल, अजय पाल अज्जू, सुरेश कांडपाल, बलवंत सिंह बल्लू, संजीव रस्तोगी, अजय वीर पवार, सृष्टि, दीपा शाही, सूरज, अजीत, प्रियंका, रजनी, राधा, अंजलि, शैली रस्तोगी, हरीश चंद्र पांडे आदि ने सहयोग किया।

देहरादून के डीईओ को हटाया गया

देहरादून, अमृत विचार: देहरादून के जिला आबकारी अधिकारी देहरादून केपी सिंह को पद से हटाते हुए आबकारी मुख्यालय से अटैच किया गया है। आबकारी आयुक्त अनुराधा पाल की तरफ से जारी पत्र में यह कार्रवाई की गई है। मसूरी क्षेत्र के इंस्पेक्टर वीके जोशी को अब यह चार्ज सौंपा गया है।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन को जिला आबकारी अधिकारी के निलंबन की संस्तुति भेजी थी। यह पूरा मामला शराब की छह दुकानों से जुड़ा है, जिन्हें अन्यत्र शिफ्ट किए जाने के आदेश जिलाधिकारी ने दिए थे, जिसके विरुद्ध दुकान संचालकों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

भंडारे के साथ शिव महापुराण संपन्न

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: श्री अनंत आश्रम आदर्श कॉलोनी में पिछले एक सप्ताह से चल रहे श्री शिव महापुराण कथा का विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया। इस दौरान आश्रम में वृंदावन से आये भागवत पीठाधीश्वर आचार्य देशमुख वशिष्ठ महाराज ने श्री शिव महापुराण कथा सुनाई।

शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान आचार्य देशमुख वशिष्ठ महाराज ने भगवान शिव से जुड़े प्रत्येक प्रसंग को सुनाया। साथ ही कथा व्यास ने ज्योतिर्लिंगों की स्थापना के विषय में भी विस्तार से भक्तों को बताया। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रवण किया और प्रभु भक्ति में लीन रहे। इस दौरान कथा में विशेष आकर्षण शिव पार्वती का विवाह रहा जो भव्य तरीके से आयोजित किया गया। समाजसेवी भारत भूषण चुघ ने कथा स्थल पर पहुंचकर संत महात्माओं से आशीर्वाद लिया।

आचार्य देशमुख वशिष्ठ महाराज को शॉल ओढ़ाते समाजसेवी भारत भूषण चुघ।

इस दौरान उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी सौहार्द बढ़ता है और मनुष्य प्रभु की आस्था में लीन होता है। इस अवसर पर रिंपा हुडिया, राजू हुंडिया, नीतीश धीर, वंश गुलाटी, मीनू खुल्लर, सोनिया कटारिया, रिचा गगनेजा, पुष्पा रानी, समीक्षा, मानसी बत्रा, राजेंद्र अरोड़ा, खरेती लाल गगनेजा, गुलशन बजाज, नितिन, पार्वती, करण, जसपाल अरोड़ा, आकाश, शुभम खुराना, मयंक गुगलानी आदि मौजूद रहे।

नैनीताल में रक्तदान कर मरीज की बचाई जान

संवाददाता, नैनीताल

● एक कदम अच्छाई की ओर संस्था ने किया सराहनीय कार्य

अमृत विचार: एक कदम अच्छाई की ओर" रक्तदान संस्था के सक्रिय सदस्य उस्मान हनी और विवेक सरकार ने मानवीय सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए एबी पॉजीटिव रक्तदान कर एक जरूरतमंद मरीज की जान बचाने में सहयोग दिया। बताते चलें कि मरीज को इससे पहले भी रक्त की आवश्यकता पड़ी थी, जिसे संस्था के माध्यम से ही पूरा किया गया था।

संस्था के अभिषेक मुल्तानीया ने बताया गया कि अब मरीज को आवश्यक रक्त की आपूर्ति पूरी हो चुकी है। संस्था ने दोनों रक्तदाताओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष व संस्थापक अभिषेक मुल्तानिया युवी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंकित कुमार टम्टा, उपाध्यक्ष संजय कुमार, सचिव रवि कुमार एवं कमल बिष्ट भी उपस्थित रहे। एक कदम अच्छाई की ओर संस्था निरंतर जनसेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही है और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दे रही है।

सफलता

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में हुआ रुहेलखंड क्षेत्र का पहला लिवर बाईपास

सर्जरी के बाद हल्द्वानी के राम सिंह को मिली जलोदर से मुक्ति

● राम सिंह के पेट से निकाला जा चुका था 50 लीटर पानी

● छह माह पहले पता चला था समस्या का

कार्यालय संवाददाता, बरेली

लिवर बाईपास के बाद मरीज राम सिंह के साथ मेडिकल टीम के सदस्य।

अमृत विचार : एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में रुहेलखंड क्षेत्र का पहला टिप्स (ट्रांसजुगुलर इंट्रा हैपेटिक पोर्टो सिस्टमिक शंट) प्रोसीजर सफलतापूर्वक किया गया। इसको लिवर बाईपास भी कहा जाता है। इससे छह माह से अधिक समय से जलोदर (पेट में तरल पदार्थ के जमाव) की समस्या से पीड़ित नैनीताल के गांव भुजियाघाट निवासी राम सिंह (44 वर्ष) का सफल उपचार हुआ।

हल्द्वानी निवासी मदन सिंह बताते हैं कि उनकी पत्नी के भाई राम सिंह (44 वर्ष) काफी समय से पेट की समस्याओं से परेशान थे। थकान, जी मिचलाना, उल्टी और उल्टी में खून निकलना, पानी बनने से पेट का फूलना, पैरों में सूजन जैसी तकलीफ के इलाज के लिए करीब छह माह पहले उन्हें हल्द्वानी में दिखाया गया, जहां लिवर सिरोसिस का पता चला। इलाज से कोई फायदा न होने पर उन्हें दूसरे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां भी तकलीफ कम नहीं हुई। हालांकि इस बीच डाक्टरों ने उनके पेट से करीब 40-50 लीटर पानी जरूर निकाला। ऐसे में राम सिंह को 10 जुलाई को श्रीराम मूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज लाया गया। यहां पहले भी उनकी दूसरी तकलीफों का इलाज हो चुका था।

मेडिकल कॉलेज के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. शिवम गुप्ता ने बताया कि राम सिंह के उपचार में इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट डॉ. नम्रता सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन दोनों ने एनेस्थीसिया, क्रिटिकल केयर और मेडिसिन विभाग के सहयोग से 13 जुलाई को रुहेलखंड क्षेत्र का पहला ट्रांसजुगुलर इंट्रा हैपेटिक पोर्टो सिस्टमिक शंट (टीआईपीएस) प्रोसीजर सफलतापूर्वक किया। दो दिन स्वस्थ लाभ के बाद डिस्चार्ज होकर राम सिंह अपने घर चले गए।

क्यों पड़ती है ट्रांसजुगुलर इंट्रा हैपेटिक पोर्टो सिस्टमिक शंट की जरूरत

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डा. शिवम गुप्ता ने बताया कि लिवर सिरोसिस होने पर, लिवर से हृदय तक जाने वाली नस में रक्त के थक्के बनने पर, लिवर में अत्यधिक आयरन (हीमोक्रोमेटोसिस) होने पर, हेपेटाइटिस बी या हेपेटाइटिस सी की गंभीर स्थिति पर पोर्टल हाइपरटेंशन (पोर्टल शिरा का बढ़ा हुआ दबाव और बैकअप) होता है। गंभीर स्थिति में पेट, ग्रासनली या आंतों की नसों से रक्तस्राव होने के साथ ही पेट में तरल पदार्थ के जमाव (जलोदर) की समस्या भी हो जाती है।

वीर शहीद को दी श्रद्धांजलि

वीर शहीद मेजर राजेश सिंह अधिकारी के प्रतिमा स्थल पर मौजूद लेक सिटी क्लब के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर लेक सिटी वेलफेयर क्लब द्वारा वीर शहीद मेजर राजेश सिंह अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आयोजन मेजर राजेश अधिकारी की प्रतिमा स्थल पर किया गया। क्लब की सदस्यों और गणमान्य लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडीएम शैलेन्द्र सिंह नेगी ने मेजर राजेश अधिकारी के बलिदान को स्मरण कर नई पीढ़ी को ऐसे वीरों के जीवन से प्रेरणा लेने की अपील करने के साथ कहा कि शहीदों के बलिदान को स्मरण करना हम सभी का राष्ट्रीय कर्तव्य है। पालिकाध्यक्ष सरस्वती खेतवाल ने क्लब के प्रयासों की सराहना की। क्लब अध्यक्ष आशा शाह, कविता त्रिपाठी, गीता शाह, विनीता पांडे, हेमा भट्ट, रानी शाह, कंचन जोशी, अमिता शाह, मीनू बुधला कोठी, रमा भट्ट, खष्टी बिष्ट, संगीता श्रीवास्तव, दीपिका विनवाल, तुसी शाह, मीनाक्षी कीर्ति मौजूद रहीं।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण की तैयारी पूर्ण

बाराकोट-चम्पावत ब्लॉक की 13 पोलिंग पार्टियां आज होंगी रवाना

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार : जनपद चम्पावत में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। दूसरे चरण का मतदान 28 जुलाई को विकासखंड बाराकोट और चम्पावत में होगा।

इस चरण की चुनावी तैयारियों के तहत कुछ पोलिंग पार्टियों को मतदान से दो दिन पूर्व उनके मतदान स्थलों के लिए रवाना किया जा रहा है, ताकि निर्धारित तिथि पर चुनाव कार्य को समयबद्ध और व्यवधान रहित तरीके से संपन्न कराया जा सके।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार ने जानकारी दी कि विकासखंड बाराकोट के सील और नेत्र सलान मतदान स्थलों के लिए 2 पोलिंग पार्टियां 26 जुलाई को रवाना होंगी। वहीं, विकासखंड चम्पावत की 11 पोलिंग पार्टियां भी शनिवार को अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान करेंगी। चम्पावत ब्लॉक से खिरद्वारी, गंगसीर, लोहारजुला, बुडम, डांडाककनई, हेलागोठ, सेलागाड़, सौराई, फुरकियाझाला बकौड़ा और कठोल पोलिंग पार्टियों को आज रवाना किया जाएगा।

प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी टीमें निर्धारित समय से पूर्व मतदान केंद्रों तक पहुंच जाएं, ताकि 28 जुलाई को मतदान शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके। दूसरे चरण की सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है और जिला प्रशासन पूरी सजगता के साथ चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रेक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने संभाला कार्यभार

चम्पावत, अमृत विचार : राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से नियुक्त किए गए प्रेक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने शुक्रवार को विकासखंड चम्पावत एवं बाराकोट के लिए अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। प्रेक्षक सिंह का कैम्प कार्यालय लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस, लोहाघाट में स्थापित किया गया है, जहां से वे निर्वाचन से संबंधित सभी गतिविधियों की निगरानी करेंगे। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रेक्षक सिंह से किसी भी प्रकार की जानकारी, सुझाव या शिकायत के लिए अभ्यर्थी एवं आम नागरिक सीधे उनके मोबाइल नंबर 7310998733 पर संपर्क कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यदि उन्हें आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन या निर्वाचन से संबंधित किसी अन्य अनियमितता की जानकारी हो तो वे निःसंकोच रूप से इसकी सूचना प्रेक्षक महोदय को दें। यह कदम सुनिश्चित करेगा कि हर मतदाता बिना किसी दबाव या भय के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

दौलाघट में सड़क सुरक्षा नियमों की दी जानकारी

- सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान की हुई शुरूआत

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः जिलेभर में दो दिवसीय सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान की शुरूआत हो गई है। शुक्रवार को अभियान के तहत दौलाघट में विधिक जागरुकता शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी गई।

जागरुकता शिविर डीएएसए सचिव शचि शर्मा ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज दौलाघट व गोपेश्वर बाल निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के नियमों, मोटर वाहन अधिनियम, स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर, राहवीर योजना, गुड समेरिटन कानून आदि की जानकारी दी।

साथ ही वाहन दुर्घटना की तिथि से छह माह के भीतर मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल में प्रतिकर के लिए आवेदन करना, 90 दिन तक चल रहे मध्यस्थता राष्ट्र के लिए अभियान, बच्चों के अधिकार, पॉक्सो अधिनियम, चाइल्ड लाइन नंबर की जानकारी दी गई।

इस मौके पर छायादार और फलदार पौधों का रोपण भी किया गया। सचिव द्वारा दौलाघट में संचालित लीगल एड क्लिनिक का भ्रमण कर अधिकार मित्र को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

गोपेश्वर बाल निकेतन दौलाघट में जागरूकता शिविर में मौजूद छात्र-छात्राएं।

अल्मोड़ा में एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित करते कुलपति। ● अमृत विचार

कैडेट दिव्या सुप्याल व दिव्या कुंवर अल्फा ग्रेड मिलने पर किए सम्मानित

- एनआइएम उत्तरकाशी में दोनों ने पूर्ण किया माउंटेनियरिंग कोर्स
- कुलपति ने मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर कैडेट्स का हौसला बढ़ाया

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के अल्मोड़ा परिसर में स्थापित 24 यूके बालिका वाहिनी एनसीसी की कैडेट दिव्या सुप्याल और दिव्या कुंवर को अल्फा ग्रेड मिलने पर सम्मानित किया गया। दोनों कैडेट्स ने बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स एनआइएम उत्तरकाशी में पूर्ण किया।

कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने दोनों कैडेट्स को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर कैडेट्स का हौसला बढ़ाया। उन्होंने दोनों कैडेट्स और एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. ममता पंत के कार्यों एवं उपलब्धियों की सराहना की। कहा कि 24 वीं वाहिनी के कैडेट्स बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कैडेट्स के शानदार प्रदर्शन से विश्वविद्यालय एवं राज्य का नाम भी रोशन हो रहा है।

डॉ. ममता पंत ने बताया कि कैडेट दिव्या सुप्याल, दिव्या कुंवर का चयन विभिन्न मानकों और प्रतियोगिताओं को उत्तीर्ण करने के बाद हुआ है। यहां कुलसचिव डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पंकज शाह, परिसर निदेशक प्रो. प्रवीण सिंह बिष्ट, कमान अधिकारी कर्नल मनोज कुमार कांडपाल आदि मौजूद रहे।

द्वाराहाट में स्मृति दिवस पर महावतार बाबा की शोभायात्रा निकालते भक्त।

महावतार बाबा को स्मृति दिवस पर किया याद

अल्मोड़ा, अमृत विचार : योगदा आश्रम द्वाराहाट में महावतार बाबा कि स्मृति दिवस के उपलक्ष्य पर विशेष भक्ति व श्रद्धा भाव से मनाया गया। इससे पूर्व आश्रम परिसर में बाबा जी की शोभा यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम की शुरुआत आश्रम प्रभारी स्वामी वासुदेवानंदजी ने दीप प्रज्ज्वलन व बाबाजी महाराज की आरती के साथ की। योगदा बालकृष्णालय के छात्रों ने भजन और गुरुओं की जय-जयकार की गूंज के साथ पालकी को आश्रम के चारों ओर घुमाया। प्रातः सभी भक्त बाबाजी स्मृति दिवस के अवसर पर विशेष ध्यान सत्र में शामिल हुए। योगदा बाल कृष्णालय के लगभग 100 छात्र-छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने भजन के साथ शोभा यात्रा का नेतृत्व किया और देश के विभिन्न भागों से आये भक्त पालकी पर पंखुड़ियों की वर्षा करते हुए उनके पीछे चल रहे थे। पालकी आश्रम की परिक्रमा करते हुए स्कूल के गेट से फिर आश्रम में प्रवेश किया और कृष्ण मंदिर से होकर ध्यान मंदिर पर समाप्त हुई। लोगों ने बाबाजी को पुष्पांजलि अर्पित की और स्वामीजी के हाथों प्रसाद ग्रहण किया।

सिलेंडर में लगी आग, हादसा बचा

टनकपुर, अमृत विचार : चल्थी क्षेत्र के एक मकान में सिलेंडर लीक होने से आग लग गई। सूचना के बाद तत्काल पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सिलेंडर को बाहर फेंक कर उसमें लगी आग बुझाई।

चम्पावत से 39 किमी दूर चल्थी के पास कठौल में हिम्मत सिंह के घरेलू सिलेंडर में लगी आग ने मकान को भी चपेट में ले लिया। उनकी पत्नी हीरा देवी घर में खाना बना रही थी, इसी दौरान गैस लीक होने से सिलेंडर में आग लग गई। सूचना मिलने पर चल्थी चौकी प्रभारी निर्मल सिंह लटवाल के नेतृत्व में टीम ने तुरंत मौके पर पहुंच राहत और बचाव कार्य किया। इस दौरान चौकी प्रभारी निर्मल सिंह लटवाल, विकार अहमद, मोहन मर्तोलिया के अलावा स्थानीय नागरिक गुरमीत सिंह, प्रेम सिंह आदि शामिल रहे।

कार्मिकों का पुनः रेंडमाइजेशन संपन्न

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचारः त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2025 को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) विनोद गोस्वामी की अध्यक्षता में एनआईसी कक्ष, पिथौरागढ़ में मतदान कार्मिकों का पुनः रेंडमाइजेशन सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर प्रेक्षक विण/मुनाकोट जीवन सिंह ह्यांकी तथा प्रेक्षक बेरीनाग/गंगोलीहाट नरेंद्र सिंह (वीसी माध्यम से) उपस्थित रहे।

इस प्रक्रिया के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि पूर्व की लिस्ट में जिन कार्मिकों की मतदान केंद्रों पर तैनाती की गई थी, उन्हें नयी लिस्ट में अन्य बूथों पर तैनात किया गया है, जिससे निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके। इस प्रक्रिया में तैयार की गई कार्मिकों की सूची को गोपनीय रखा जाए। जिला विकास अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी (कार्मिक) रमा गोस्वामी को निर्देशित किया गया कि सूची को तुरंत सील कर लिफाफा बंद किया जाए और केवल संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों को ही मूवमेंट के समय ही लिफाफा उपलब्ध कराया जाए तथा सॉफ्ट कॉपी को तत्क्षण नष्ट कर दिया जाए।

इसके उपरान्त मतगणना हेतु द्वितीय रेंडमाइजेशन प्रक्रिया भी सम्पन्न की गई, जिसकी शुचिता सुनिश्चित करने हेतु जिलाधिकारी ने आवश्यक निर्देश डीडीओ रमा गोस्वामी को दिए। इस दौरान दोनों प्रेक्षकों ने माना कि जिला प्रशासन पूर्ण रूप से निष्पक्ष चुनाव कराने हेतु अपनी प्रतिबद्धता निभा रहा है। इस दौरान मुख्य कृषि अधिकारी/प्रभारी अधिकारी (प्रशिक्षण) अमरेंद्र चौधरी, प्रभारी अधिकारी (कंप्यूटराइजेशन)/उपनिदेशक, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी गौरव कुमार आदि अधिकारी मौजूद रहे।

मतदान कार्मिकों के पुनः रेंडमाइजेशन के दौरान डीएम गोस्वामी व अन्य अधिकारी।

एसएसजे में स्थायी परीक्षा नियंत्रक की हुई तैनाती

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः कुमाऊं के पर्वतीय जिले के एसएसजे विवि को अस्तित्व में आए पांच साल बीतने के बाद अब अपना स्थायी परीक्षा नियंत्रक मिल गया है। शासन स्तर से विवि में स्थायी परीक्षा नियंत्रक की तैनाती कर दी गई है। तैनाती मिलने के बाद परीक्षा नियंत्रक प्रो. पंकज कुमार ने विवि पहुंच पदभार ग्रहण किया।

कुमाऊं विवि से अलग होकर वर्ष 2020 में सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया। इस विवि के अधीन चार परिसर और 36 महाविद्यालय हैं। वहीं, पांच साल तक विवि में स्थायी परीक्षा नियंत्रक की तैनाती नहीं हो सकी थी। स्थायी परीक्षा नियंत्रक नहीं होने से विद्यार्थियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। उनके परीक्षा परिणामों में त्रुटियां आ रही थीं। जिसका निस्तारण समय पर नहीं हो रहा था और छात्र-छात्राओं को परीक्षाफल मिलने में देरी हो रही थी। व्यवस्था न संभाल पाने पर पूर्व में अस्थायी तौर पर तैनात किए गए परीक्षा नियंत्रकों ने इस्तीफा तक दे दिया था। इससे विवि प्रशासन को भी दिक्कतें झेलनी पड़ रही थी। लेकिन अब शासन स्तर से स्थाई परीक्षा नियंत्रक की तैनाती कर दी गई है। कुलसचिव डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि स्थायी परीक्षा नियंत्रक की तैनाती होने से परीक्षा संबंधित कई परेशानियां दूर होगी।

पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान मौजूद सीमांत मुख्यालय के जवान व अधिकारी। ● अमृत विचार

पौधरोपण का किया आयोजन

सवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार : सीमान्त मुख्यालय रानीखेत के कार्मिकों द्वारा नगर पालिका चिलियानौला के मेटल फैक्ट्री के समीप पौधरोपण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे जैसे देवदार, बाज, माल्टा, तेजपत्ता, काफल व रीठा आदि 190 पौधों का रोपण चिलियानौला रानीखेत में किया गया।

इस अवसर पर कमांडेंट जयंत कुमार शर्मा एवं उप- कमांडेंट (संचार) अनिल कुमार जोशी एवं नगर पालिका ईओ दीपा परिहार, सुपरवाइजर मोहित कुमार, अजय कुमार व नगर पालिका के अन्य अधिकारी व कर्मचारियों ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। एसएसबी के जवानों ने पूरी भागीदारी के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान मौजूद सदस्यों को पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ों के महत्व और जल सरंक्षण के प्रति जागरूक भी किया गया।

महिलाओं ने दिखाई कार्य के प्रति समर्पण और ऊर्जा

- प्रथम चरण की पोलिंग पार्टियों ने साझा किए अनुभव
- मतदान प्रक्रिया रही शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचारः त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के प्रथम चरण का मतदान सफलतापूर्वक संपन्न होने के उपरांत पोलिंग ड्यूटी में सम्मिलित कार्मिकों द्वारा अपने अनुभव साझा किए गए।

विभिन्न मतदान केंद्रों से लौटे कार्मिकों ने बताया कि मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रही। विशेष बात यह रही कि पोलिंग पार्टियों में सम्मिलित महिला कार्मिकों ने न केवल पूरी जिम्मेदारी और दक्षता से मतदान कार्य को अंजाम दिया, बल्कि अपने कार्य के प्रति जो समर्पण और ऊर्जा दिखाई, वह महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया। महिला मतदान अधिकारियों और सहायक कर्मचारियों ने दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों जैसे कुटी और गुंजी में भी सक्रिय भूमिका निभाई और मतदाताओं को प्रेरित करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती दी। यह दृश्य न केवल सफल चुनाव संचालन की गवाही देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि महिलाएं अब हर क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। चाहे वह प्रशासनिक जिम्मेदारी हो या लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करने का कार्य।

औषधि दुकानों का किया निरीक्षण

- एक मेडिकल स्टोर का लाइसेंस निरस्त करने की संस्तुति

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : आयुक्त, खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन और जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर सहायक औषधि नियंत्रक हेमंत सिंह नेगी के नेतृत्व में औषधि निरीक्षकों की टीम द्वारा टनकपुर एवं बनबसा क्षेत्र में निरीक्षण अभियान चलाया गया।

इसके तहत बनबसा के 13 और टनकपुर के 6 मेडिकल स्टोरों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 एवं नियम, 1945 के अंतर्गत अनुपालन की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया। गुणवत्ता परीक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय ब्रांड की 7 दवाओं के नमूने संग्रहित किए गए।

टनकपुर मेडिकल स्टोर में निरीक्षण के दौरान औषधि निरीक्षकों की टीम।

बनबसा स्थित वीर मेडिकल स्टोर में पूर्व निरीक्षणों के दौरान पाई गई कमियों को अब तक दूर नहीं किया गया था। इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए औषधि प्रशासन द्वारा उक्त प्रतिष्ठान का लाइसेंस निरस्त करने की संस्तुति की गई है।

यह कार्रवाई जनहित में औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और नियमों के उल्लंघन पर कठोर कदम उठाने की प्रशासनिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। निरीक्षण टीम में वरिष्ठ औषधि निरीक्षक नीरज कुमार, मीनाक्षी बिष्ट, औषधि निरीक्षक निधि शर्मा, शुभम कोटनाला, अर्चना व पूजा जोशी शामिल रहे।

अंशुमा ने घर-घर मांगे वोट

गरगूठ में समर्थकों संग प्रचार करतीं क्षेत्र पंचायत प्रत्याशी अंशुमा नेगी। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः हवालबाग विकासखंड क्षेत्र पंचायत 25-गरगूठ सीट से प्रत्याशी अंशुमा महेंद्र नेगी ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। उन्होंने समर्थकों के साथ सरकार की आली, भनार, गरगूठ आदि गांवों का भ्रमण कर चुनाव चिन्ह अनार पर मुहर लगाकर उन्हें विजयी बनाने की अपील की।

उन्होंने समर्थकों के साथ विभिन्न गांवों में घर-घर जाकर लोगों से जनसंपर्क किया और क्षेत्र के विकास के लिए उनके पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विजयी होने पर क्षेत्र की जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता से करवाएंगे। उनके साथ महेंद्र नेगी, प्रेमा बिष्ट, प्रेमा किरमोलिया, हेमा कांडपाल, चंपा कांडपाल, मीना जोशी समेत कई समर्थक मौजूद रहे।

नमन | समाजवादी लोक मंच द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अहिंसावादी स्वतंत्रता सेनानी थे श्री देव सुमन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : स्वतंत्रा सेनानी व अमर बलिदानी श्रीदेव सुमन के 81वें शहादत दिवस पर आज समाजवादी लोक मंच द्वारा पैठ पड़ाव में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला नेत्री सरस्वती जोशी समेत तमाम लोगों ने श्रीदेव सुमन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम में मंच के संयोजक मुनीष कुमार ने कहा कि श्री देव सुमन वास्तविक अर्थों में अहिंसावादी स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने टिहरी जेल में दो बार आमरण अनशन किया। दूसरी बार 84 दिनों तक जेल के भीतर आमरण अनशन करते हुए श्रीदेव सुमन ने 25 जुलाई, 1944 को अपने प्राण त्याग दिये। परन्तु टिहरी के राजा के सामने हार नहीं मानी और मरते दम तक अपना संघर्ष जारी रखा। आज समाज ने ऐसे जन नायक को भुला दिया है।

श्री देव सुमन को श्रद्धांजलि देते लोग। ● अमृत विचार

किसान संघर्ष समिति के संयोजक ललित उप्रेती ने राजशाही के जुल्मों के बारे में बताया कि राजा पुल पर चलने के लिए भी जनता से झूलिया कर वसूलता था। बहू-बेटी का विवाह होने पर सुप्पु स्योन्दी कर वसूला जाता था। टिहरी की जनता जहां बेहद अभाव में जीवन बसर करती थी, वहीं टिहरी के राजाओं के महलों में धन दौलत का अम्बार लगा रहता था। राजा जनता से लूटे गये सोना-चांदी आदि कीमती वस्तुओं को अपने राजमहलों की दीवारों में चिनवाकर रखता था।

कार्यक्रम में प्रभात ध्यानी, छिम्वाल, कौशल्या, मो. आसिफ, मोहन तिवारी, लालता प्रसाद, मुकेश जोशी, नीमा आर्य, दीपा आर्य, उषा पटवाल, सीमा तिवारी, धना देवी, दुर्गा सैनी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जर्जर सड़क बनी संकट मरीजों की बढ़ी परेशानी

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचारः जिला मुख्यालय स्थित बेस अस्पताल को जोड़ने वाली सड़क की बदहाल स्थिति मरीजों के लिए मुसीबत बन गई है। खासकर डायलिसिस कराने जाने वाले गंभीर मरीज बीच रास्ते में ही फंस रहे हैं।

मरीजों के परिजनों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी से सड़क जल्द दुरुस्त करने की मांग की। तीमारदारों ने बताया कि एंबुलेंस चालक खराब सड़क के कारण मरीज को जिला अस्पताल में ही उतार दे रहे हैं, जिससे मरीज की जान पर बन आती है। कुछ माह पूर्व यह सड़क जीजीआईसी के पास से टूट गई थी, जिसे दीवार बनाकर आंशिक रूप से ठीक किया गया था, लेकिन कई जगह अब भी सड़क बेहद खराब है। गाड़ियां फंस रही हैं और मरीजों की आवाजाही बाधित हो रही है। परिजनों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क नहीं सुधरी, तो किसी बड़ी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता।

डीएम कार्यालय पहुंचे फरियादी।

अमृत विचार

शनिवार, 26 जुलाई 2025

"दिल और दिमाग के टकराव में दिल की सुनो।"

वोट के अधिकार पर तकरार

बिहार में मतदाता सूची का सघन पुनरीक्षण और विधानसभा सत्र के समापन के बाद भी विपक्षी दलों का सत्ता पक्ष और चुनाव आयोग के साथ छिड़ा संग्राम जरा भी नरम पड़ता नहीं नजर आ रहा है। केंद्र सरकार के पहलगाम हमले व आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए सहमत होने के बाद भी बिहार की मतदाता सूची को लेकर विपक्ष ने लगातार संसद परिसर से लेकर सड़क तक मोर्चा लगा रखा है। इसके चलते इस हफ्ते दोनों सदनों की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ चुकी है, और बात जुबानी जंग से आगे बढ़कर चुनाव के बहिष्कार तक जा पहुंची है।

बिहार में मतदाता सूची के सघन पुनरीक्षण में चुनाव आयोग ने 21.6 लाख से अधिक मृत मतदाता, 31.5 लाख से ज्यादा स्थाई रूप से पलायन कर चुके और सात लाख से अधिक मतदाताओं के दो जगह पंजीकृत होने के साथ एक लाख मतदाताओं के बारे में कोई जानकारी नहीं होने की सूचना साझा की है। इसके साथ आयोग ने यह सवाल भी उठाया है कि क्या कुछ लोगों के बहकावे में आकर मृत या पलायन कर चुके अथवा दो जगह से मतदाता सूची में शामिल लोगों का वोट देने का अधिकार बरकरार रखा जाना चाहिए, या कि विदेशी मतदाताओं के नाम पर फर्जी मतदान का रास्ता बनाए रखना चाहिए। लेकिन आयोग यह बताने में असमर्थ रहा है कि जब 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले मतदाता पुनरीक्षण अभियान चला था, तब ऐसे लोगों के बारे में कोई जानकारी उसे क्यों नहीं मिल पाई थी। अब बिहार में एसआईआर पर चुनाव आयोग की ओर से एक अगस्त को ड्राफ्ट रोल आएगा। इसमें उन लोगों के नाम शामिल होंगे, जिन्होंने गणना फार्म भरकर जमा किया है, चाहे उन्होंने जरूरी दस्तावेज लगाए हैं या नहीं। इसके बाद एक माह तक मतदाता सूची पर आपत्तियां देने तथा सुधार करने का मौका मिलेगा फिर चुनाव की घोषणा से पहले अंतिम मतदाता सूची बनाई जाएगी। विपक्ष इसी प्रक्रिया में धांधली के आरोप लगाकर हमलावर है। हालांकि इस बहाने पिछले दरवाजे से लोगों की नागरिकता की जांच करने के उसके आरोप पर चुनाव आयोग पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि मताधिकार के लिए किसी व्यक्ति का अयोग्य पाया जाना उसकी नागरिकता समाप्त होने से जुड़ा मामला नहीं है। यह सही है कि संविधान के अनुसार, मतदाता बनने के लिए भारत का नागरिक होना जरूरी है, लेकिन यह भी सही है कि हर भारतीय नागरिक स्वतः मतदाता नहीं हो जाता है, इसके लिए उसे कुछ अन्य शर्तें भी पूरी करना जरूरी होता है। सुप्रीम कोर्ट में अब इस मामले पर 28 जुलाई को सुनवाई होनी है, आशंका है कि इसे मर्जी के मुताबिक फैसला नहीं आने पर विपक्ष चुनाव बहिष्कार की अपनी धमकी पर आगे बढ़ सकता है। ऐसे में लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया को लेकर तकरार और बढ़ने से इंकार नहीं किया जा सकता है।

प्रसंगवश

मोदी ने दिखाया पाकिस्तान सहित दुनिया को दायरा

पाकिस्तान के रवैये के बावजूद भारत ने दोस्ती का हाथ बढ़ाने के लिए पाक को बातचीत के लिए निमंत्रण दिया। सुलगती चिता के बजाए ऐसा लगा की प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक गुट आकार ले रहा है। नए भारत की नींव डाली जा रही है। और ऐसा ही हुआ। सार्क के दो दिन के शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान को छोड़कर अफगानिस्तान बांग्लादेश श्रीलंका भूटान मालदीव और नेपाल के नेताओं के साथ आपसी मुलाकातों के साथ बहुत हद तक साफ कर दिया था वे और भारत अब दक्षिण एशिया का नेतृत्व करने के लिए ठान चुके है। प्रधनमंत्री ने अपने भाषण में कहा रिश्ते तो मजबूत होंगे, सार्क के भीतर या बाहर, हम सबके बीच या हम में से कुछ के बीच। मोदी ने शिखर सम्मेलन में वैश्विक नेता की पहचान बना ली थी। शायद अब दक्षिण एशिया के आर्थिक उद्धार का समय आ गया है। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से दो बार मुलाकात कर भारत और पाकिस्तान को नया आयाम देने के लिए आगे बढ़े। लेकिन पाकिस्तान ने इसको दरकिनार कर दिया। मोदी के ईमानदारी भरी बातों ने अन्य नेताओं के दिल को छुआ कि हाल के वर्षो में बहुत कुछ न करने के लिए भारत जिम्मेदार है। बांग्लादेश सहित अनेक देशों के साथ मोदी की मुलाकातों से ऐसा लगा कि इन नेताओं ने मोदी का साथ देने का इरादा बना ही लिया है। दक्षिण एशिया को भारत जैसे देश ने पतवार थामी है क्योंकि मोदी और भारत स्वाभाविक नेता है। एशिया के देशों को एक डोर में बांधे रखने में भारत ने अहम भूमिका निभाई है। लेकिन पाकिस्तान इसका हिस्सा नहीं बन सका। नवाज शरीफ के कार्यकाल में भारत पर तीन अटैक करवाए। अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में इस्लामाबाद ने भारत के साथ किए समझौते का उल्लंघन किया था। सार्क की बैठक में पाकिस्तान की मीडिया ने मोदी आर्क की संज्ञा दी डाली थी। भारत और पाकिस्तान के रिश्ते इतने वर्षों के बाद मजबूत नहीं हुए है।

> पाकिस्तान के जितने भी प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति हुए है उन्होंने भारत और कश्मीर के मुद्दे उठाकर ही सत्ता हासिल की है। हर नेता कश्मीर के लिए जहर उगलता रहता है। इन वर्षो ने भारत ने गरीबी को काफी हद तक कम किया है।

पाकिस्तान के जितने भी प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति हुए है उन्होंने भारत और कश्मीर के मुद्दे उठाकर ही सत्ता हासिल की है। हर नेता कश्मीर के लिए जहर उगलता रहता है। इन वर्षो ने भारत ने गरीबी को काफी हद तक कम किया है। पाकिस्तान की स्थिति दिनबदिन खराब होती गई। भारत ने विकास के सोपान तय किए, लेकिन पाकिस्तान की खाद्यान्न की कमी और बढ़ते दामों की वजह से आम नागरिक परेशान है। चीन के साथ विवाद खत्म होने की कगार पर है लेकिन कश्मीर को लेकर पाकिस्तान से विवाद चल रहा है। गरीबी भ्रष्टाचार और प्रदूषण भारत के लिए चुनौतिया है, लेकिन इस समस्या के लिए भारत के पास विजन है। दुनिया में भारत चौथी इकोनॉमी का देश बन गया है। वही पाकिस्तान भारत से दोस्ती नहीं करके कंगाल बनता गया। भारत की एक अनूठी संस्कृति दुनिया की पुरानी और श्रेष्ठ परपंराओं में से एक है। वसुधैव कुटुम्भकम की भावना लिए भारत ने हमेशा दुनिया की खुशहाली की कामना की है। विदेश नीति के बढ़ते प्रभाव का ही कारण स्पष्ट है कि कुछ वर्षों पहले भारत को गरीब और बेचारा देश कहते थे वे आज भारत को सम्मान की दृष्टी से देख रहे है। कई देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार के समझौते से भारत दुनिया से जुड़ चुका है। भारत कृषि देश के साथ बहु आयामी सामाजिक और आर्थिक प्रगति की है। भारत की दुनिया के औधोगिक देशों में गिनती होने लगी है। कदम चांद तक पहुंच चुके है। दुनिया भी भारत का लोहा मान रही है। उसके विपरीत पाकिस्तान और भारत में ही देशद्रोही प्रवृति वाले लोग भारत को नीचे गिराने की साजिश रच रहे है। किंतु मजबूत नेतृत्व से वे सफल नहीं हो रहे है। दुनिया को भारत ने अपना दायरा बता दिया है कि भारत अब रुकने वाला नहीं है।

लेखक-कांतिलाल मांडोत

मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए एक ऐतिहासिक कदम

पूनम चतुर्वेदी

लखनऊ

> भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता औपचारिक रूप से 2022 में शुरू हुई थी, और कई दौर की गहन चर्चाओं के बाद, 6 मई 2025 को दोनों पक्षों ने समझौते की शर्तों को अंतिम रूप दिया।

भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), जिसे आधिकारिक रूप से व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) कहा गया है, बीते दिनों 24 जुलाई को लंदन में हस्ताक्षरित हुआ। यह समझौता दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 120 अरब डॉलर तक दोगुना करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखता है। 2023-24 वित्तीय वर्ष में भारत-यूके व्यापार 21.34 बिलियन डॉलर तक पहुंचा, जो पिछले वर्ष के 20.36 बिलियन डॉलर से अधिक है। इस समझौते के तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात यूके में शुल्क-मुक्त होंगे, जिसमें चमड़ा, वस्त्र, और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्र शामिल हैं। इसके बदले में, यूके के उत्पाद, जैसे व्हिस्की और लग्जरी कारें, भारत में सस्ते होंगे। यह ऐतिहासिक समझौता न केवल व्यापार को बढ़ावा देगा, बल्कि निवेश, नवाचार, और रोजगार सृजन में भी योगदान देगा।

भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता औपचारिक रूप से 2022 में शुरू हुई थी, और कई दौर की गहन चर्चाओं के बाद, 6 मई 2025 को दोनों पक्षों ने समझौते की शर्तों को अंतिम रूप दिया। नवंबर 2024 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के बीच हुई मुलाकात ने इस प्रक्रिया को गति दी। भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूके के विदेश मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने फरवरी 2025 से लेकर जुलाई तक कई बैठकों में इस समझौते को आकार दिया। यह समझौता न केवल वस्तुओं के व्यापार को कवर करता है, बल्कि सेवाओं, बौद्धिक संपदा अधिकारों, सरकारी खरीद, और नवाचार जैसे क्षेत्रों को भी शामिल करता है।

यह समझौता भारत की नई विदेश व्यापार नीति का हिस्सा है, जो पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के साथ संबंधों को मजबूत करने और चीन पर आपूर्ति श्रृंखला निर्भरता को कम करने पर केंद्रित है। भारत ने हाल के वर्षों में यूरोपीय संघ, अमेरिका, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भी मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत तेज की है।

भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता इस रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि यूके भारत का सातवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, और यह समझौता दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को और गहरा करेगा। भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता भारत के लिए कई महत्वपूर्ण लाभ लाता है। सबसे पहले, टैरिफ में कमी भारतीय निर्यातकों के लिए यूके के बाजार को अधिक सुलभ बनाएगी। वर्तमान में भारत से यूके को निर्यात किए जाने वाले सामानों पर औसतन 4.2 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है। इस समझौते के तहत 95 प्रतिशत से अधिक कृषि टैरिफ लाइनों और 1,659 इंजीनियरिंग टैरिफ लाइनों पर शुल्क शून्य हो जाएगा। इससे भारतीय टैक्सटाइल्स, जूते, गहने, और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को 23 बिलियन डॉलर के नए अवसर मिलेंगे। विशेष रूप से, भारतीय जेनेरिक दवाओं की यूके बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी, क्योंकि शुल्क-मुक्त प्रावधान लागू होंगे। दूसरा, यह समझौता भारत के छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए लाभकारी होगा। यूके के बाजार में आसान पहुंच से भारतीय छोटे और मध्यम उद्यमों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

तीसरा, सेवा क्षेत्र में भारत को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की संभावना है। भारत की आईटी, स्वास्थ्य सेवा, और शिक्षा सेवाओं को यूके में अधिक पहुंच मिलेगी। यह समझौता कुशल पेशेवरों और छात्रों की गतिशीलता को भी बढ़ावा देगा, जिससे भारतीय पेशेवरों को यूके में रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही, यह समझौता प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा, जो भारत के मेक इन इंडिया अभियान को गति देगा। चौथा, यह समझौता भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थिति को मजबूत करेगा। चीन पर निर्भरता कम करने के लिए, यूके और भारत ने आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन बढ़ाने पर जोर दिया है। यह भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोटिव क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगा, जो वैश्विक मांग को पूरा करने में सक्षम होंगे। इसके साथ ही, यूके को भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के अवसर मिलेंगे। भारत की महत्वाकांक्षी हरित ऊर्जा योजनाएं, जैसे 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य, यूके की कंपनियों के लिए आकर्षक हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच संयुक्त अनुसंधान और विकास को भी बढ़ावा देगा। भारत-यूके 'मुक्त व्यापार समझौता' भारत की व्यापक विदेश व्यापार नीति का हिस्सा है, जो निर्यात-उन्मुख विनिर्माण और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एकीकरण पर जोर देती है। भारत को अपने घरेलू उद्योगों को मजबूत करना होगा ताकि वे यूके के सस्ते आयात का सामना कर सकें। इसके लिए मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों को और गति देनी होगी। दूसरा, भारत को सेवा क्षेत्र में अपनी मांगों, विशेष रूप से वीजा और गतिशीलता पर, मजबूती से दबाव बनाए रखना होगा। तीसरा, पारदर्शिता बढ़ाने के लिए मुक्त व्यापार समझौता वार्ताओं में हितधारकों, जैसे किसानों, छोटे और मध्यम उद्यमों, और उद्योग संगठनों, को शामिल करना होगा। भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए एक ऐतिहासिक कदम है, जो व्यापार, निवेश, और आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। यह समझौता न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त करता है, बल्कि भारत-यूके संबंधों को एक नई दिशा देता है।

आमने सामने

भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा, "विपक्ष क्या चाहता है, ये तो वो भी नहीं बता सकते। वो सिर्फ़ अराजकता, व्यवधान चाहते हैं... पूरा एक हफ्ता बीत गया, और उन्होंने सदन को चलने नहीं दिया, दिशाहीन विपक्ष का नकारात्मक रवैया जनता को नुकसान पहुंचा रहा है, वो संविधान की धज्जियां उड़ाना चाहते हैं।"

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, "भारत के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ। चुनाव आयोग, जो एक संवैधानिक संस्था है, भाजपा की एक शाखा के रूप में काम कर रहा है। सीईसी भाजपा के प्रवक्ता की तरह बोलते हैं... 24 घंटे में, लापता मतदाताओं की संख्या 11000 से बढ़कर 1 लाख से अधिक हो गई है... अगर गृह मंत्रालय यह कहना चाह रहा है कि बिहार में 56 लाख अवैध मतदाता हैं, तो वे कहां से आए?"

कारगिल पर लहराता भारतीय पराक्रम का परचम

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

> कारगिल युद्ध, जिसे दुनिया ने 1999 में देखा, एक अघोषित युद्ध था लेकिन उसका प्रभाव और परिणाम पूर्ण युद्ध जैसा ही था। मई से जुलाई के बीच दो महीनों तक चले इस संघर्ष ने सिद्ध कर दिया था कि भारतीय सेना किसी भी विषम परिस्थिति में अपने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अडिग और अजेय है।

26 जुलाई 1999, यह वह दिन है, जिसने भारत के इतिहास में एक अमिट अध्याय जोड़ा। इसी दिन भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन विजय' को सफलतापूर्वक पूर्ण करते हुए कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। यह केवल एक सैन्य जीत नहीं थी बल्कि भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय साहस, अनुशासन, पराक्रम और बलिदान की वह गौरवगाथा थी, जिसे भारतवासी कभी नहीं भूल सकते। आज, जब देश कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मना रहा है, तब समूचा राष्ट्र उन वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जिन्होंने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। यह दिन न केवल भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य का प्रतीक है बल्कि हमें यह भी याद दिलाता है कि राष्ट्र की रक्षा में समर्पण, प्रतिबद्धता और बलिदान की क्या कीमत होती है।

कारगिल युद्ध, जिसे दुनिया ने 1999 में देखा, एक अघोषित युद्ध था लेकिन उसका प्रभाव और परिणाम पूर्ण युद्ध जैसा ही था। मई से जुलाई के बीच दो महीनों तक चले इस संघर्ष ने सिद्ध कर दिया था कि भारतीय सेना किसी भी विषम परिस्थिति में अपने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अडिग और अजेय है। यह युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 के बाद पहली बार ऐसा अवसर था, जब दोनों देश प्रत्यक्ष युद्ध में आमने-सामने आए थे। पाकिस्तान ने कश्मीर के कारगिल सेक्टर में घुसपैठ कर भारतीय भूभाग पर कब्जा करने का दुस्साहस किया था। उसकी योजना थी कि बर्फबारी के मौसम में जब भारत की अग्रिम चौकियों से सैनिक नीचे उतरते हैं, तब वहां कब्जा कर लिया जाए और श्रीनगर-लेह मार्ग को काट दिया जाए, जिससे लद्दाख को शेष भारत से अलग किया जा सके। लेकिन पाकिस्तान का यह मंसूबा भारतीय सेना की सतर्कता, साहस और सूझबूझ के आगे विफल हो गया।

3 मई 1999 को स्थानीय चरवाहों ने भारतीय अधिकारियों को पाकिस्तानी घुसपैठ की सूचना दी थी। उसके दो दिन बाद 5 मई को पाकिस्तानी सैनिकों ने पांच भारतीय जवानों को मार डाला और उनके शव क्षत-विक्षत अवस्था में लौटाए। उसके बाद भारत सरकार ने स्पष्ट रूप से युद्ध की परिस्थिति को स्वीकार किया और 10 मई को 'ऑपरेशन विजय' की शुरुआत की गई। यह एक पूर्ण सैन्य अभियान था, जिसमें भारतीय सेना, वायुसेना और विभिन्न सैन्य शाखाएं एकजुट होकर दुश्मन के खिलाफ कार्रवाई में उतर पड़ी। यह युद्ध विषम परिस्थितियों में लड़ा गया। कारगिल की ऊंची पहाड़ियों पर लड़ाई किसी भी सेना के लिए एक कठिन चुनौती होती है और कुछ पोस्टें तो 18 हजार फीट से भी ऊंची थी। ऐसे में न केवल दुश्मन की गोलीबारी बल्कि ऑक्सीजन की कमी, अत्यधिक ठंड और विषम भौगोलिक परिस्थितियों से भी भारतीय सैनिकों को जूझना पड़ा। इसके बावजूद भारतीय सैनिकों ने असंभव को संभव कर दिखाया। टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 जैसी प्रमुख चोटियों को फिर से भारतीय कब्जे में लाना आसान नहीं था लेकिन हमारे वीरों ने उस कार्य को कर दिखाया, जिसे इतिहास ने स्वर्णाक्षरों में दर्ज किया।

भारतीय वायुसेना ने भी इस युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई। 26 मई 1999 को वायुसेना ने हवाई हमलों की शुरुआत की और दुश्मन के ठिकानों को निशाना बनाते हुए कई बंकर नष्ट किए। इस दौरान भारतीय वायुसेना ने 'ऑपरेशन सफेद सागर' को अंजाम दिया, जो कारगिल युद्ध का हवाई आयाम था। हालांकि वायुसेना को भी अपने कुछ जांबाजों की शहादत का सामना करना पड़ा। 27 मई को मिग-27 के एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से चार अधिकारी शहीद हो गए और एक पायलट को पाकिस्तान ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। कारगिल युद्ध के दौरान भारत ने न केवल सैन्य मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक स्तर पर भी बड़ी जीत हासिल की। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश और विश्व समुदाय को पूरी पारदर्शिता के साथ पाकिस्तान की घुसपैठ की सच्चाई से अवगत कराया। भारत ने युद्ध में अपने आत्मरक्षात्मक रवैये को स्पष्ट करते हुए अंतर्राष्ट्रीय समर्थन हासिल किया। अमेरिका, फ्रांस सहित अन्य देशों ने भी पाकिस्तान की इस हरकत की निंदा की और भारत के पक्ष को समर्थन दिया।

कारगिल युद्ध के समय भारतीय सेना ने एक-एक चोटियों को वापस अपने कब्जे में लेने के लिए अद्वितीय साहस का परिचय दिया। 13 जून को टोलोलिंग पर कब्जा कर लिया गया। 20 जून को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और 5100 पर नियंत्रण कर लिया गया और अंततः जुलाई में पाकिस्तान को पीछे हटना पड़ा। 14 जुलाई को 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की औपचारिक घोषणा हुई और 26 जुलाई को भारत की निर्णायक विजय के रूप में कारगिल युद्ध का समापन हुआ लेकिन इस विजय के लिए भारत को 527 वीर जवानों की शहादत का मूल्य चुकाना पड़ा।

आज जब हम 26वां कारगिल विजय दिवस मना रहे हैं, तो यह भी आवश्यक है कि नई पीढ़ी को उस युद्ध के नायकों की कहानियों से परिचित कराया जाए। उनकी बहादुरी और बलिदान की गाथाएं केवल किताबों में नहीं, हमारे हृदयों में भी जीवित रहनी चाहिए। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, मीडिया और सामाजिक मंचों पर कारगिल युद्ध के शौर्य की चर्चाएं होनी चाहिए ताकि हमारे युवाओं में देशभक्ति की भावना और भी गहरी हो। यह दिवस केवल एक तारीख नहीं बल्कि भारत के गौरव और सैनिकों के बलिदान का प्रतीक है। यह दिन हमें सिखाता है कि यदि इरादे बुलंद हों और मातृभूमि के प्रति निष्ठा अडिग हो तो कोई भी दुश्मन भारत को झुका नहीं सकता। यह दिन हमें झुककर नहीं, सिर उठाकर चलना सिखाता है, अपने शहीदों के गौरव को सहेजते हुए, उनके बलिदान को याद रखते हुए, देश के प्रति अपने कर्त्तव्यों को निभाते हुए।

मंथन

स्वाध्याय एक वरदान

राजकुमार जैन राजन

राजस्थान

व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व को संवारने में साहित्य का बहुत बड़ा योगदान हैं। साहित्य सभ्यता व इतिहास की आंखें हैं जो मनुष्य को एक बेहतरीन दृष्टि देती हैं। मनुष्य के जीवन में अच्छे संस्कारों का निर्माण साहित्य के द्वारा ही संभव होता है। प्राचीनकाल में जब लेखन कला का विकास नहीं था तो मनुष्य परस्पर विचारों के आदान-प्रदान से ज्ञान प्राप्त करते थे, किंतु जैसे-जैसे लेखन कला का विकास हुआ वैसे-वैसे विभिन्न विषयों पर विचारों को लिपिबद्ध किया जाने लगा और विभिन्न विषयों पर केंद्रित पुस्तकें तैयार होने लगीं। पुस्तकें नहीं होतीं, तो कदाचित हम न वैदिक मानव की प्राथमिकताओं को जान पाते और न ही हमारे पास दुनिया की सर्वाधिक भाषाओं में अनुदित पंचतंत्र की कथाओं में सिमटा हुआ जीवन का अनुभव होता। हमारे देश मे विभिन्न धर्मों में साहित्यिक पुस्तकों को ईश्वर का दर्जा दिया जाता है। वेद, उपनिषद, गीता, रामायण, गुरुग्रंथ साहिब, बाइबिल, जैन आगम, बौद्ध पिटक आदि धर्म ग्रंथों को ईश्वरीय रूप में देखा जाता है। कालांतर में विभिन्न विषयों की पुस्तकें बहुलता से प्रकाशित होने लगी। साहित्य के क्षेत्र में अनेक महापुरुष इस धरती पर हुए हैं, जिन्होनें सद्साहित्य का सृजन कर अपने जीवनकाल में ख्याति व सम्मान को प्राप्त किया।

सद्साहित्य का पठन-पाठन ही स्वाध्याय है। सद्साहित्य के स्वाध्याय का महत्व अति प्राचीनकाल से ही मान्य रहा है। वस्तुतः पुस्तकें हमारी सभ्यता व संस्कृति का दर्पण है। भविष्य को उन्नत व प्रशस्त बनाने का सामर्थ्य रखने वाले अनेक ऋषि, मनीषियों का जीवन दर्शन पुस्तकों में सुरक्षित है। भगवान महावीर, बुद्ध, रामकृष्ण, विवेकानन्द, गांधी, दयानन्द सरस्वती व अन्य इसी प्रकार के महापुरुषों का जीवन प्रेरक बनकर मनुष्य जीवन को आलौकित करता है। इसलिए कहा गया है कि स्वाध्याय करने से ज्ञान के साथ मन की शांति, आनन्द, उमंग और ऊर्जा भी प्राप्त होती है। स्वाध्याय एक ऐसी परंपरा है जो गुरु की अनुपस्थिति में भी गुरु का कार्य करती है। निश्चित ही स्वाध्याय के द्वारा ही मनुष्य एक नई ज्ञान ऊर्जा प्राप्त करता है। किसी के शरीर के लिए जितना जरूरी पौष्टिक आहार है, मन-मस्तिष्क के लिए उतना ही जरूरी स्वधाय है। स्वाध्याय के अभाव में मस्तिष्क जड़ हो जाता है। मनुष्य की संवेदना व चिंतन क्षमता समाप्त हो जाती है। अनेक वैज्ञानिक अध्ययनों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्रेरणादायक धार्मिक, आध्यात्मिक और जीवनोपयोगी साहित्य पढ़ने से न सिर्फ़ मानसिक शांति प्राप्त होती है बल्कि विपरीत परिस्थितियों व संघर्षों में कुछ सीखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्राप्त होती है। निश्चित ही स्वाध्याय से प्राप्त होने वाला आनंद संसार के सभी आनंदों से बढ़कर है। स्वाध्याय के साथ आत्मबोध, आत्मज्ञान, और जीवन को सुखमय बनाने का जो ज्ञान मिलता है, वह अंयत्र कहीं नहीं मिल सकता। स्वाध्याय द्वारा व्यक्ति "स्व" से जुड़ता है और अपनी ही समीक्षा करता है। इससे उसका स्वयं के जीवन पर आत्म चिंतन बढ़ता है और वह अपने दोषों का शमन करता है। इससे उसके अंदर एक ऊर्जा का प्रवाह होने लगता है जो व्यक्ति की प्राण शक्ति भी बढ़ाता है। अतः हमारे दैनिक जीवन में स्वाध्याय का समावेश होना आवश्यक है। स्वाध्याय का सबसे बड़ा लाभ यह भी है कि इससे मनुष्य के विचार उन्नत एवम परिष्कृत बनते हैं। स्वाध्याय निःसंदेह एक ऐसा अमृत है जो मानस में प्रवेश कर मनुष्य की पाशविक प्रवृतियों को नष्ट कर देता है। जिसने स्वाध्याय का महत्व जान लिया, उसने सौभाग्य का द्वार पा लिया। वे परिवार धन्य है जिनमें उत्तम पुस्तकों का संग्रह होता है। जहां नियमित स्वाधाय होता है वहां देवत्व का वास होता है।

सोशल फोरम

उदासीनता या व्यवस्था की निष्क्रियता

राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहर थाना स्कूल बिल्डिंग गिरने का हादसा पूरे देश के सोशल मीडिया पर चर्चित है मनोहर थाना के पास गुराड़ी में एक मिडिल स्कूल की बिल्डिंग भर भरा कर गिर गई जिसमें 6 छोटे-छोटे बच्चे दिवंगत हो गए। लगभग डेढ़ दर्जन बच्चे बुरी तरह घायल है। इस दुर्घटना के संवेदनाओं की आवाज लोगों को उद्वेलित कर रही है। यह सिर्फ एक जिले का नहीं पूरे देश की परिस्थितियों का एक नजारा है। बताया जाता है कि 40 साल पुरानी यह बिल्डिंग पूरी तरह जर्जर हालत में थी। और इस दुर्घटना के बाद कुछ सवाल जो पूरे जिले में ही नहीं पूरे देश में पूछे जा रहे हैं। आखिर इस दुर्घटना का जिम्मेदार कौन है? शाला प्रशासन जिसने बिल्डिंग की जर्जर हालत से उच्च अधिकारियों को सूचित नहीं किया? या उच्च अधिकारी जिन्होंने सूचना के बाद भी प्रकरण की गंभीरता को ध्यान में नहीं रखा और हादसे की प्रतीक्षा करते रहे। शिक्षा प्रशासन पर तो सवाल है ही साथ ही साथ हर बिल्डिंग की एक निश्चित समय में यूटिलिटी इंस्पेक्शन होता है क्या सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा इस बिल्डिंग का यूटिलिटी इंस्पेक्शन किया गया या नहीं? किया गया तो कब किया गया और यदि ऐसा लगता था की इस बिल्डिंग में कोई हादसा हो सकता है तो फिर सार्वजनिक निर्माण विभाग ने सरकार को सूचित क्यों नहीं किया? सवाल जिला प्रशासन पर भी है स्थानीय उपखंड अधिकारी ब्लॉक लेवल शिक्षा अधिकारी और तमाम तरह के अधिकारी जो उपखंड स्तर पर कार्य करते हैं क्या उनकी जवाबदारी नहीं बनती थी, के इस हादसे का पूर्व आभास वह लोग करते और कल के भविष्य को इस तरह काल का ग्रास बनने से रोक पाते।

प्रमोद जैन पिंटू

भवानी मंडी

सवाल क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों पर भी है गांव के पंच सरपंच पंचायत प्रतिनिधि जिला परिषद सदस्य विधायक और सांसद कहीं ना कहीं इस कोताही के जिम्मेदार है। क्या सरकार और प्रशासन इन जिम्मेवार अधिकारियों पर और नेताओं पर कोई मुकदमा दर्ज करेगी। जिन अभिभावकों के छोटे-छोटे बच्चे मौत का शिकार हुए हैं वह सिर्फ बच्चों की मौत नहीं है उनके भविष्य की मौत है उनके सपनों की मौत है क्या संवेदनशील प्रशासन और सरकार उन अभिभावकों के लिए भी कोई मुआवजा दे पाएगा? वैसे तो कोई भी राशि उनके दुख की गंभीरता को कम नहीं कर सकते लेकिन संवेदना के पृष्ठ पर जरूर एक हस्ताक्षर कर सकती है। चेतावनी है यह सोए हुए प्रशासन के लिए की वह जिले भर में सरकारी इमारतो की जांच कराए, क्योंकि यह सिर्फ स्कूल का ही मामला नहीं है गांव में कई जगह है स्कूलों की इमारत के अलावा पंचायत की इमारतें और अन्य सार्वजनिक जगहों पर भी जर्जर हालत में भवन मौजूद है। साथ ही सार्वजनिक निर्माण विभाग से तीन दशक पुरानी सभी इमारत की जांच प्रशासन को करनी चाहिए ताकि दोबारा ऐसा हादसे से बचा जा सके। स्थानीय प्रशासन के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों को भी और आम आदमी को भी इसका ध्यान रखना चाहिए। आखिर हम लोग हादसे का ही क्यों इंतजार करते हैं?

- फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharhld@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

यात्रा वृतांत

कुछ अलग, प्राकृतिक और अनदेखा देखना चाहते हों तो राजदरी देवदरी जरूर जाएं

अद्भुत, अतुल्य: राजदरी देवदरी वाटरफॉल

प्रस्तुति: मृदुल कपिल
साहित्यकार कानपुर

बीच बारिश अचानक तीन की छुट्टी का उपहार मिलते ही घुमक्कड़ मन कहीं घूमने के लिए मचल उठा। बरसात में कम बजट और कम समय में कहां की यात्रा की जाए, इस सवाल के जवाब में अचानक एक मित्र की कही बात याद आ गई 'कभी बरसात में हमारे चंदौली चलना, सब भूल जाओगे।' फिर क्या था, उसी शाम कार से कानपुर से 350 किमी दूर चंदौली के लिए निकल पड़े। करीब साढ़े पांच घंटे बाद हम मित्र के गांव में थे। अगली सुबह जब बादलों के बीच सूरज की नर्म किरणों ने जगाया तो हमने चारों तरफ फैली हरियाली के बीच चंद्रप्रभा अभयारण्य की यात्रा आरम्भ की। अचानक से एक खेत से लगी राजबाहा जिसे स्थानीय भाषा में 'बियर' कहते हैं दिखा। यहां तेज पानी में कुछ लड़के गोता लगा रहे थे। मित्र ने बताया कि यह मुजफ्फरपुर बीयर है। इससे ही जुड़ा है देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का गांव। कुछ कच्ची पक्की सड़कों से गुजरने के बाद अब हम एक और बीयर में थे। इसे लतीफ़ शाह डैम कहते हैं। यहां एक सूफी संत लतीफ़ शाह की मजार है। डैम से पानी तो नहीं गिर रहा था पर दृश्य मनमोहक था। हम आगे बढ़ते हैं। सुनसान सड़क और खामोशी से खड़े पेड़ हमारा इस्तकबाल करते हैं। यहां फिजा में कुछ अलग-सा सन्नाटा है। सुनसान रोड पर सिर्फ हमारी कार थी। करीब 40 मिनट बाद हम चंद्रप्रभा अभयारण्य के गेट पर खड़े थे।

एशियाई शेरों को संरक्षण देने के लिए की गई थी इसकी स्थापना

- इस अभयारण्य की स्थापना 1957 में एशियाई शेरों को संरक्षण देने के लिए की गई थी। शेरों के अलावा यहां साही, काले हिरण, चीतल, जंगली सुअर, सांभर, नील गाय और भारतीय चिंकारा जैसे कई अन्य जानवर भी मिलते हैं। यहां घड़ियाल और अजगर जैसे रेंगने वाली प्रजाति के जीव भी पाए जाते हैं। यह अभयारण्य पक्षी प्रेमियों को खुश करने वाला है। यह 150 से अधिक देशी और प्रवासी पक्षियों को आकर्षित करता है। यहां की मुख्य वनस्पति शुष्क पर्णपाती वन है। पूरा अभयारण्य 78 स्क्वायर किलोमीटर में फैला है और विंध्याचल पर्वत श्रेणी की नौगढ़ और विजयगढ़ पहाड़ियों पर स्थित है। अभयारण्य में प्रवेश के उपरान्त हम फिर खाली और सुनसान सड़क पर करीब 2.3 किलोमीटर चलते हैं। आगे बोर्ड चमकता दिखता है, राजदरी झरना पार्किंग स्टैंड। हम गाड़ी पार्क करते हैं। पानी गिरने का तेज कोलाहल यहीं से सुनाई देने लगता हैं। अब हमारे सामने है उत्तर प्रदेश का सब से विशाल प्राकृतिक झरना यानी 'राजदरी'।

आने के बाद मन उठेगा बस यह सवाल

- ...अरे! ये तो कमाल है। मैं अब ...तक यहां क्यों नहीं आया? मैं खुद से सवाल करता हूँ। सामने विहंगम दृश्य है। मैंने अपने घुमक्कड़ जीवन में कई झरने देखे हैं पर ये झरना एकदम अलग और विशाल है। जलप्रपात के तेज शोर के साथ-साथ साथ चंद पर्यटकों की हंसी माहौल में गूंज रही है और मैं मिर्जापुर तथा चंदौली की सीमा पर स्थित राजदरी के इस अनछुए सौन्दर्य में खो-सा रहा हूं। सच में इसका सौन्दर्य हमारी सोच से अधिक है। इतने पानी को देखकर खुद को संभालना मुश्किल है। हम आगे निकल कर छिछले पानी की तरफ जाते हैं। यहां कई सारे लोग कंडा-लकड़ी सुलगा कर 'चोखा-बाटी' बना रहे हैं। हम थोड़ा तेज बहाव वाले छिछले पानी में हैं। पानी शिलाओं के उपर से गुजर रहा है। शायद दो घंटे तक हम और पानी एक दूसरे से खेलते रहते हैं। इसके बाद चंद्रप्रभा अभयारण्य में आगे बढ़ते हैं। हम अब देवदरी वाटर फाल को देख रहे हैं। दोनों तरफ से घिरी पत्थर की हरी शिलाएं और उनको काटकर कल-कल बहते पानी की स्वर्णिम धार। तेजी से गिर रहे पानी की वजह से एक तेज धुंध का बादल व्योम को ढकता-सा लग रहा है। दिल में ख्वाहिश जगती है, काश मेरे भी पंख होते ...तो आज इस ...बहते पानी के साथ उड़ जाता। देवदरी का सौन्दर्य हमें एक अलग सम्मोहन में जकड़ लेता है। कुछ देर बाद हम चन्द्रप्रभा डैम पर पहुंचते हैं। क्षितिज के अंत में जल, थल, नभ मिल रहे हैं। न कोई शोर न हलचल। हां! डैम के गेट जरूर यह एहसास करा रहे हैं कि मनुष्य अब प्रकृति पर भी नियंत्रण लगाने लगा है। थोड़ी देर बाद शाम घिरने लगती है, अब हमे काशी वापसी करनी है। हमारी कार पतली सड़कों पर तेजी से भाग रही है और पीछे छूट रहा है एक कभी न भूल सकने वाला अद्भुत और सच्चा सौन्दर्य।

कुछ जरूरी बातें याद रखें

यहां घूमने का मुख्य सीजन बारिश का ही है। ये दोनों वाटरफॉल बनारस से करीब 55 किलोमीटर की दूरी पर हैं। यहां पर रुकने लायक अभी अधिक स्थान नहीं हैं। आप चाहे तो बनारस में ठहर सकते हैं। चन्द्रप्रभा अभयारण्य में प्रति व्यक्ति प्रवेश शुल्क 50 रुपये है और कार का 100 रुपये अतिरिक्त देना होता है।

संस्मरण

एक और एफआईआर

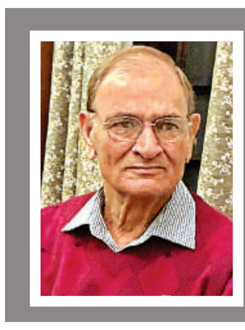

ओम प्रकाश त्रिपाठी
सेवानिवृत्त आईजी (यूपी पुलिस)
लखनऊ

घटना वर्ष 1979 के आसपास की है। वाराणसी से सीबी सीआईडी मुख्यालय मीटिंग के लिए बुलाया गया था। उन दिनों यह मुख्यालय विक्रमादित्य मार्ग स्थित पंच बंगलिया नाम से प्रसिद्ध पांच बंगलों में से एक में हुआ करता था। तब इस रोड पर न तो कोई राजनेता रहता था न कोई राजनैतिक गतिविधि ही थी। हजरतगंज चौराहे से मुख्यालय तक जाने के लिए रिक्शा भी कभी-कभार नहीं मिलता था क्योंकि इस रोड पर आवाजाही न होने के कारण वापसी में रिक्शे वालों को सवारी मिलने की उम्मीद बहुत कम रहती थी। लिहाजा कभी-कभी लगभग डेढ़ किमी की यह दूरी पैदल ही तय करनी पड़ जाती थी। उन दिनों सीबी सीआईडी मुख्यालय के लान का रखरखाव बहुत अच्छा हुआ करता था। झक हरी मुलायम नरम घास वाले लान के चारों ओर व केंद्र में खिले हुए गुलाब की क्यारियों से शरद ऋतु के शांत वातावरण में गुलाबी धूप का आनंद अत्यंत सुखद अहसास था।

बहुधा वरिष्ठ अधिकारी लंच के समय लान में मंडलाकार कुर्सी डलवा कर बैठते थे। उन दिनों सीआईडी में टीम भावना से कार्य होता था और वरिष्ठ अधिकारी मातहर्ता से काफी आत्मीय व्यवहार करते थे। लंच के समय बाहर से आए हुए अधिकारियों को अपने साथ बिठा लेते थे। लंच का मीनू ज्यादातर हरी मिर्च के साथ ताजा भुना हुआ लाई चना से लेकर समोसा चाय तक ओपन था। लंच के समय लान में बिल्कुल अनौपचारिक माहौल होता था और उस दिन की चटपटी घटनाओं विशेषकर पुलिस विभाग से संबंधित खबरों व मामलों में खुलकर अनौपचारिक चर्चा होती थी। उस दिन कानपुर से प्रकाशित किसी दैनिक समाचार पत्र में "...और डकैत जज साहब की जय बोलते हुए चले गए, शीर्षक समाचार छपा था जिस पर विमर्श जारी था।

कानपुर देहात में यमुना के बीहड़ से सटे हुए थानों में डकैती की गंभीर घटनाएं पुलिस के लिए बड़ी चुनौती थी। उसी समय थाना घाटमपुर या भोगनीपुर में हुई एक डकैती की प्रथम सूचना रिपोर्ट में वादी ने पूरी घटना का लिखित विवरण देने के साथ ही अंत में यह भी लिखा था और लूटपाट करने के बाद जाते समय डकैत जज साहब की जय बोलते हुए चले गए " यह वाक्य हर ओर चर्चा का विषय बना हुआ था। मामला यह था कि उन दिनों डकैती की घटनाओं में पकड़े गए संदिग्ध अभियुक्तों +को कार्यवाही शिनाख्त के लिए बा पर्दा जेल भेजा जाता था। पुलिस द्वारा छह माह में कार्यवाही शिनाख्त पूरी न कराने पर ज्यादातर मामलों में अभियुक्तों को सशर्त जमानत मिल जाती थी। कभी-कभी पुलिस द्वारा जानबूझकर कार्यवाही शिनाख्त कराने में इसलिए विलंब किया जाता था कि इसी बहाने अपराधी कम से कम 6 माह तक जेल में बने रहेंगे और अपराध में कमी आएगी। डकैती के मामलों के जज साहब कुछ स्वतंत्र विचार के थे। अपने न्यायिक अधिकार के तहत वे ज्यादातर मामलों में कार्यवाही शिनाख्त लंबित रहने पर भी दो-तीन माह में अभियुक्तों को सशर्त जमानत दे देते थे। इससे न केवल अपराधियों में पुलिस का खौफ कम हुआ था बल्कि डकैती की घटनाएं बढ़ रही थी और थानाध्यक्ष की विभागीय फजीहत भी हो रही थी। उन्हें कोई उपाय नहीं सूझ रहा था। बेहद परेशान हालत में अपनी कुर्सी खतरे में नजर आ रही थी। डकैती की अगली घटना होने पर थानाध्यक्ष ने वादी को अपनी हिकमत अमली से हमवार करके उसके द्वारा दी गई तहरीर में यह भी लिखवा दिया कि जाते समय डकैत जज साहब की जय बोलते हुए चले गए। इस पर पुलिस व न्यायिक अधिकारियों के बीच तनातनी व हंगामा होना स्वाभाविक था और हुआ भी लेकिन तकनीकी दृष्टि से वादी के हमवार होने के कारण थानाध्यक्ष जांच में अपने को बचाने में सफल रहे। जाहिर है कि उसके पश्चात जज साहब डकैतों की जमानत देने में उतने उदार नहीं रह सके।

कानपुर के डॉक्टर दंपती ने छत को बना दिया खेत, बड़ी मात्रा में उगा रहे बिना पेस्टिसाइड वाली आर्गेनिक सब्जियां और फल

शौक, सेहत और स्वाद का खजाना बना टेरेस गार्डन

टेरेस गार्डन के शौक में कानपुर के एक प्रसिद्ध डॉक्टर दंपति ने पांच साल की मेहनत से अपने घर की छत को खेत में बदल दिया। उनकी छत पर अब सभी तरह की मौसमी सब्जियां उगाई जाती हैं। डॉ. अनुराधा गुप्ता व डॉ. निखिल गुप्ता हरी पत्तेदार सब्जियों के अलावा आलू, टमाटर, शकरकंद, गोभी जैसी अनेक सब्जियों की खेती कर रहे हैं। पिछले सीजन में उन्होंने 40 किलो आलू की पैदावार का रिकार्ड बनाया था। डॉक्टर दंपति का कहना है कि टेरेस गार्डन का शौक अब सेहत और स्वाद में बदल चुका है। थोड़ी सी मेहनत से बिना पेस्टिसाइड वाली आर्गेनिक सब्जियों के साथ प्रकृति के करीब रहने का शौक पूरा हो रहा है।

सिविल लाइंस स्थित डॉक्टर दंपति ने अपने घर और नर्सिंग होम की छत पर आकर्षक फूलों वाले पौधों के साथ हर तरह का मौसमी सब्जियां उगाने का इंतजाम कर रखा है। डॉ. निखिल गुप्ता ने बताया कि इस गार्डन की उन लोगों ने कोविड काल में शुरुआत की थी। प्रकृति के साथ जुड़ने का यह संस्कार उनकी पत्नी को मायके से मिला था।

कोविड के दौरान घर पर रहने से शौक तेजी से परवान चढ़ा। आज स्थिति यह है कि उनके यहां इतनी सब्जियां व फल मिलते हैं कि उन्हें सब्जियां खरीदने के लिए बाजार नहीं जाना होता है। डॉ. अनुराधा गुप्ता ने बताया कि मायके से मिले हुनर को उन्होंने कोरोनाकाल के दौरान घर की छत पर इस्तेमाल किया। अब उनके यहां हर तरह की पत्तेदार और मौसमी सब्जियों सहित मौसमी फल उगाए जाते हैं।

प्रस्तुति: राजीव त्रिवेदी, कानपुर

न्यूनतम मिट्टी के साथ खुद की बनाई खाद का इस्तेमाल

- डॉ अनुराधा गुप्ता ने बताया कि तीन हजार स्क्वायर फिट में दो फ्लोर की छत पर बना बगीचे में पौधों को उगाने के लिए वे मिट्टी का कम से कम इस्तेमाल करती हैं। गमलों में वे घर की सब्जियों से निकला 'वेस्ट', पार्क में गिरने वाली पत्तियां, चावल की भूसी और गोबर की खाद का प्रयोग करती हैं। इससे कचरा प्रबंधन के साथ ही सब्जियों की उपज भी बढ़िया होती है।

छत पर भार न पड़े, इसलिए बनवाए तिरपाल के गमले

- पौधों की संख्या अधिक होने पर छत पर बोझ अधिक न पड़े इसके लिए डॉक्टर दंपत्ति ने मिट्टी या सीमेंट के गमलों का इस्तेमाल नहीं किया। इससे छत पर भार अधिक होने का खतरा था। उन्होंने आर्डर देकर तिरपाल के स्पेशल गमले बनवाए। इनका इस्तेमाल सब्जियां और फल उगाने के लिए किया।

कीटनाशक की जगह नीम के तेल का इस्तेमाल

- छत में उगने वाली सब्जियों का स्वाद बाजार में मिलने वाली सब्जियों से अलग होता है। इसकी वजह इन सब्जियों का ताजा होना और पेस्टिसाइड का प्रयोग न होना है। डॉक्टर दंपति सब्जियों में कीटनाशक के रूप में नीम के तेल का प्रयोग करते हैं। इससे वह सेहत के लिए पूरी तरह से सुरक्षित रहती हैं।

...जीवन रहने तक बचाएंगे मरीजों की सांसें

एडी हेल्थ पद से सेवानिवृत्त डॉ. एसके गर्ग कहते हैं कि सेवानिवृत्ति नौकरी से होती है न कि सेवा से। डॉ. गर्ग ने इस मूलमंत्र को अपने जीवन का आदर्श बना लिया है। दो जिलों में बतौर सीएमओ रहकर चेस्ट फिजिशियन के रूप में मरीजों की सेवा की। यह सेवा निरंतर जारी है। सेवानिवृत्त होने के बाद भी डॉ. गर्ग अपने घर में क्लीनिक खोलकर मरीजों का नि:शुल्क इलाज कर रहे हैं। डॉ. एसके गर्ग ने अपने सेवा भाव से जुड़े कई संस्मरण अमृत विचार से साझा किए...

एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद वर्ष 1988 में लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज (अब केजीएमयू) में विशेषज्ञता में एमडी चेस्ट की पढ़ाई कर रहा था, चूंकि कॉलेज में 300 बेड अस्पताल में भर्ती मरीजों को इलाज देने की जिम्मेदारी बतौर रेजिडेंट डॉक्टर मुझे दी गई थी। कॉलेज आते वक्त नई मोटर साइकिल का टायर पंक्चर हो गया। देर रात में इधर-उधर ताकने लगा, लेकिन सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ था। इसी बीच स्कूटर पर सवार युवा मेरे पास आकर रुका और बोला डॉक्टर साहब नमस्कार, मैं चौंक गया कि ये मुझे कैसे जानता है। उसने जो बात कही वह आज भी जेहन में जिंदा है। उसने कहा आपके इलाज से ही मेरे पिता आज टीबी जैसी बीमारी से स्वस्थ हो गए हैं। उसने इतनी रात में बाइक का टायर खोलकर दूर कहीं से पंक्चर जुड़वा कर मेरी बाइक में खुद टायर लगाया... ऐसे कई वाकया जीवन में हुए, जिसने मेरे डॉक्टर बनने के निर्णय को सार्थक कर दिया।

दरअसल, मेरे पिता सोहन लाल सरकारी विभाग में इंजीनियर थे। दादा मुझे भी पिता की तरह ही इंजीनियर बनाने को प्रेरित करते, लेकिन पिता जब भी किसी सरकारी अस्पताल में निर्माण संबंधी कार्य के लिए जाते तो डॉक्टर को देखकर प्रभावित होते थे और मुझे डॉक्टर बनने के लिए कहा करते थे। मैंने वर्ष 1988 में चेस्ट फिजिशियन की पढ़ाई

पूरी करते ही स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं आरंभ कर दीं। फिर मरीज हित को ही कर्तव्य मानकर हर दायित्व का निर्वहन किया। मेरी सांसें चलने तक मरीजों की सांसें बचाने का पुनीत कार्य जारी रहेगा। वह बताते हैं कि शाहजहांपुर और बरेली में बतौर मुख्य चिकित्सा अधिकारी जैसे शीर्षस्थ पदों पर आसीन होने से पहले एक डॉक्टर और मरीज के प्रति सेवा के भाव को सार्थक कर दिया था। मैंने वर्ष 1998 से 2004 तक बरेली जिला अस्पताल में टीबी वार्ड प्रभारी रहकर मरीजों का इलाज किया, वहीं 2017 से 2020 तक बरेली में ही जिला क्षय रोग अधिकारी रहते हुए व्यापक रूप से अभियान चलाकर 50 हजार से अधिक टीबी के लक्षण वाले रोगी नोटिफाई किए। जो कि अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। वह कहते हैं कि नौकरी के हर दायित्व से उन्हें कुछ न कुछ सीख मिली। जिला क्षय रोग केंद्र पर घंटों मरीज इंतजार करने के बाद उनके पास पहुंचते थे। इसके बाद कम समय देने पर मरीज झल्ला जाते थे, गुस्सा करते थे। इस पर मेरे मन में टीस उठी क्यों न इन मरीजों को घर पर ही बुलाकर देखा जाए। उन्होंने बरेली के अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (एडी हेल्थ) के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद वर्ष 2022 से घर पर ही क्लीनिक खोलकर टीबी रोगियों का निःशुल्क इलाज करना आरंभ कर दिया जो कि वर्तमान में भी जारी है। चौपुला चौराहा स्थित अपने निजी निवास पर रोजाना 30 से 40 मरीजों को क्लीनिक पर ही इलाज दे रहे हैं।

बताते हैं कि किसी भी ऐसे क्षेत्र से जुड़ा पेशेवर जो कि समाज हित में कार्य कर चुका हो उसको अपनी सेवाएं आरंभ रखनी चाहिए। उनका मानना है कि सेवानिवृत्त नौकरी से होते हैं न कि सेवा से, इसलिए जब तक जिंदगी है मरीजों की सांसें बचाएंगे। डॉ. गर्ग बताते हैं कि करीब तीन साल से वह रोजाना सुबह 11 बजे आवास पर बने क्लीनिक पर बैठ जाते हैं और मरीजों के आने का सिलसिला जारी हो जाता है। बीती 16 जुलाई को राज्य क्षय रोग अधिकारी ने उन्हें पत्र भेजकर सेवा भाव की सराहना की। साथ में, डॉ. गर्ग की तरह चेस्ट विशेषज्ञों की सूची भी देने का आग्रह किया जो कि निशुल्क सेवा प्रदान करने के इच्छुक हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,463.09	24,837
गिरावट	721.08	225.10
प्रतिशत में	0.88	0.90

सोना : 99,120 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,15,000 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, शनिवार, 26 जुलाई 2025
www.amritvichar.com

ब्रिटेन के साथ एफटीए से भारत को फायदा

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा- दूसरे देशों के साथ भी समझौतों की जरूरत

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर का शुक्रवार को स्वागत करते हुए कहा कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों को मदद मिलेगी। एफई मॉडर्न बीएफएसआई (बैंक, वित्तीय सेवा और बीमा) शिखर सम्मेलन में यहां मल्होत्रा ने कहा कि बहुपक्षवाद अब बीते दिन की बात है और भारत को अन्य देशों के साथ भी ऐसे समझौतों (जैसे ब्रिटेन एफटीए) की जरूरत है। लंदन में ब्रिटेन के साथ हुए व्यापार समझौते पर केंद्रीय बैंक की यह पहली टिप्पणी है।

मल्होत्रा ने कहा, उम्मीद है कि ब्रिटेन के साथ एफटीए से हमें मदद मिलेगी... अब आगे बढ़ने का यही रास्ता है, क्योंकि दुर्भाग्य से बहुपक्षवाद पीछे छूट गया है। उन्होंने साथ ही कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि वर्तमान वास्तविकताओं को देखते हुए जहां बहुपक्षवाद पीछे छूट गया है ...भारत के लिए अन्य देशों के साथ ऐसे और अधिक समझौते करना आवश्यक है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ऐसे कई समझौतों पर बातचीत जारी है। इस समझौते को आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) कहा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की उपस्थिति में इस पर लंदन में बृहस्पतिवार को हस्ताक्षर किए गए। इससे दोनों देशों के लिए वस्तुओं और सेवाओं के बाजार खुलेंगे। इस बीच, मल्होत्रा ने अमेरिकी केंद्रीय बैंक प्रमुख जेरोम पॉवेल के काम का समर्थन किया है। यह समर्थन उन्होंने ऐसे समय किया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी (फेडरल की) नीतियों पर अपनी निराशा सार्वजनिक तौर पर व्यक्त की है। मल्होत्रा ने कहा, वह (पॉवेल) बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता बनाए रखना बेहद जरूरी है। मुझे लगता है कि उन्होंने सराहनीय काम किया है।

● एफई मॉडर्न बीएफएसआई शिखर सम्मेलन में कहा बहुपक्षवाद अब बीते दिनों की बात

क्रिप्टोकरेंसी विनियमन पर मल्होत्रा ने कहा कि भारत में इस मुद्दे पर विचार करने के लिए सरकार द्वारा नियुक्त सीमित, आरबीआई की चिंताओं पर गौर करेगी।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि ब्रिक्स समूह के लिए अलग मुद्रा पर कोई काम नहीं जारी है। किसी भी अन्य देश की तरह भारत भी अपनी मुद्रा को लोकप्रिय बनाने पर काम कर रहा है और अमेरिकी डॉलर यहां बना रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत का संयुक्त अरब अमीरात के साथ समझौता है और वह मालदीव के साथ भी रुपये में व्यापार के संबंध में कुछ समझौते पर विचार कर रहा है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि अमेरिकी डॉलर वैश्विक वित्तीय प्रणाली में अपनी प्रमुख स्थिति बनाए रखेगा और निकट भविष्य में इस स्थिति में कोई बड़ा बदलाव आने की संभावना नहीं है क्योंकि आपको एक सार्वभौमिक सीमा-पार मुद्रा की आवश्यकता है। उन्होंने रूस पर प्रतिबंधों के बावजूद तेल खरीद के प्रबंधन में पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा किए गए कार्यों की भी सराहना की।

मुद्रास्फीति, वृद्धि की संभावनाओं से तय होगी ब्याज दर में कटौती

मुंबई। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि मुद्रास्फीति और वृद्धि की संभावनाएं भविष्य में ब्याज दर कटौती तय करेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान आंकड़े इस फैसले को प्रभावित नहीं करेंगे। गौरतलब है कि जून में मुद्रास्फीति में भारी गिरावट आई है। मल्होत्रा ने यहां 'एफई मॉडर्न बीएफएसआई शिखर सम्मेलन' में कहा कि आरबीआई की दरों में कटौती से परिसंपत्तियों में उछाल नहीं आएगा और केंद्रीय बैंक के पास अर्थव्यवस्था की मदद के लिए दरों में कटौती के अलावा और भी कई उपाय मौजूद हैं। गौरतलब है कि आरबीआई ने इस साल अपनी प्रमुख उधारी दरों में एक प्रतिशत की कटौती की, और आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि प्रमुख मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले घटकर 2.1 प्रतिशत रह गई है। ऐसे में आगे और नरमी की उम्मीदें बढ़ गई हैं। कहा, दरों में कटौती मौजूदा आंकड़ों के बजाय भविष्य में वृद्धि और मुद्रास्फीति दोनों की संभावनाओं पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा, हमें यह याद रखना होगा कि मौद्रिक नीति का असर कुछ देरी के साथ होता है, इसलिए दरों पर निर्णय लेते समय मुद्रास्फीति जैसे प्रमुख आंकड़ों के 12 महीने तक के पुर्वानुमान को ध्यान में रखा जाता है। जून तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इस साल बैंकों ने ऋण दरों में लगभग आधा प्रतिशत की कमी की है। जबकि रिजर्व बैंक ने फरवरी से लेकर अबतक दर में एक प्रतिशत की कटौती की है।

बिकवाली दबाव से बाजार एक माह के निचले स्तर पर, सेंसेक्स 721 अंक टूटा

● विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच वित्तीय, आईटी और तेल एवं गैस शेयरों में भारी बिकवाली

मुंबई, एजेंसी

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच वित्तीय, आईटी और तेल एवं गैस शेयरों में भारी बिकवाली होने से शुक्रवार को स्थानीय शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। सेंसेक्स 721 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी में 225 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 721.08 अंक यानी 0.88 प्रतिशत टूटकर एक महीने के निचले स्तर 81,463.09 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 786.48 अंक गिरकर 81,397.69 अंक पर आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी भी बिकवाली के दबाव में 225.10 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ एक महीने के निचले स्तर 24,837 अंक पर आ गया। विश्लेषकों ने कहा कि एशियाई और यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुख ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। साप्ताहिक आधार पर बीएसई सेंसेक्स में इस हफ्ते 294.64 अंक यानी 0.36 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी में 131.4 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से बजाज फाइनेंस के शेयरों में जून तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद सर्वाधिक 4.73 प्रतिशत की गिरावट आई।

कंपनियों के नरम तिमाही नतीजों और निराशाजनक वैश्विक संकेत गिरावट का कारण : नायर

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, कंपनियों के नरम तिमाही नतीजों और निराशाजनक वैश्विक संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजारों में व्यापक बिकवाली हुई। प्रमुख शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन और विदेशी संस्थागत निवेशकों की शॉर्ट पोजीशन ने भी गिरावट को बढ़ा दिया।" छोटी कंपनियों के सूचकांक बीएसई स्मालकैप में 1.88 प्रतिशत और मझोली कंपनियों के मिडकैप सूचकांक में 1.46 प्रतिशत की गिरावट रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में से उपयोगिता खंड में 2.37 प्रतिशत, बिजली खंड में 2.36 प्रतिशत और तेल एवं गैस खंड में 2.11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई पर सूचीबद्ध 2,892 शेयरों में गिरावट रही जबकि 1,117 शेयर चढ़कर बंद हुए और 145 अन्य अपरिवर्तित रहे।

भारत ने 20% एथनॉल मिश्रण लक्ष्य को निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले किया हासिल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पांच साल पहले ही हासिल कर लिया है। भारतीय चीनी एवं जैव ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) ने शुक्रवार को बयान में कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रशासन के तहत 2014 में कार्यक्रम की शुरुआत के समय की मामूली 1.5 प्रतिशत मिश्रण दर के बाद उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है।

चीनी उद्योग निकाय इस्मा के आंकड़ों के अनुसार, एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम ने पर्याप्त आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ प्रदान किए हैं। एथनॉल उत्पादन 2014 में 38 करोड़ लीटर से बढ़कर जून 2025 तक 661 करोड़ लीटर हो गया, जबकि कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 698 लाख टन की कमी आई। इस कार्यक्रम ने भारत के कृषि क्षेत्र को महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ प्रदान किया है, जिससे किसानों को 1.18 लाख करोड़ रुपये और 'डिस्टिलरी' को 1.96 लाख करोड़ की आय हुई है। इस पहल से भारत को विदेशी मुद्रा लागत में 1.36 लाख करोड़ की बचत करने में भी मदद मिली है। इस्मा के महानिदेशक दीपक बल्लानी ने कहा, यह उपलब्धि भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता और ग्रामीण समृद्धि के लिए एक बड़ी छलांग है।

● भारतीय चीनी एवं जैव ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) की रिपोर्ट

सरकार का हरित इस्पात की सार्वजनिक खरीद को अनिवार्य बनाने पर विचार

नई दिल्ली। सरकार हरित इस्पात की सार्वजनिक खरीद को अनिवार्य बनाने के तौर-तरीकों पर विचार कर रही है, जो पारंपरिक रूप से कार्बन उत्सर्जन के साथ बने इस्पात से बदलाव की दिशा में एक कदम है। पारंपरिक तरीकों की तुलना में काफी कम कार्बन उत्सर्जन के साथ बने इस्पात को हरित इस्पात कहते हैं।

इस्पात मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार अश्विनी कुमार ने कहा, हरित इस्पात बाजार में होगा और कम हरित इस्पात से प्रतिस्पर्धा करेगा। उन्होंने एसोचैम के कार्यक्रम 'इंडिया स्टील कॉन्क्लेव 2025' को संबोधित करते हुए कहा, हरित इस्पात की सार्वजनिक खरीद को अनिवार्य बनाने की जरूरत है। हम इस पर भी काम कर रहे हैं। कुमार ने कहा, यह एक पेचीदा काम है। मुझे नहीं पता कि हरित इस्पात की सार्वजनिक खरीद कब लागू होगी, लेकिन अभी भी तौर-तरीकों पर विचार किया जा रहा है।

व्यापार समझौते में ब्रिटेन से कार्बन कर छूट प्राप्त करने में विफल रहा भारत: जीटीआरआई

● अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाले उत्पादों के निर्यात पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में भारत कार्बन कर से छूट हासिल करने में असमर्थ रहा। इससे ब्रिटेन में भारत के कार्बन का अधिक उत्सर्जन करने वाले उत्पादों के निर्यात पर असर पड़ेगा। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को यह बात कही। ब्रिटेन सरकार ने 2027 से अपने कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) को लागू करने का दिसंबर 2023 में फैसला किया था।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि सीबीएएम (कार्बन सीमा समायोजन तंत्र) पर छूट या छूट का प्रावधान न होने से भारत ने कार्बन का अधिक उत्सर्जन करने वाले उत्पादों के निर्यात में छूट हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर खो दिया है। उन्होंने कहा, जनवरी 2027 से ब्रिटेन, भारतीय इस्पात एवं एल्युमीनियम पर कार्बन कर लगा सकता है, जबकि हम ब्रिटेन के सामानों को शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करते हैं। यह एक गंभीर असमानता है। यूरोपीय संघ के साथ भारत के व्यापार समझौते में भी यही व्यवहार अपेक्षित है।

हस्तनिर्मित उत्पादों को मिलेगा बढ़ावा: उद्योग

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच 24 जुलाई को हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते के तहत वस्त्र और परिधानों पर शुल्क खत्म होने से भविष्य में हस्तनिर्मित उत्पादों के लिए मजबूत अवसर खुलेंगे। हस्तनिर्मित फैशन और रेशा शिल्प आपूर्तिकर्ता कंपनी मैजिक नीडल की संस्थापक हीना पटेल ने यह उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि भारत में कुशल कारीगरों की बहुत बड़ी संख्या है और निष्पक्ष व्यापार नीतियां वैश्विक मांग को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। इससे कलाकारों और रचनाकारों को वह मंच और पहचान मिल सकती है, जिसके वे हकदार हैं। पटेल ने कहा कि सब्सिडी, वित्तपोषण और सरल निर्यात प्रक्रियाओं तक पहुंच को सुव्यवस्थित करने के लिए सरकारी समर्थन से छोटे ब्रांडों को मदद मिलेगी।

सब्सिडी देकर तिल की खेती को प्रोत्साहन दे रही योगी सरकार

लखनऊ, एजेंसी

छोटे और सीमांत किसानों को सहयोग करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह तिल की खेती करने वाले किसानों को बीज पर 95 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से सब्सिडी की पेशकश कर रही है। सरकार ने एक बयान जारी कर कहा कि खरीफ में प्रदेश में लगभग पांच लाख हेक्टेयर में तिल की खेती की जाती है। कृषि विभाग तिल के बीजों पर 95 रुपये प्रति किग्रा की दर से सब्सिडी उपलब्ध करा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर तिल की खेती के लिए कृषि विभाग किसानों को वैज्ञानिक विधि भी सिखा रहा है। तिल का न्यूनतम समर्थन मूल्य 9,846 रुपये प्रति क्विंटल है। बयान के मुताबिक, तिल की प्रमुख प्रजातियां आरटी-346 और आरटी-351, गुजरात तिल-6, आरटी-372, एमटी-2013-3 और बीयूएटी तिल-1 हैं। कृषि विभाग इनके बीजों पर 95 रुपये प्रति किग्रा की दर पर सब्सिडी उपलब्ध करा रहा है। कृषि विभाग का मानना है कि वर्तमान में किसानों के पास कृषि जोत के रूप में बहुत सी ऐसी भूमि बुवाई से खाली पड़ी रहती है, जिसका उपयोग सूक्ष्म सिंचाई साधनों का प्रयोग कर तिल की खेती के रूप में किया जा सकता है। इससे किसान अतिरिक्त आय भी प्राप्त कर सकते हैं। बयान में कहा गया है कि परंपरागत विधि से तिल की खेती करने पर चार से छह क्विंटल प्रति हेक्टेयर, जबकि वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर लगभग आठ से 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त होती है।

● बीज पर 95 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी

लोस में गतिरोध खत्म करने पर बनी सहमति

अगले सप्ताह पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर होगी चर्चा

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद में विपक्ष द्वारा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर हंगामे के कारण मानसून सत्र के पहले दिन से जारी गतिरोध शुक्रवार को भी समाप्त नहीं हुआ, हालांकि लोकसभा एवं राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) में बनी सहमति के अनुसार अगले सप्ताह से दोनों सदनों में कामकाज होने की संभावना है।

शुक्रवार को विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे के उपरांत और राज्यसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर बारह बजे के पश्चात पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गयी। हंगामे के कारण दोनों सदनों में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं चल सके। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सत्ता पक्ष और विपक्ष के प्रतिनिधियों की शुक्रवार को हुई बैठक में फैसला किया गया कि सदन में गतिरोध खत्म करके अगले सोमवार से कार्यवाही नियमित रूप से संचालित की जाएगी। निचले सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अगले सोमवार से सदन में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा होगी। राज्यसभा की बीएसी बैठक में पहले ही यह तय हो चुका है कि अगले सप्ताह उच्च सदन में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होगी। लोकसभा में आज पूर्वाह्न 11 बजे जैसे ही अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया, विपक्षी दलों के सदस्य 'एसआईआर वापस लो' के नारे लगाने लगे। बिरला ने हंगामा कर रहे सदस्यों के तख्तियां दिखाने और नारेबाजी करने पर निराशा जताते हुए कहा, मैं पिछले कुछ दिन से देख रहा हूं कि सदन को नियोजित तरीके से बाधित किया जा रहा है।

संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन करते विपक्षी नेता। ● एजेंसी

न्यायमूर्ति वर्मा को पद से हटाने की कार्यवाही लोकसभा में शुरू होगी: रीजीजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि भ्रष्टाचार के एक संदिग्ध मामले में आरोप का सामना कर रहे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को न्यायाधीश के पद से हटाने का प्रस्ताव लोकसभा में लाया जाएगा। रीजीजू ने कहा कि न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई के लिए सभी दलों ने एकजुट होकर आगे बढ़ने पर सहमति जताई है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्यसभा में इसी तरह के प्रस्ताव के लिए विपक्ष के नोटिस को उच्च सदन में स्वीकार नहीं किया गया, जिससे निचले सदन के लिए यह प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश वर्मा के खिलाफ आरोप की जांच के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा तीन सदस्यीय अन्वेषण समिति की घोषणा किये जाने की उम्मीद है।

जांबाजी

लद्दाख के द्रास में कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक पोशाक पहने 8वीं माउंटेन डिवीजन के सैन्यकर्मी कौशल का प्रदर्शन करते हुए। ● एजेंसी

एयर इंडिया ने प्रशिक्षण, मानक प्रक्रियाओं में सुधार किया: सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी

एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने शुक्रवार को कहा कि एयरलाइन ने प्रशिक्षण एवं मानकों में सुधार करने के साथ ही सुरक्षा व अन्य मामलों की रिपोर्टिंग बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित किया हुआ है। विल्सन का यह बयान 12 जून को हुई भीषण विमान दुर्घटना की पृष्ठभूमि में आया है।

इस हादसे में एयर इंडिया का बोइंग विमान अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था विल्सन ने दुर्घटना के बाद गहन पड़ताल के दौर को स्वाभाविक बताते हुए कहा कि सभी टिप्पणियों को रचनात्मक रूप से लेना चाहिए। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने दुर्घटना के बाद कड़ी जांच का सामना किया है। इस दौरान उसने उड़ानों में अस्थायी कटौती और बोइंग 787 एवं 737 विमानों के बेड़े का निरीक्षण पूरा करने जैसे उपाय किए हैं। विल्सन ने कर्मचारियों को एक संदेश में कहा कि हाल के वर्षों में प्रशिक्षण में सुधार, एसओपी लागू करने, मानकों को मजबूत करने, अनुपालन एवं निरंतरता लाने के लिए प्रक्रियाओं को स्थापित करने पर काम किया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1,337 स्टेशन चिन्हित : सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में अब तक 1,337 रेलवे स्टेशनों को विकास के लिए चिन्हित किया है जिनमें गुजरात के 87 और उत्तराखंड के 11 स्टेशन शामिल हैं। रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुजरात राज्य में चिन्हित स्टेशनों पर विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया, अब तक गुजरात के 18 स्टेशनों पर पहले चरण के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। इनमें डाकोर, डेरोल, हापा, जामजोधपुर, जाम वंथली, कणालुस जंक्शन, करमसद, कोसांबा जंक्शन, लिम्बडी, महुवा, मीठापुर, मोरबी, ओखा, पालीताना, राजुला जंक्शन, सामाखियाली, सिहोर जंक्शन और उत्राण स्टेशन शामिल हैं।

वैष्णव ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों का दीर्घकालिक दृष्टिकोण से सतत विकास किया जा रहा है और इसके अंतर्गत प्रत्येक स्टेशन के लिए मास्टर प्लान तैयार कर उसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाता है।

जदयू-भाजपा तेजस्वी की हत्या की साजिश रच रहे : राबड़ी देवी

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ जनता दल (यूनाइटेड) और भारतीय जनता पार्टी गठबंधन ने विधानसभा चुनाव से पहले उनके बेटे तेजस्वी यादव की हत्या की साजिश रची है।

विधान परिषद में विपक्ष की नेता ने यह भी दावा किया कि तेजस्वी की हत्या की कोशिश पहले भी कम से कम दो, तीन या चार बार की जा चुकी है। राजद की नेता से एक दिन पहले विधानसभा के अंदर हुई घटनाओं के बारे में पूछा गया था जहां सत्ता पक्ष के कुछ सदस्यों ने निचले सदन में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ आक्रामक रुख दिखाया था।

जाति जनगणना नहीं करवा पाना मेरी गलती : राहुल

● कहा- अब इसे सुधारने के प्रयास कर रहा हूं

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी के सत्ता में रहने के दौरान जाति जनगणना नहीं करवा पाना उनकी गलती है, लेकिन अब उन्होंने इस गलती को सुधारने के लिए कदम बढ़ाया है। उन्होंने यह भी कहा कि जाति जनगणना का मुद्दा 'राजनीतिक भूकंप' है जिसने देश की राजनीतिक जमीन को हिलाकर रख दिया है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यहां कांग्रेस के 'ओबीसी भागीदारी न्याय सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा, मै 2004 से राजनीति कर रहा हूं। जब मैं अपना मूल्यांकन करता हूं तो पाता हूं कि कहीं अच्छा काम किया तो कहीं कमी भी रह गई...आदिवासियों, दलितों और अल्पसंख्यकों की बात हो, मुझे अच्छे नंबर मिलने चाहिए। महिलाओं के मुद्दे पर मुझे अच्छे नंबर मिलने चाहिए। लेकिन मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो एक बात स्पष्ट दिखती है कि एक चीज में कमी रह गई थी। यह एक गलती मैंने की, वह यह है कि ओबीसी वर्ग (के हितों की) रक्षा जिस तरह से करनी थी, वो मैंने नहीं की। इसका कारण यह है कि आपके मुद्दे मुझे उस समय गहराई से समझ नहीं आए थे। कहा कि दलितों की कठिनाइयों को समझना आसान है...आदिवासियों के मुद्दे भी आसानी से समझ आ जाते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

जलगांव से 50 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त

मुंबई। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में पुलिस ने 50 करोड़ रुपये मूल्य का 39 किलो 'एम्फेटामाइन' नामक मादक पदार्थ जब्त किया है। एक अधिकारी ने बताया कि इस जब्ती और एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के साथ कथित सांठगांठ के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर चालीसगांव राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलिस ने बृहस्पतिवार देर रात एक कार को रोका। तलाशी लेने के बाद लगभग 50 करोड़ रुपये मूल्य की 39 किलो एम्फेटामाइन बरामद की गई। प्रतिबंधित दवा दिल्ली से इंदौर, धुले, चालीसगांव और छत्रपति संभाजी नगर होते हुए बेंगलुरु ले जाई जा रही थी।

सीरिया में आईएस का कमांडर हिरासत में

दमिश्क। अमेरिकी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना ने गुरुवार तड़के उत्तरी सीरिया में छापामार कार्रवाई में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक वरिष्ठ कमांडर सहित कई अन्य को गिरफ्तार किया। निजी 'सीरिया टीवी' चैनल के अनुसार अलेप्पो प्रांत के पूर्वी ग्रामीण इलाके में अल-बाब शहर के ऊपर गठबंधन सेना के तीन हेलीकॉप्टर कम ऊंचाई पर उड़ते देखे गए। इसके बाद विशेष बलों ने एक आवासीय इमारत पर धावा बोल दिया। इस अभियान में सीरिया के रक्षा और आंतरिक अधिकारियों की इकाइयां भी शामिल थीं। हिरासत में लिए गए आईएस कमांडर की पहचान उजागर नहीं की गई है।

इंग्लैंड में चिकित्सक 5 दिवसीय हड़ताल पर

लंदन। इंग्लैंड में सरकार द्वारा वित्तपोषित स्वास्थ्य प्रणाली के हजारों चिकित्सक शुक्रवार को वेतन के मुद्दे को लेकर पांच दिवसीय हड़ताल पर चले गए। करियर के शुरुआती दौर में अस्पताल और क्लिनिक देखभाल की रीढ़ रेजीडेंट चिकित्सक सरकार के साथ वार्ता विफल होने के बाद अस्पतालों के बाहर धरना दे रहे हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा ने कहा कि आपातकालीन विभाग खुले रहेंगे और अस्पताल और क्लीनिक यथासंभव मरीजों को सेवा मुहैया कराने का प्रयास करेंगे। चिकित्सक वेतन वृद्धि की मांग कर रहे हैं कि 2008 से उनके वेतन में 20 प्रतिशत की कटौती की भरपाई की जा सके।

तकनीकी खराबी के बाद जयपुर लौटा विमान

जयपुर। एअर इंडिया का एक विमान शुक्रवार को उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने के बाद जयपुर हवाई अड्डे पर लौट आया। एअर इंडिया के एक बयान के अनुसार, "जयपुर से मुंबई जा रहा विमान एआई 612, संदिग्ध तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद जयपुर लौट आया।" बयान में कहा गया है, "समस्या निवारण जांच की गई और यह एक गलत संकेत पाया गया। विमान को उड़ान के लिए मंजूरी दे दी गई और वह अपने गंतव्य मुंबई के लिए रवाना हो गया।"

रूस ने एक साथ 20 उपग्रहों को किया प्रक्षेपित, एक ईरान का

व्लादिवोस्तोक, एजेंसी

- **विकिरण वातावरण की निगरानी में भी मदद करेंगे ये उपग्रह**

रूस ने शुक्रवार को 20 उपग्रहों को अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया जिनमें एक ईरानी दूरसंचार उपग्रह भी शामिल है। रूसी सरकारी अंतरिक्ष निगम रोस्कोस्मोस ने यह घोषणा की।

रोस्कोस्मोस ने बताया कि सोयूज-2.1 बी वाहक रॉकेट रूस के सुदूर पूर्व में वोस्तोचनी कॉस्मोड्रोम से मॉस्को समयानुसार सुबह 8:54 बजे प्रक्षेपित हुआ। इस मिशन का मुख्य पेलोड आयनोस्फेरा-एम उपग्रह संख्या 3 और संख्या 4 थे, जिन्हें पृथ्वी के आयनमंडल में प्राकृतिक और मानव-जनित दोनों कारकों के कारण होने वाली भौतिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करने के लिए डिजाइन किया गया था। इनमें आयनमंडल की स्थानिक और लौकिक संरचना में परिवर्तन, विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र में गड़बड़ी, ऊपरी वायुमंडल की संरचना और ओजोन वितरण शामिल हैं। ये उपग्रह विकिरण वातावरण की निगरानी में भी मदद करेंगे। इस प्रक्षेपण में 18 छोटे उपग्रह भी प्रक्षेपित किए गए। इनमें से नौ उपग्रह रूसी कंपनी जियोस्कैन ने विकसित किए हैं।

वर्ल्ड पासपोर्ट रैंकिंग

भारत की 8 पायदान की छलांग, क्या है महत्व

वर्ल्ड पासपोर्ट रैंकिंग का मतलब है कि किसी देश के पासपोर्ट की दुनिया भर में यात्रा करने की स्वतंत्रता कितनी अधिक है। यह रैंकिंग बताती है कि उस देश का नागरिक कितने देशों में बिना वीजा, वीजा ऑन अराइवल या ई-वीजा के माध्यम से यात्रा कर सकता है। लंदन की ग्लोबल सिटीजन और रेजिडेंस एडवाइजरी फर्म हेनली एंड पार्टनर्स के 2025 के तिमाही अपडेट के मुताबिक पासपोर्ट रैंकिंग में भारत आठ पायदान चढ़कर 77वें स्थान पर पहुंच गया है . जबकि पिछले साल की इसी अवधि के दौरान ये 85वें स्थान पर था। अब भारतीय पासपोर्ट धारक बिना वीजा के 62 देशों की यात्रा कर सकते हैं, जिनमें हैती, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, जमैका, फिजी, ओमान आदि शामिल हैं। सिंगापुर दुनिया भर के 193 गंतव्यों तक वीजामुक्त पहुंच के साथ हेनले पासपोर्ट सूचकांक में लंबे समय से शीर्ष पर है।

कौन करता है पासपोर्ट रैंकिंग

- हेनले पासपोर्ट इन्डेक्स रैंकिंग करता है। हेनले एंड पार्टनर्स एक ग्लोबल सिटिजनशिप और रेजिडेंसी एडवाइजरी फर्म हैं। रैंकिंग का आधार इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन का डेटा होता है।
- हर देश के पासपोर्ट की ताकत इस पर निर्भर करती है कि वह कितने देशों में बिना वीजा, वीजा ऑन अराइवल और ई वीजा के साथ जा सकता है। रैंकिंग में प्रत्येक ऐसे देश के लिए 1 अंक मिलता है।

भारत की ताजा स्थिति

ताजा रैंकिंग में भारतीय पासपोर्ट को 77वां स्थान मिला है, इससे पहले 2023 में उसकी रैंक 85 थी। हाल ही में हुई रैंकिंग ने भारतीय पासपोर्ट ने आठ पायदान की छलांग लगाई है। इसके बाद उसकी वीजा मुक्त और ऑन अराइवल पहुंच 62 देशों में हो गई है।

क्या सुविधाएं बढ़ेंगी

- भारत के रैंकिंग में ऊपर आने से भारतीय पासपोर्टधारकों की ज्यादा देशों में यात्रा आसान होगी। वीजा आवेदन का झंझट और खर्च कम हो जाएगा।
- व्यापार और पर्यटन में सहूलियत बढ़ेगी। भारतीय व्यवसायी और पर्यटक विदेश यात्राओं में अधिक लचीलापन पा सकेंगे।
- शैक्षणिक व सांस्कृतिक संबंधों में वृद्धि का भी फायदा मिलेगा। भारतीय पासपोर्टधारक छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए अधिक अवसर सुलभ होंगे।
- पासपोर्ट की प्रतिष्ठा में वृद्धि सबसे प्रमुख उपलब्धि है। रैंकिंग में ऊपर आने से अन्य देशों में भारत के नागरिकों की स्वीकार्यता बढ़ती है।

पहली रैंक वाले देश

पहली रैंक पाने वाले देश के पासपोर्ट की 194 देशों में वीजामुक्त पहुंच है। इनमें फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, सिंगापुर और स्पेन शामिल हैं।

दूसरी रैंक वाले देश

इस रैंक में आने वाले देशों के पासपोर्ट की 193 देशों में पहुंच होती है। इनमें फिनलैंड, स्वीडन, साउथ कोरिया आदि चुनिंदा देश शामिल हैं।

शीर्ष रैंकिंग पाने के कारण

- शीर्ष रैंकिंग का प्रमुख कारण मजबूत कूटनीतिक संबंध हैं। ज्यादा देशों से द्विपक्षीय वीजा मुक्त समझौते होने के कारण शीर्ष रैंकिंग हासिल होती है।
- कम सुरक्षा जोखिम दूसरा कारण है। इन देशों के नागरिकों के लिए कम जोखिम माना जाता है। इसके अलावा शक्तिशाली अर्थव्यवस्था भी एक कारण है।

ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी, सेना 24 घंटे रखे उच्च स्तर की तैयारी

सीडीएस चौहान ने कहा- सूचना और प्रौद्योगिकी के योद्धा भी भविष्य की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है और देश को चौबीस घंटे व पूरे वर्ष बहुत उच्च स्तर की सैन्य तैयारी रखनी चाहिए। यहां सुब्रतो पार्क में आयोजित रक्षा संगोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में सेना को सूचना योद्धाओं, प्रौद्योगिकी योद्धाओं और विद्वान योद्धाओं की भी जरूरत होगी।

उन्होंने कहा कि युद्ध के इस परिदृश्य में, भावी सैनिकों को सूचना, प्रौद्योगिकी और शिक्षा के मामले में अग्रणी होना होगा। 'नंबर 4 वॉरफेयर एंड एयरोस्पेस स्ट्रेटेजी प्रोग्राम' के तत्वावधान में 'एयरोस्पेस पावर : प्रिजर्विंग इंडियाज सोवरेनिटी एंड फर्दरिंग नेशनल इंट्रस्ट्स' (हवाई शक्तिः भारत की संप्रभुता की सुरक्षा एवं राष्ट्रीय हितों को बढ़ाना) विषय पर यह सेमिनार आयोजित किया गया था। सीडीएस ने कहा कि युद्ध में कोई भी उपविजेता नहीं होता और किसी भी सेना को लगातार सतर्क रहते हुए उच्च स्तर की अभियानगत तैयारी रखनी चाहिए।

जनरल चौहान ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर इसका एक उदाहरण है, जो अब भी जारी है। हमारी तैयारी का स्तर बहुत ऊंचा होना चाहिए, 24 घंटे, 365 दिन। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने सात मई की सुबह ऑपरेशन सिंदूर शुरू करके पाकिस्तान तथा पीओके में आतंकवादियों के कई ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ आक्रामक अभियान शुरू किया और उसके हमलों का जवाब भी ऑपरेशन सिंदूर के तहत ही दिया गया। दस मई की शाम को सहमति बनने के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष रुक गया।

युद्ध की प्रकृति को बदलने वाली नई तकनीकों को समझने और लागू करने के लिए एक तकनीकी योद्धा, और भारत के दृष्टिकोण को समझने और समझाने तथा गलत धारणाओं का प्रतिकार करने के लिए एक 'सूचना योद्धा', और युद्ध के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए सीडीएस ने आधुनिक युद्ध में एक विद्वान योद्धा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और भारत की संप्रभुता की रक्षा और राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका पर जोर दिया।

सेमिनार में मौजूद चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह।

शस्त्र के साथ शास्त्र के बारे में भी सीखने पर जोर

सीडीएस ने शस्त्र और शास्त्र दोनों के बारे में सीखने के महत्व पर भी जोर दिया। जनरल चौहान ने एक विद्वान योद्धा को एक ऐसे सैन्य पेशेवर के रूप में परिभाषित किया, जिसमें बौद्धिक गहराई और युद्ध कौशल का समन्वय हो, जिसके पास मज़बूत शैक्षणिक ज्ञान और व्यावहारिक सैन्य विशेषज्ञता हो, जो उसे जटिल परिस्थितियों का विश्लेषण करने और 'सैन्य लक्ष्यों और उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विविध चुनौतियों' का सामना करने में सक्षम बनाए। प्राचीन भारतीय इतिहास से लेकर विश्व युद्धों और हाल के संघर्षों तक के आधार पर एक विद्वान और योद्धा के बीच संबंधों को परिभाषित करते हुए सीडीएस ने जोर दिया कि आज के सैन्य पेशेवर को 'एक विद्वान योद्धा, एक तकनीकी योद्धा और एक सूचना योद्धा का संतुलित मिश्रण' होना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया शत्रु को वार्ता की मेज पर ला सकते हैं 50 से कम हथियार

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने शुक्रवार को कहा कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखा दिया है कि कैसे 50 से भी कम हथियारों से दुश्मन को बातचीत की मेज पर लाया जा सकता है। उन्होंने इसे एक ऐसा उदाहरण बताया जिसका अध्ययन किया जाना चाहिए। उन्होंने यह बात विचारक संस्था सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज और कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर के एक सम्मेलन में कही। तिवारी ने कहा, हमने लाभ-हानि, खासकर हवाई शक्ति के बारे में काफी चर्चा की। मुझे लगता है कि इससे बड़ा कोई उदाहरण नहीं है जैसा हमने ऑपरेशन सिंदूर में किया। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया कि कैसे 50 से भी कम हथियारों से दुश्मन को वार्ता की मेज पर लाया जा सकता है।

स्वागत

शुक्रवार को मालदीव पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यहां एक होटल में भारतीय समुदाय के लोगों की ओर से स्वागत किया गई। प्रधानमंत्री मोदी ने एक समारोह में भारत की सहायता से बने मालदीव के रक्षा मंत्रालय भवन का उद्घाटन भी किया। एजेंसी

रिश्वतखोरी मामले में ईडी के पूर्व अधिकारी को तीन वर्ष की सजा

नई दिल्ली। सीबीआई की बेंगलुरू स्थित विशेष अदालत ने रिश्वतखोरी के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक पूर्व अधिकारी को तीन वर्ष की सजा के साथ उसपर साढ़े पांच लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। सीबीआई के अनुसार ललित बजाड़ नाम का यह अधिकार बेंगलुरु निदेशालय में कार्यरत था। उस पर एक निजी शिकायतकर्ता से पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने का आरोप था। अधिकारी ने शिकायतकर्ता को कानूनी कार्यवाही में उलझाकर उसके व्यवसाय और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का भी डर दिखाया था।

मानसिक दिव्यांगता पीड़ित बेघर लोगों के पुनर्वास को गंभीरता से ले केंद्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- **सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संवेदनशील मुद्दा बताया, नीति बनाने को कहा**

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि मानसिक सामाजिक दिव्यांगता से पीड़ित बेघर व्यक्तियों का पुनर्वास एक संवेदनशील मुद्दा है और उन्होंने केंद्र को इसे बेहद गंभीरता से लेने का निर्देश दिया।

केंद्र ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को सूचित किया कि प्राधिकारी इस मामले पर पहले से ही विचार कर रहे हैं और बैठकें चल रही हैं। सरकारी वकील ने अदालत को अब तक हुई प्रगति से अवगत कराने के लिए आठ सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया। पीठ ने कहा, आपको इसे बहुत गंभीरता से लेना होगा और जितना संभव हो सके कम समय में लेना होगा। शीर्ष अदालत अधिवक्ता गौरव कुमार बंसल द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मानसिक सामाजिक दिव्यांगता से पीड़ित बेघर लोगों के लिए एक नीति बनाने और उसे लागू करने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। शीर्ष अदालत ने अप्रैल में इस याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा था। मानसिक सामाजिक दिव्यांगता से तात्पर्य उन चुनौतियों से है, जिनका सामना मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त लोग भेदभाव, समर्थन की कमी आदि के कारण करते हैं।

उदयपुर फाइल्स पर रोक से सुप्रीम इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 'उदयपुर फाइल्स' से संबंधित याचिकाओं के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त किए बिना शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट से कहा कि वह इस विवाद से जुड़े मामलों पर 28 जुलाई को विचार करे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि उसने उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल तेली की हत्या पर बनी इस हिंदी फिल्म के प्रदर्शन पर कोई रोक नहीं लगाई है। पीठ ने दलीलें सुनने के बाद कहा, हम हाईकोर्ट से अनुरोध करेंगे कि वह सोमवार 28 जुलाई को इस मामले पर सुनवाई करे और एक संक्षिप्त, तर्कसंगत आदेश पारित करे।

लड़की से दोस्ती बिना सहमति यौन संबंध बनाने का अधिकार नहीं देती

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी लड़की के साथ महज दोस्ती किसी पुरुष को उसकी सहमति के बिना उसके साथ यौन संबंध बनाने का अधिकार नहीं देती। अदालत ने नाबालिग के यौन उत्पीड़न के आरोपी व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने लड़की के साथ सहमति से संबंध बनाने के व्यक्ति के दावे को खारिज कर दिया और कहा कि नाबालिग के मामले में सहमति भी वैध नहीं मानी जाती है। अदालत ने 24 जुलाई के आदेश में कहा, सिर्फ इसलिए कि एक लड़की किसी लड़के से दोस्ती करती है, लड़के को उसकी सहमति के बिना उसके साथ यौन संबंध बनाने का अधिकार नहीं मिल जाता। इसके अलावा, इस मामले में सहमति भी विधिसम्मत नहीं होगी क्योंकि लड़की नाबालिग थी। अदालत ने प्राथमिकी में पीड़िता के विशिष्ट आरोपों और उसके विरोध के बावजूद बार-बार यौन उत्पीड़न किए जाने के बारे में उसकी गवाही को रेखांकित किया।

गाजा शहर में हर पांच में से एक बच्चा कुपोषित

गाजा शहर, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र की फलस्तीनी शरणार्थी एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने कहा है कि गाजा शहर में हर पांच में से एक बच्चा कुपोषित है और इसके मामले हर दिन बढ़ रहे हैं।

यूएनआरडब्ल्यूए के आयुक्त-जनरल फिलिप लाज़ारिनी ने एक बयान में कहा, गाजा में लोग न तो मरे हैं और न ही ज़िंदा, वे चलती-फिरती लाशें हैं। बीबीसी न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, 100 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय सहायता संगठनों और मानवाधिकार समूहों ने भी बड़े पैमाने पर भुखमरी की चेतावनी दी है और सरकारों से कार्रवाई करने का दबाव बनाया है। दूसरी ओर गाजा में सभी आपूर्ति के प्रवेश को नियंत्रित करने वाले इजराइल ने कुपोषण के किसी भी मामले के लिए हमास को ज़िम्मेदार ठहराया है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि गाजा में पहुंच रही सहायता बहुत कम है और इस क्षेत्र में भुखमरी का संकट पहले कभी इतना गंभीर नहीं रहा।

- **संयुक्त राष्ट्र की फलस्तीनी शरणार्थी एजेंसी ने कहा- चलती-फिरती लाशें बन गए हैं लोग**

बढ़ती मानवीय आपदा पर कार्नी की इजराइल को कड़ी फटकार

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गाजा में बढ़ती मानवीय आपदा को रोकने में नाकाम होने के कारण इजराइल सरकार की कड़ी आलोचना की है। कार्नी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इजराइल नियंत्रित सहायता वितरण की जगह किसी अंतर्राष्ट्रीय संगठन के नेतृत्व में एक व्यापक मानवीय सहायता कार्यक्रम लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इनमें कई कनाडा द्वारा वित्तपोषित मदद हैं, जिन्हें भूखे लोगों तक पहुंचने से रोक दिया गया है। मानवीय सहायता को नकार दिया जाना अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लघंन है। कार्नी ने सभी पक्षों से आग्रह किया कि तत्काल प्रभाव से संघर्ष विराम किया जाए। हमास को जल्द बंदियों को रिहा करना चाहिए।

आज का भविष्यफल -पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 26 जुलाई, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 10 .41 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

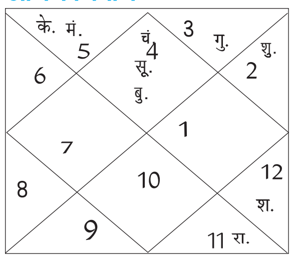

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अश्लेशा 15 .52 तक तत्पश्चात मघा।

मेष — आज व्यापार में प्रभावशाली लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे। कई दिनों से चली आ रही समस्या का समाधान मिलेगा। आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को विदेश से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं।

वृष — आज वैवाहिक संबंधों में तनाव उत्पन्न होने की संभावना है। नए सहयोगियों से आपको सावधान रहना चाहिए। बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिए। तनाव के कारण माइग्रेन का दर्द उभर हो सकता है। पहले किए गए प्रयासों का उत्तम परिणाम मिलेगा।

मिथुन — आज कानूनी मामलों में विजय मिलने की प्रबल संभावना है। अपने लोगों की सलाह लेने से पीछे न हटें। परिवार के छोटे बच्चे आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपके मन में विचारों का आधिक्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका विरोध करने वाले लोगों की आलोचना हो सकती है।

कर्क — आज नया कार्य आरंभा करने के लिए दिन अच्छा है। प्रेमी जन से कोई वादा न करें। तीखा भोजन करने से बचें। आपके काम का श्रेय दूसरे लोग ले सकते हैं। घूमने-फिरने में समय बर्बाद होगा। शाम के समय किसी परिजन से नाराज हो सकते हैं।

सिंह — आज आप अपने लक्ष्यों को लेकर थोड़े दबाव में रहेंगे। सरकारी कार्यों में बाधा आ सकती है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अपेक्षानुकूल सहयोग नहीं मिल पायेगा। कोई भी काम करने से पूर्व मित्रों से विचार-विमर्श अवश्य कर लें।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र में आपके काम पर लोग नजर बनाए रखेंगे। जमीन के कारोबारियों के लिए दिन अच्छा नहीं है। व्यावसायिक अनुबंध करने से पहले पेपर्स वगैरह का ध्यान रखें। आप लोगों की मदद के लिए तैयार रहेंगे।

तुला — आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा है। कार्यक्षेत्र में आपके काम की प्रशंसा होगी। घर में सुख-सुविधाओं का विशेष ध्यान रखेंगे। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। किसी बड़ी समस्या का हल मिलने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक — आज व्यवसाय में आपको थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अधिक सोच-विचार के चक्कर में काम बिगड़ सकते हैं। छोटे बच्चों को डांटने के बजाय उन्हें समझाएं। मौसम में आ रहे बदलाव के कारण सर्द-बुखार की समस्या हो सकती है।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में लोगों के मनोभावों को इग्नोर न करें। पति-पत्नी के बीच मीठी नोक-झोंक होने की संभावना है। छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है। लंबी यात्रा करने से बचना चाहिए। डायबिटीज और रक्तचाप के रोगियों को परेशानी हो सकती है।

मकर — आज अपने विचारों को दूसरों पर थोपने से बचें। आयात-निर्यात से संबंधी व्यवसाय से आपको धन लाभ होगा। परिवार में आपसी सामंजस्य में वृद्धि होगी। नया वाहन खरीद सकते हैं। भोग-विलास का भरपूर आनन्द उठायेंगे। देव स्थल की यात्रा के लिए जा सकते हैं।

कुंभ — आज आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। मित्र के सहयोग से आपको धन लाभ मिलने की संभावना बन रही है। शत्रुओं के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। माता-पिता का आशीर्वाद लेना न भूलें।

मीन — आज घर की आंतरिक साज-सज्जा में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेमभाव में वृद्धि होगी। धार्मिक आयोजन की संभावना बन रही है। कार्यक्षेत्र की उलझनों को सुलझाने में अत्यधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

सुडोकू -50

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8		4		7		1	
	6		2				9	
3					5			
		6				2		1
			3		6	5		
8		1						
	9		1					6
	5				3		4	
	4		5	7	8		2	

सुडोकू - 49 का हल

2	7	5	6	9	1	4	8	3
6	8	9	3	7	4	2	1	5
3	1	4	2	5	8	7	6	9
1	2	3	4	8	9	5	7	6
8	4	7	5	2	6	3	9	1
9	5	6	7	1	3	8	4	2
5	3	1	9	4	7	6	2	8
4	6	8	1	3	2	9	5	7
7	9	2	8	6	5	1	3	4

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दूसरे दिन ऋषभ पंत की एक पैर के चोटिल होने के बावजूद खेली गई साहसिक पारी से न केवल उनके जज्बे का पता चलता है बल्कि इससे उन्होंने साबित कर दिया कि वह एक बेहतरीन 'टीम मैन' हैं। –रवि शास्त्री

स्टेडियम

हल्द्वानी, शनिवार, 26 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

स्पोर्ट्स हाईलाइट

परनीत-दलाल ने स्वर्ण पदक जीता

राइन-रूहर (जर्मनी) : भारत की परनीत कौर और कुशल दलाल ने शुक्रवार को यहां विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) की मिश्रित कंपाउंड तीरंदाजी स्पर्धा के रोमांचक मुकाबले में दक्षिण कोरिया के येरिन पार्क और सेउंगह्यून पार्क को हराकर स्वर्ण पदक जीता। परनीत और दलाल की जीत से भारत ने इस प्रतियोगिता में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। दिन में तीरंदाजी टीम स्पर्धाओं में भारत ने दो अन्य पदक भी जीते। इन दोनों तीरंदाजों को निराशा का सामना करना पड़ा क्योंकि दलाल को पुरुष टीम स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि एशियाई खेलों की टीम स्वर्ण पदक विजेता परनीत ने महिला टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

यश दयाल पर जयपुर में प्राथमिकी दर्ज

जयपुर : आईपीएल की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज यश दयाल के खिलाफ एक नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में जयपुर में मामला दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश के 27 वर्षीय क्रिकेटर पर पहले से ही गाजियाबाद की एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगा रखा है। महिला ने आरोप लगाया है कि दयाल से उसका पांच साल रिश्ता रहा और इस दौरान यश ने शादी का वादा करके उसका यौन शोषण किया। जयपुर के सांगानेर सदर के थानाधिकारी अनिल जैमन ने बताया कि ताज प्राथमिकी बुधवार को दर्ज की गई।

महिला कोपा अमेरिका फुटबॉल मैच के दौरान इक्वाडोर के खिलाफ टीम का पहला गोल करने का जश्न मनाती अर्जेंटीना की किशी नुनेज। एजेंसी

पुरुष हॉकी टीम करेगी ऑस्ट्रेलिया का दौरा

नई दिल्ली : भारतीय पुरुष हॉकी टीम आगामी एशिया कप की तैयारियों के तहत 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में होने वाली चार मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम 15, 16, 19 और 21 अगस्त को छठे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया की टीम का सामना करेगी। सभी मैच पर्थ में खेले जाएंगे। एशिया कप का आयोजन 29 अगस्त से सात सितम्बर तक बिहार के राजगीर में होना है।

तन्वी और वेन्नाला सेमीफाइनल में

सोलो (इंडोनेशिया) : भारत की युवा शटलर तन्वी शर्मा और वेन्नाला कलागोतला ने बैडमिंटन एशिया जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां सेमीफाइनल में जगह बना ली। दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी ने महिला एकल में अपना दबदबा कायम रखते हुए इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त थालिता रमधानी विरयावान को 35 मिनट के मुकाबले में 21-19, 21-14 से हराया। तन्वी पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में रही हैं और अपने सभी मैच सीधे गेम में जीते हैं।

यूपी वॉरियर्स ने नायर को मुख्य कोच बनाया

मुंबई : भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की फ्रेंचाइजी यूपी वारियर्स ने शुक्रवार को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया। नायर को हाल ही में भारतीय पुरुष टीम के सहायक कोच के पद से हटा दिया गया था। वह एक साल से भी कम समय तक भारतीय टीम से जुड़े रहे। वॉरियर्स में वह जॉन लुईस की जगह लेंगे जिनसे फ्रेंचाइजी ने हाल में नाता तोड़ दिया था। यह पहला अवसर नहीं है जबकि नायर वॉरियर्स की टीम के साथ काम करेंगे। वह टूर्नामेंट के पहले सत्र के दौरान भी टीम की मदद कर चुके हैं।

इंग्लैंड के जो रूट शतक लगाने के बाद जश्न मनाते हुए। एजेंसी

रूट के 38वें टेस्ट शतक से इंग्लैंड ने भारत पर कसा शिकंजा

चौथे टेस्ट मैच के तीसरे दिन चाय काल तक चार विकेट पर 433 रन बनाए, विकेट के लिए जूझे भारतीय बॉलर

मैनचेस्टर, एजेंसी

जो रूट के नाबाद 38वें टेस्ट इंग्लैंड ने पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट मैच के तीसरे दिन चाय के विश्राम तक चार विकेट पर 433 रन बनाकर अपनी पकड़ काफी मजबूत कर ली है। इंग्लैंड अब भारत की पहली पारी के 358 रन से 75 रन आगे हैं और उसके छह विकेट बाकी है।

चाय के विश्राम के लिए खेल रोके जाते रूट 121 रन बनाकर क्रीज डटे हुए थे जबकि कप्तान बेन स्टोक्स 36 रन के साथ उनका साथ दे रहे थे। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 84 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। भारतीय गेंदबाजों के लिए दिन का पहला सत्र पूरी तरह से निराशाजनक रहा लेकिन वाशिंगटन सुंदर ने दूसरे सत्र की शुरुआत में ओली पोप (71) और हैरी ब्रुक (तीन) के विकेटों के साथ भारत को दो सफलता दिलाई।

भारत ने लंच के बाद दूसरे सत्र की शुरुआत में सुंदर और रविंद्र जडेजा की स्पिन गेंदबाजों की जोड़ी से गेंदबाजी कराई। सुंदर ने पोप को स्लीप में लोकेश राहुल के हाथों कैच कराकर रूट के साथ तीसरे विकेट के लिए उनकी 144 रन की साझेदारी को तोड़ा। हैरी ब्रुक सुंदर के खिलाफ क्रीज से बाहर निकल कर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में स्टंप हो गये। रूट ने अंशुल कंबोज के खिलाफ ग्लांस कर चौके के साथ टेस्ट में अपना 38वां शतक पूरा किया और चाय के विश्राम से पहले इस गेंदबाज के खिलाफ एक रन चुराकर पोंटिंग के टेस्ट करियर के रनों को पीछे छोड़ दिया।

अपनी गेंद पर शाट लगने के बाद निराशा व्यक्त करते हुए मोहम्मद सिराज। एजेंसी

बुमराह ने नयी गेंद से सिर्फ एक ओवर गेंदबाजी की और फिर मैदान से बाहर चले गये जिससे भारत की मुश्किलें और बढ़ गयी। वह चाय के विश्राम से पहले गेंदबाजी के लिए लौटे लेकिन अंपायरों ने उन्हें बताया कि वह जितने देर मैदान से बाहर रहे है उतना समय मैदान पर बिताने के बाद ही गेंदबाजी कर सकते हैं। इससे पहले दिन की शुरुआती सत्र में रूट और पोप ने भारतीय गेंदबाजों को कोई मौका दिए बिना टीम के स्कोर को दो विकेट पर 332 रन तक पहुंचा दिया था। भारतीय गेंदबाज दिन के शुरुआती सत्र में रूट और पोप के लिए कोई भी मुश्किल चुनौती पैदा करने में नाकाम रहे। मैच के दूसरे दिन की शाम के सत्र को छोड़ दे तो भारतीय गेंदबाजी आक्रमण एक बार फिर इंग्लैंड की बल्लेबाजी में सेंध लगाने में नाकाम रहा। जेम्स एंडरसन के छोर से कुछ गेंदों के नीचे रहने के कारण इंग्लैंड के बल्लेबाजों को थोड़ी परेशानी हुई लेकिन जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाली गेंदबाजी इकाई ने रूट और पोप को ज्यादा परेशान नहीं किया। बृहस्पतिवार को लेग साइड पर बहुत ज्यादा ढीली गेंदें फेंकने वाले भारतीय तेज गेंदबाजों ने लगातार अंतराल पर खराब गेंद डालना जारी रखा जिससे इंग्लैंड के बल्लेबाज कभी दबाव में नहीं आये। इंग्लैंड के सबसे अनुभवी बल्लेबाज रूट ने दिन की शुरुआत में बुमराह की गेंद पर फ्लिक कर शानदार चौका जड़ा। दिन की शुरुआत दो विकेट पर 225 रन से आगे करते हुए इंग्लैंड ने पहले घंटे में सतर्कता से बल्लेबाजी करते हुए स्कोर को 266 रन तक पहुंचाया। कंबोज ने अपने शुरुआती स्पेल में एक मौका बनाया, लेकिन विकेट के करीब से कीपिंग कर रहे ध्रुव जुरेल मुश्किल कैच को लपक नहीं पाए। उस समय पोप 48 रन पर थे। रूट को इस दौरान जीवनदान भी मिला जब सिराज के गेंद पर रन चुराने के दौरान वह गेंदबाजी छोर से काफी दूर रह गये लेकिन रविंद्र जडेजा का थ्रो विकेटों के दूर से निकल गया।

सर्वाधिक टेस्ट रन बनाने में तीसरे स्थान पर पहुंचे जो रूट

■ **मैनचेस्टर :** इंग्लैंड की रन मशीन जो रूट टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने में भारत के राहुल द्रविड़ और दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। जो रूट ने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के तीसरे दिन शुक्रवार को अपनी नाबाद पारी के दौरान कैलिस को पीछे छोड़ा और तीसरे स्थान पर पहुंच गए। रूट के 157वें टेस्ट में 13294 रन हो गए हैं और उन्होंने भारत के राहुल द्रविड़ (164 टेस्ट, 13288) और कैलिस (166 टेस्ट, 13289) को पीछे छोड़ दिया है। रूट से आगे अब ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग (168 टेस्ट, 13378) और भारत के सचिन तेंदुलकर (200 टेस्ट, 15921) हैं। आईसीसी हॉल ऑफ फेमर रिकी पोंटिंग का मानना है कि रुट मैनचेस्टर टेस्ट में उनके रनों की संख्या को पार करने की राह पर हैं। पोंटिंग ने कहा यह बल्लेबाजी के लिए एक शानदार दिन है और जो के लिए यह एक शानदार करियर रहा है।

चोटिल पंत ने साबित कर दिया वह एक बेहतरीन टीम मैन हैं

मैनचेस्टर, एजेंसी

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दूसरे दिन ऋषभ पंत की एक पैर के चोटिल होने के बावजूद खेली गई साहसिक पारी से न केवल उनके जज्बे का पता चलता है बल्कि इससे उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह एक बेहतरीन 'टीम मैन' हैं। पंत ने दिसंबर 2022 में एक कार दुर्घटना में बुरी तरह घायल होने के बावजूद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में शानदार वापसी करके कभी हार न मानने के अपने जज्बे का शानदार नमूना पेश किया था। उन्होंने ओल्ड ट्रैफर्ड में गुरुवार को दाहिने पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर होने के बावजूद 37 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई और अर्धशतक पूरा किया।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में शास्त्री ने कहा अगर किसी को शक था कि वह कभी टीम मैन थे, तो उन्हें आज यह पहली बार देखने को मिला। ऐसा करने के लिए जज्बे से भी ज्यादा की जरूरत होती है। उन्होंने कहा उसका मैदान पर वापस आना और इसके बाद उसने जो कुछ किया वह बहुत खास था। इसके लिए यहां तक इंग्लैंड की टीम ने भी उसकी सराहना की। आप ऐसा कुछ खास करने के लिए ही जीते हैं। आप ऐसा करने के लिए ही खेलते हैं। ऐसी चीज ही आपको खास बनाती है। चौथे टेस्ट से पहले लाड्र्स टेस्ट के दौरान विकेटकीपिंग करते समय पंत की उंगली में चोट लग गई थी। शास्त्री ने कहा उससे पूछा गया कि उंगली कैसी है, क्या आप खेलेंगे, तो उसने कहा 'टूटा भी होता तो खेलता'। इससे पता चलता है कि उसने क्या किया है। उसे टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद है, उसे अपने देश के लिए खेलना पसंद है। पूर्व भारतीय टेस्ट बल्लेबाज़ चेतेश्वर पुजारा ने वीडियो में कहा, हमें उनके जैसे खिलाड़ियों की ज़रूरत है जो मुश्किल वक़्त में आगे आ सकें। उन्होंने इतना दर्द सहने के बावजूद इतना साहस और जज्बा दिखाया। ऐसा करना कभी आसान नहीं होता।

- क्रिकेट जगत ने फ्रैक्चर के बावजूद पंत के साहसपूर्ण अर्धशतक की सराहना की

मेडिकल सब्स्टिट्यूट के मामले में क्रिकेट अंधकार युग में : वॉन

■ **लंदन :** इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत की इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में टूटे पैर के बावजूद खेली गई अर्धशतकीय पारी उनके जज्बे का शानदार नमूना थी लेकिन इससे यह भी पता चलता है कि मेडिकल सब्स्टिट्यूट की अनुमति देने के मामले में क्रिकेट अंधकार युग में है। पंत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में गुरुवार को दाहिने पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर होने के बावजूद 37 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई और अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने इस दौरान 28 गेंद का सामना किया और 17 रन बनाए।

ऋषभ ने वो कर दिखाया जिसका दूसरे सिर्फ सपना देख सकते हैं : गॉवर

मैनचेस्टर : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड गॉवर को इस बात में जरा भी संदेह नहीं है कि वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं पर उन्होंने कहा कि ऋषभ पंत वो कर दिखाया है जिसका दूसरे केवल सपना देख सकते हैं। खेल के सर्वश्रेष्ठ बाएं हाथ के बल्लेबाजों में से एक गॉवर ने यहां खेले जा रहे चौथे टेस्ट के दूसरे दिन पैर में फ्रेक्चर के बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरने की प्रशंसा की। 68 वर्षीय गॉवर ओल्ड ट्रैफर्ड में चल रहे मैच के दौरान लंकाशर क्रिकेट क्लब के साथ काम कर रहे हैं। गॉवर ने पीटीआई को बताया हमने हमेशा कहा है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज सर्वश्रेष्ठ होते हैं। किसी वजह से जब आप बाएं हाथ के बल्लेबाजों को देखते हैं तो वे दाएं हाथ के बल्लेबाजों से ज्यादा शालीन लगते हैं। मैंने बचपन से ही बाएं हाथ के कई बेहतरीन बल्लेबाजों को खेलते देखा है जैसे गैरी सोबर्स। और जब मैं पहली बार कमेंट्री बॉक्स में आकर इनका जिक्र कर रहा था तो ब्रायन लारा शायद उनमें से सबसे बेहतरीन थे। उन्होंने कहा अब हमारे पास बेन डकेट नाम का खिलाड़ी है। उसकी शैली मुझसे बिल्कुल अलग है, पर उसे देखना अद्भुत है। जब आप सीरीज के संदर्भ में बात करते हैं तो आप ऋषभ पंत को नहीं भूल सकते। अगर पंत बाकी मैचों से बाहर हो जाते हैं तो में सीरीज नीरस हो जाएगी।

वेदा कृष्णमूर्ति ने क्रिकेट को अलविदा कहा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की लेकिन संकेत दिया कि वह किसी अन्य भूमिका में खेल से जुड़ी रहेंगी। वेदा ने 48 वनडे और 76 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें उन्होंने क्रमशः 829 और 875 रन बनाए हैं।

वेदा ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा एक छोटे शहर की बड़े सपने रखने वाली लड़की से लेकर गर्व से भारतीय टीम की जर्सी पहनने तक, क्रिकेट ने मुझे जो भी सबक, लोग और यादें दीं हैं, उनके लिए आभारी हूं। अब खिलाड़ी के तौर पर खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है, लेकिन खेल को नहीं। हमेशा भारत के लिए। हमेशा टीम के लिए उपलब्ध रहूंगी। कर्नाटक के पूर्व क्रिकेटर अर्जुन होयसला से शादी करने वाली 32 वर्षीय वेदा आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान देश के लिए खेली थीं। उनका आखिरी एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच 2018 में था। वेदा ने लिखा क्रिकेट ने मुझे करियर से कहीं ज्यादा बढ़कर दिया। इसने मुझे अहसास कराया कि मैं कौन हूं। इसने मुझे लड़ना सिखाया, गिरना सिखाया और खुद को कैसे साबित करना है। आज मैं इस अध्याय को विराम दे रही हूं। आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर वेदा का आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच गुजरात जायंट्स के लिए पिछले साल महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ था। वह कर्नाटक और रेलवे की कप्तानी कर चुकी हैं। महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में किसी गैर-विकेटकीपर द्वारा सबसे ज्यादा कैच लेने का संयुक्त रिकॉर्ड उनके नाम है। लेकिन इन आंकड़ों से भी अधिक वेदा ने कोविड-19 महामारी के दौरान अपनी मां चेलुवम्बा देवी और बहन वत्सला शिवकुमार को खो दिया था।

वेदा कृष्णमूर्ति। एजेंसी

चाइना ओपन में उन्नति क्वार्टर फाइनल में हारीं

चांगझोउ, एजेंसी

उन्नति हुड्डा का चाइना ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन आज समाप्त हो गया जब वह महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से हार गईं। विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी ने भारतीय किशोरी को 21-16, 21-12 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अपने पहले ही बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 इवेंट में खेल रही 17 वर्षीय उन्नति ने अपने निडर प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरीं और बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली केवल चौथी भारतीय महिला एकल शटलर बन गईं। उन्नति ने गुरुवार को पीवी सिंधु को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी थी।

सात्विक और चिराग की जोड़ी पहुंची सेमीफाइनल में

■ **चांगझोउ :** सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने शुक्रवार को यहां चाइना ओपन सुपर 1000 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के यू सिन ओंग और ई यी तेओ को 40 मिनट में 21-18, 21-14 से आसानी से हरा दिया। इस जीत के साथ सात्विक-चिराग का मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ 7-3 का जीत हार का रिकॉर्ड हो गया है। सात्विक और चिराग के सामने अंतिम चार चरण में मलेशिया की दुनिया की नंबर दो जोड़ी आरोन चिया-सोह वूई यिक की चुनौती होगी।

वीनस लगातार दूसरी जीत दर्ज करने में नाकाम रहीं

वाशिंगटन : वीनस विलियम्स की डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में हार के साथ ही 2019 के बाद लगातार दूसरा मैच जीतने की उम्मीद टूट गई। पिछले एक साल से भी अधिक समय में किसी टूर्नामेंट में भाग ले रही वीनस को दूसरे दौर के मैच में विश्व की 24वीं रैंकिंग के खिलाड़ी मैग्डेलेना फ्रेच ने 6-2, 6-2 से पराजित किया। सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस ने मैच के बाद कहा मैंने यहां खेलने का पूरा आनंद उठाया। निश्चित रूप से परिणाम मेरे अनुकूल नहीं रहा लेकिन मुझे यहां काफी कुछ सीखने को मिला। खेल और जीवन की खास बात यह है कि आप कभी सीखना बंद नहीं करते।

डेविस कप | एआईटीए ने स्विट्जरलैंड में होने वाले मुकाबले के लिए आठ सदस्यीय टीम का चयन किया

नागल और युकी की भारतीय डेविस कप टीम में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल की दो साल के अंतराल तो वहीं युगल खिलाड़ी युकी भांबरी की पिछले दो मुकाबलों से बाहर रहने के बाद शुक्रवार को डेविस कप टीम में वापसी हुई।

अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) की चयन समिति ने स्विट्जरलैंड की मेजबानी में होने वाले मैच के लिए आठ सदस्यीय टीम का चयन किया है। भारत 12 सितंबर से इंडोर कोर्ट पर खेले जाने वाले विश्व ग्रुप एक के पहले दौर के मुकाबले के लिए बील शहर की यात्रा करेगा। नागल पिछली बार सितंबर 2023 में लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ घरेलू मुकाबले में खेले थे। उन्होंने इस मुकाबले के दोनों एकल मैच जीतकर भारत की 4-1 की जीत में अहम योगदान दिया था। वह फरवरी 2024 में पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक मुकाबले के लिए नहीं गए थे और इसके बाद स्वीडन तथा टोगो के खिलाफ मैच भी नहीं खेल पाए थे।

डेविस कप टीम

■ **एकल :** सुमित नागल, करण सिंह और आर्यन शाह।
युगल : युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी।
रिजर्व : दक्षिणेश्वर सुरेश, शशिकुमार मुकुंद और रित्विक बोलीपल्ली।

मौजूदा सत्र में खराब फॉर्म से जूझ रहे नागल विश्व रैंकिंग में शीर्ष-300 खिलाड़ियों की सूची से बाहर हो गए हैं। इस महीने इटली में ट्राएस्टे चैलेंजर में सेमीफाइनल तक पहुंचना उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। नागल (विश्व रैंक 306) के अलावा करण सिंह (403) और युवा आर्यन शाह (442) को एकल खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया गया है।

शशिकुमार मुकुंद (463) और प्रतिभावान दक्षिणेश्वर सुरेश (790) इस मुकाबले के लिए रिजर्व (वैकल्पिक) एकल खिलाड़ी होंगे। शीर्ष रैंक वाले भारतीय युकी (विश्व रैंक 35) और एन श्रीराम बालाजी (75) युगल खिलाड़ी के रूप में टीम में चुने गए हैं, जिसमें ऋत्विक बोलिपल्ली (77) रिजर्व खिलाड़ी होंगे। युकी पाकिस्तान गए थे और उन्होंने इस्लामाबाद में टीम को 4-0 से जीत दिलाने में योगदान भी दिया था। वह इसके बाद हालांकि राष्ट्रीय टीम का हिस्सा नहीं थे। यह मुकाबला तेज माने जाने वाले इंडोर कोर्ट पर खेला जाएगा। नागल का खेल धीमी कोर्ट के लिए सबसे उपयुक्त है।

सुमित का रैंकिंग में शीर्ष 100 तक का सफर शानदार रहा

■ भारतीय टेनिस टीम के कप्तान रोहित राजपाल ने कहा सुमित नागल का रैंकिंग में शीर्ष 100 तक का सफर शानदार रहा है। वह शीर्ष स्तर पर खेलते हैं और आपने खेल में बदलाव करने में सक्षम हैं। कुछ ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ियों की जगह दक्षिणेश्वर को टीम में शामिल करने के बारे में पूछे जाने पर राजपाल ने कहा हम कुछ समय से उनके खेल पर नजर रख रहे हैं। उनका हार्ड कोर्ट गेम अच्छा है। वह 6 .5 फुट लंबे हैं और उनकी सर्विस काफी अच्छी है। इंडोर कोर्ट पर यह टीम के लिए फायदेमंद होगा। इस टाई में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा हम अभ्यास मैच खेलेंगे और फॉर्म, फिटनेस और मैच की परिस्थितियों के आधार पर अंतिम टीम का चयन करेंगे।